

भारतीय रिज़र्व बैंक  
**बुलेटिन**



जून 2019

खंड 73 अंक 6

संपादन समिति

राजीव रंजन

डी. पी. रथ

सितिकंठ पट्टनायक

जी. पी. सामता

एस. गंगाधरन

पल्लवी चट्टाण

रुनेहल हेरवाडकर

संपादक

एस. एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें प्रस्तुत व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2019

सर्वाधिकार सुरक्षित।

सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,

बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया

'महत्वपूर्ण प्रकाशन' खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को

<http://www.bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

# विषय-वस्तु

## मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2019-20

दूसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2019-20 1

## भाषण

बैंकिंग परिदृश्य: वर्तमान स्थिति और भावी दिशा 9  
शक्तिकांत दास

## लेख

क्या बारिश के देवता प्रसन्न होंगे या रुठे रहेंगे?  
मॉनसून के पूर्वानुमानों का मूल्यांकन 15

भुगतान और निपटान: भारतीय वित्तीय प्रणाली के  
ढांचे की दुरुस्तगी 25

वर्तमान सांख्यिकी 35

हाल के प्रकाशन 79



# मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2019-20

दूसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2019-20



## दूसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2019-20 मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), भारतीय रिज़र्व बैंक का संकल्प\*

मौद्रिक नीति समिति ने आज की अपनी बैठक में वर्तमान और उभरती समष्टिगत आर्थिक परिस्थिति के आकलन के आधार पर यह निर्णय लिया है कि –

- चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 6.00 प्रतिशत से 25 आधार अंक कम करके 5.75 प्रतिशत किया जाए।

परिणामस्वरूप, एलएएफ के तहत प्रतिवर्ती रेपो दर 5.50 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.00 प्रतिशत पर समायोजित हो जाएगी।

एमपीसी ने मौद्रिक नीति रुख को तटस्थ से उदार रुख में बदलने का भी निर्णय लिया है।

ये निर्णय वृद्धि को सहारा प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत के मध्यावधिक लक्ष्य को +2/-2 प्रतिशत के दायरे में हासिल करने के उद्देश्य से भी है।

इस निर्णय के समर्थन में प्रमुख विवेचनों का वर्णन नीचे दिए गए विवरण में किया गया है।

### आकलन

#### वैश्विक अर्थव्यवस्था

2. वैश्विक आर्थिक गतिविधि ने 2019 की पहली तिमाही में कुछ हद तक बेहतर प्रदर्शन के बाद गति खो दी है, जो आगे व्यापार और विनिर्माण गतिविधि में मंदी में प्रतिबिम्बित हुई है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (ईई) के बीच, अमेरिका में आर्थिक गतिविधि पहली तिमाही में मजबूत हुई, जो उच्च सरकारी खर्च,

निजी निवेश में वृद्धि और कम व्यापार घाटे द्वारा समर्थित है। तथापि, फ़ैक्टरी गतिविधि और खुदरा बिक्री अप्रैल में मंद हुई। मंद औद्योगिक गतिविधि और कमजोर व्यावसायिक आत्मविश्वास के कारण यूरो क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि कमजोर बनी हुई है। दूसरी तिमाही में यूरो क्षेत्र में अग्रणी संकेतक अतिरिक्त मंदी की ओर इशारा कर रहे हैं। यूके में, पहली तिमाही में उच्च खुदरा बिक्री और सरकारी व्यय से जीडीपी की वृद्धि हुई। तथापि, ब्रेक्सिट से संबंधित अनिश्चितता के कारण संभावनाएं अस्पष्ट हैं। शुद्ध निर्यात लाभ और सार्वजनिक निवेश में वृद्धि पर जापानी अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में तेज हुई। अप्रैल में, औद्योगिक उत्पादन में सुधार हुआ, जबकि खुदरा बिक्री गिर गई।

3. कई उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में आर्थिक गतिविधि धीमी हो गई है। 2019 की पहली तिमाही में, चीनी अर्थव्यवस्था पिछली तिमाही की तरह तेज गति से बढ़ी, जो आम उम्मीदों की अपेक्षा थोड़ी अधिक थी। तथापि, औद्योगिक उत्पादन और खुदरा बिक्री पर आने वाले आकड़ों से पता चलता है कि विकास की गति दूसरी तिमाही में कमजोर हो सकती है। रूसी अर्थव्यवस्था, जिसने 2018 की चौथी तिमाही में वसूली के कुछ संकेत दिखाए थे, जो मंद घरेलू गतिविधि और व्यापार के कारण पहली तिमाही में कमजोर हो गई। पहली तिमाही में दक्षिण अफ्रीका में आर्थिक गतिविधियों में मुख्य रूप से विनिर्माण गतिविधि में तेज गिरावट आई है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था 2016 के बाद पहली बार पहली तिमाही में संकुचित हुई और यह आशंका है कि यह मंदी में लौट सकती है।

4. कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं, जो ओपेक प्लस के उत्पादन रुख से बढ़ती मांग-आपूर्ति की स्थिति को दर्शाती है, जो बढ़ती शेल उत्पादन, वैश्विक मांग और भू-राजनीतिक चिंताओं को कमजोर कर रही है। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतें कमजोर हुईं; तथापि, व्यापार तनाव बढ़ने पर मई के आखिरी सप्ताह से कीमतों में तेजी आई, जिसने आश्रय संपत्ति के रूप में अपनी मांग को फिर से बढ़ाया। मुद्रास्फीति कई अर्थव्यवस्थाओं में लक्ष्य से नीचे बनी हुई है, यद्यपि इसने मार्च के बाद से तेजी दिखाई है।

5. वित्तीय बाजार यूएस-चीन व्यापार वार्ता और ब्रेक्सिट के आसपास की अनिश्चितताओं से प्रेरित होकर परिचालित हो

\* 06 जून, 2019 को जारी किया गया।

रहे हैं। अमेरिका में, इक्विटी बाजार ने मई के शुरुआत में चीन और हाल ही में, मेक्सिको के साथ व्यापार तनाव के बढ़ने के बाद से कुछ बिक्री दबावों को अनुभव किया गया है। बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं पर जोखिम बढ़ने के कारण और वैश्विक बाजार की संभावनाओं को कमजोर करने के कारण अधिकांश ईएमई में इक्विटी बाजारों में मंदी आई। यूएस में अप्रैल में पहली तिमाही में बेहतर जीडीपी डेटा के कारण बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि हुई, लेकिन आर्थिक आंकड़ों और एक डॉविश मौद्रिक नीति के रुख की उम्मीद के कारण इसमें मई में गिरावट आई। जर्मनी में बॉन्ड प्रतिफल में कमजोर आर्थिक आंकड़ों के कारण नकारात्मकता देखी गयी; जापान में, वे निरंतर उदरात्मकता के संकेत पर नकारात्मक बने रहे। कई ईएमई में, बॉण्ड प्रतिफल आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मौद्रिक नीति को अपनाने के साथ केंद्रीय बैंकों के साथ गिर रहे हैं। मुद्रा बाजारों में, पहली तिमाही के लिए अपेक्षित घरेलू आर्थिक आंकड़ों की तुलना में अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ। अधिकांश ईएमई मुद्राओं में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट आई है।

#### घरेलू अर्थव्यवस्था

6. घरेलू अर्थव्यवस्था की ओर रुख करते हुए, 31 मई, 2019 को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2018-19 की चौथी तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तिमाही अनुमान और 2018-19 के लिए राष्ट्रीय आय का अंतिम अनुमान जारी किया। 2018-19 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर वर्ष-दर-वर्ष (वाई-ओ-वाई) 6.8 प्रतिशत आंकी गई है, जो कि निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) में नीचे की ओर संशोधित और निर्यात मंदी के कारण 28 फरवरी को जारी दूसरे अग्रिम अनुमान से 20 आधार अंक नीचे है। तिमाही के आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू आर्थिक गतिविधि तीसरी तिमाही में 6.6 प्रतिशत और 2017-18 की चौथी तिमाही में 8.1 प्रतिशत से 2018-19 की चौथी तिमाही में तेजी से घटकर 5.8 प्रतिशत हो गई। पिछली पांच तिमाहियों में दोहरे अंकों में रहने के बाद सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की वृद्धि तेजी से घटकर 3.6 प्रतिशत रह गई। निजी खपत की वृद्धि भी कम हुई। आयात के सापेक्ष निर्यात में तेज गिरावट के कारण शुद्ध निर्यात से कुल मांग पर चौथी तिमाही में वृद्धि हुई। तथापि, सरकारी अंतिम उपभोग

व्यय (जीएफसीई) में बड़ी वृद्धि के कारण विकास में समग्र मंदी आई थी।

7. आपूर्ति पक्ष पर, 2018-19 की चौथी तिमाही में रबी उत्पादन में गिरावट के कारण यद्यपि मामूली रूप से, कृषि और संबद्ध गतिविधियां संकुचित रहीं। तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2018-19 में 283.4 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन मुख्य रूप से रबी चावल, दालों और मोटे अनाजों के कम उत्पादन के कारण पिछले वर्ष की तुलना में 0.6 प्रतिशत कम था। तथापि, पहले के अनुमानों के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन में तेजी रही है। 16 मई 2019 तक 72.6 मिलियन टन खाद्यान्न का स्टॉक निर्धारित बफर मानदंडों से 3.4 गुना अधिक था। विनिर्माण गतिविधियों में वृद्धि पिछली तिमाही के 6.4 प्रतिशत से तेजी से घट कर 3.1 प्रतिशत हुई। तथापि, सेवा क्षेत्र की वृद्धि, वित्तीय, भू संपदा और पेशेवर सेवाओं एवं सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं द्वारा समर्थन के कारण तेज रही। इसके विपरीत, विनिर्माण गतिविधि स्पष्ट रूप से धीमी हो गई।

8. चौथी तिमाही से आगे बढ़ते हुए, भारत के मौसम विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश (जून से सितंबर) लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के 96 प्रतिशत तक सामान्य रहने की संभावना है। प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा कमजोर एल नीनो परिस्थिति मानसून के दौरान जारी रहने की संभावना है। तथापि, वर्तमान में प्रचलित तटस्थ हिंद महासागर डिपोल (आईओडी) की स्थिति मानसून के मौसम के बीच में सकारात्मक हो सकती है और इसके बाद बनी रह सकती है, जो बारिश के दृष्टिकोण से शुभ संकेत है।

9. अप्रैल में, मुख्य रूप से कोयला, कच्चे तेल, उर्वरक और सीमेंट में गिरावट के कारण आठ प्रमुख उद्योगों में तेजी से गिरावट हुई। बैंकों से बड़े उद्योगों में ऋण प्रवाह मजबूत हुआ, यद्यपि वे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए कम रहे। रिज़र्व बैंक की आदेश पुस्तिका के प्रारंभिक परिणामों के आधार पर, इन्वेंट्री और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूएस), विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग (सीयू) तीसरी तिमाही में 75.9 प्रतिशत की तुलना में चौथी तिमाही में बढ़कर 77 प्रतिशत हो गया; तथापि, मौसम के हिसाब से समायोजित क्षमता उपयोग (सीयू) तीसरी तिमाही में 75.8 प्रतिशत की तुलना में मामूली रूप में फिसल



कर चौथी तिमाही में 75.2 प्रतिशत रहा। 2019-20 की पहली तिमाही में औद्योगिक आउटलुक सर्वेक्षण (आईओएस) का व्यवसाय मूल्यांकन सूचकांक (बीएआई) पिछली तिमाही में अपने स्तर पर अपरिवर्तित रहा। पूंजीगत वस्तुओं का आयात- निवेश गतिविधि का एक प्रमुख संकेतक- अप्रैल में मंद बना रहा। तथापि, विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई में उत्पादन, नए आदेश और रोजगार में मजबूती के कारण 52.7 तक पहुंच गया।

10. उच्च आवृत्ति संकेतक सेवा क्षेत्र में गतिविधि में मंदी की ओर इशारा करते हैं। अप्रैल में वाणिज्यिक वाहनों, ट्रैक्टरों, सवारी कारों और तीन और दो पहिया वाहनों की बिक्री संकुचित रही। रेलवे माल ढुलाई विकास में गिरावट आई है। मार्च में घरेलू हवाई यात्री यातायात वृद्धि में कमी हुई, लेकिन अप्रैल में मामूली रूप से परिवर्तित हुई। निर्माण गतिविधि के दो प्रमुख संकेतक अर्थात् सीमेंट उत्पादन और इस्पात की खपत अप्रैल में धीमी हो गयी। पीएमआई सेवा सूचकांक मई में नए व्यवसायों के विकास में धीमी वृद्धि के कारण 50.2 तक पहुंच गया।

11. सीपीआई में वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन द्वारा मापी गई खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में इसके 2.9 प्रतिशत के स्तर से अप्रैल में अपरिवर्तित रही, खाद्य और ईंधन को छोड़कर कम मुद्रास्फीति ने खाद्य और ईंधन समूहों में उच्च मुद्रास्फीति को समायोजित कर दिया।

12. अप्रैल में खाद्य मुद्रास्फीति के प्रिंट में मार्च में 0.7 प्रतिशत की तुलना में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। खाद्य समूह के भीतर, सब्जियां नौ महीने के अपस्फीति से बाहर आई। तथापि, तीन उप-समूह, अर्थात्, फल, दाल और चीनी अप्रैल में अपस्फीति में बने रहे, यद्यपि अपस्फीति की मात्रा कम हुई। अन्य खाद्य उप-समूहों के बीच, दूध, तेल और वसा, मसाले, गैर-अल्कोहलीक पेय पदार्थों और तैयार भोजन की कीमतों में सुधार हुआ, जबकि मांस, मछली और अंडों की कीमतों में मुद्रास्फीति बढ़ गई।

13. ईंधन और प्रकाश समूह की मुद्रास्फीति तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी के कारण फरवरी के 1.2 की तुलना में अप्रैल में बढ़कर 2.6 प्रतिशत हो गई। सब्सिडाइज्ड केरोसिन तेल में मुद्रास्फीति भी बढ़ी है, जो इसके प्रशासित मूल्य में कैलिब्रेटेड वृद्धि के प्रभाव को दर्शाती है।

तीन महीनों के बाद बिजली की कीमतें अप्रैल में अपस्फीति के बाहर चली आई। ग्रामीण ईंधन की खपत की वस्तुओं की कीमतें - जलाऊ लकड़ी, चिप्स और गोबर केक - अपस्फीति में चले गए।

14. सीपीआई मुद्रास्फीति खाद्य और ईंधन को छोड़कर मार्च में 5.1 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल में 4.5 प्रतिशत तक तेजी से गिर गई - अप्रैल 2017 के बाद से यह सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। घरेलू सामान और सेवाओं के साथ मुद्रास्फीति में मंदी व्यापक रूप से आधारित था और व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव उप-समूह ने अप्रैल में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की; जून 2017 के बाद से आवास मुद्रास्फीति सबसे कम थी जो शहरी क्षेत्रों में मकान किराए में नरमी को दर्शाती हैं। नई अखिल भारतीय सीपीआई श्रृंखला में कपड़ों और जूतों की महंगाई ने अपने ऐतिहासिक स्तर को भी छुआ। शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन और संचार में मुद्रास्फीति मंद रही।

15. रिजर्व बैंक के सर्वेक्षण के मई 2019 में घरेलू मुद्रास्फीति के अनुमान में पिछले दौर की तुलना में तीन महीने के आगे होरीज़ोन के लिए 20 आधार अंक की गिरावट आई, लेकिन एक साल के आगे होरोज़ोन के लिए यह अपरिवर्तित रहा। तथापि, रिजर्व बैंक के औद्योगिक दृष्टिकोण सर्वेक्षण में भाग लेने वाली विनिर्माण फर्मों को उम्मीद है कि उच्चतर कच्चे माल की लागत और दूसरी तिमाही में वेतन के कारण इनपुट लागत दबाव तेज होगा। कृषि और औद्योगिक कच्चे माल दोनों में इनपुट मूल्य दबाव कम हुआ। ग्रामीण मजदूरी और संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों की लागत में नाममात्र वृद्धि स्थिर रही।

16. अप्रैल और मई के अधिकांश समय के दौरान घाटे में रहने पर सरकारी खर्च पर रोक लगाने के कारण जून की शुरुआत में सिस्टम में चलनिधि ₹ 66,000 करोड़ (₹ 660 बिलियन) के औसत दैनिक अधिशेष में बदल गई। रिजर्व बैंक ने एलएएफ के तहत दैनिक शुद्ध औसत आधार पर अप्रैल में ₹ 70,000 करोड़ (₹ 700 बिलियन) और मई में ₹ 33,400 करोड़ (₹ 334 बिलियन) चलनिधि उपलब्ध करवाया। सिस्टम में स्थायी चलनिधि उपलब्ध करने हेतु मई में दो ओएमओ की नीलामी का आयोजन किया, जिसकी राशि ₹ 25,000 करोड़ (₹ 250 बिलियन) थी और अप्रैल में 3 वर्ष की अवधि हेतु 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर (₹ 34,874 करोड़) की खरीद/ बिक्री स्वैप नीलामी आयोजित

की गई। भारत औसत मांग मुद्रा दर (डबल्यूएसीआर) - मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य - मोटे तौर पर पॉलिसी रेपो दर के साथ संरेखित रहा: इसने अप्रैल में 6 बीपीएस तक पॉलिसी रेपो दर (औसतन) से ऊपर, लेकिन मई में पॉलिसी रेपो दर से नीचे 6 बीपीएस तक कारोबार किया। रिजर्व बैंक ने घोषणा की है कि वह 13 जून, 2019 को ₹ 15,000 करोड़ (₹ 150 बिलियन) की ओएमओ खरीद नीलामी आयोजित करेगा।

17. फरवरी और अप्रैल 2019 में पॉलिसी रेपो दर में 50 बीपीएस की संचयी कमी का ट्रांसमिशन नए रुपये ऋणों पर भारत औसत उधार दर (डबल्यूएएलआर) पर 21 बीपीएस था। तथापि, बकाया रूपए ऋण पर डबल्यूएएलआर में 4 बीपीएस की वृद्धि हुई क्योंकि पिछले ऋणों पर उच्च दर जारी रहे। दीर्घावधि मुद्रा बाजार लिखत पर ब्याज दर व्यापक रूप से ओवरनाइट डबल्यूएसीआर के साथ संबद्ध रहे, जो नीतिगत दर में कमी के पूर्ण ट्रांसमिशन को परिलक्षित करते हैं।

18. मार्च 2019 की निर्यात में पायी गयी 11.8 प्रतिशत की वृद्धि बरकरार नहीं रह सकी: अप्रैल 2019 में इंजीनियरिंग वस्तुओं, रत्नों और आभूषणों और चमड़े के उत्पादों में गिरावट के कारण उनमें 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल 2019 में पिछले महीने के मुकाबले पेट्रोलियम (कच्चे तेल और उत्पाद), सोना और मशीनरी के आयात में उछाल के कारण आयात कुछ तेज गति से बढ़ा। इससे व्यापार घाटे में क्रमिक रूप से और वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वृद्धि हुई। अनंतिम आंकड़ों से पता चलता है कि 2018-19 की चौथी तिमाही में निवल सेवा निर्यात एक साल पहले के उनके स्तर की तुलना में काफी अधिक था, जो चालू खाता शेष के लिए अच्छा है। वित्तीय पक्ष पर, निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह 2018-19 की चौथी तिमाही में एक साल पहले की तुलना में अधिक मजबूत रहे। मार्च 2019 में तेज रिकवरी के बाद, 2019-20 में अप्रैल-मई में निवल विदेशी पोर्टफोलियो अंतर प्रवाह अमरीकी डॉलर 2.3 बिलियन पर अपेक्षाकृत मामूली था। जबकि इस अवधि के दौरान इक्विटी खंड को निवल अंतर प्रवाह प्राप्त हुआ, ऋण खंड में निवल बहिर्वाह देखा गया। 31 मई 2019 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 421.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

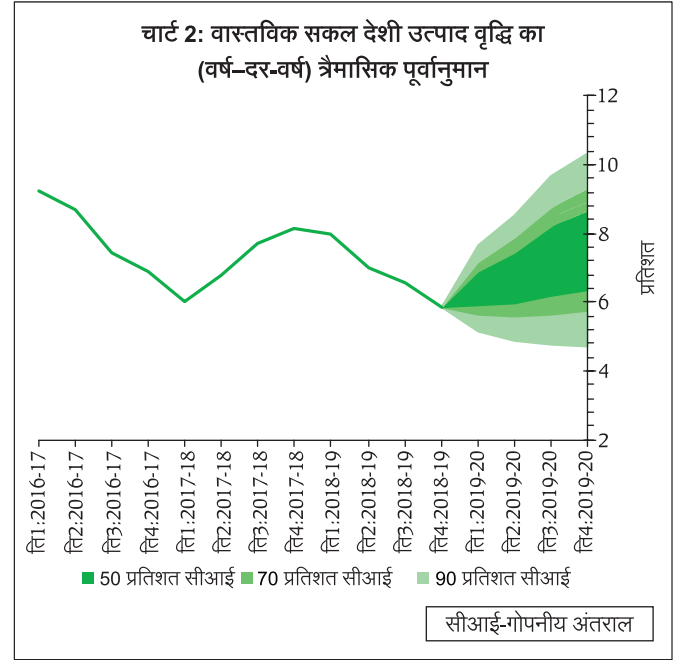
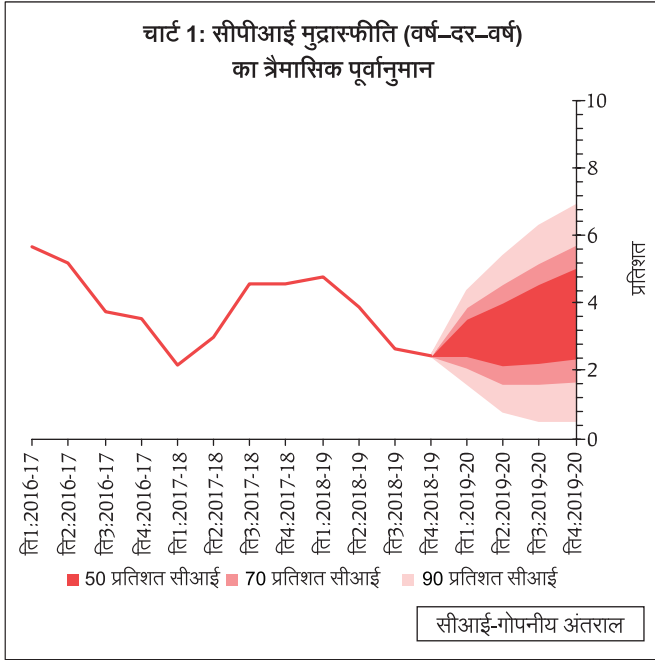
## संभावनाएं

19. अप्रैल 2019 की द्विमासिक मौद्रिक नीति संकल्प में, मोटे तौर पर संतुलित जोखिम के साथ सीपीआई मुद्रास्फीति को 2018-19 की चौथी तिमाही के लिए 2.4 प्रतिशत, 2019-20 की पहली छमाही के लिए 2.9-3.0 प्रतिशत और 2019-20 की दूसरी छमाही के लिए 3.5-3.8 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। चौथी तिमाही में 2.5 प्रतिशत हेडलाइन मुद्रास्फीति के परिणाम अप्रैल नीति अनुमानों के अनुरूप थे।

20. 2019-20 के लिए आधारभूत मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र कई कारकों द्वारा निर्धारित है। सबसे पहले, सब्जियों की कीमतों में गर्मी में उछाल उम्मीद से ज्यादा तेज रहा है, हालांकि इसमें शरद ऋतु और सर्दियों के दौरान एक बड़ा उलटफेर भी आ सकता है। अधिक हाल की जानकारी भी कई खाद्य पदार्थों की कीमतों में व्यापक पिक-अप का संकेत देती है। इसने खाद्य मुद्रास्फीति के निकटवर्ती प्रक्षेपवक्र को एक ऊपर की ओर का पूर्वाग्रह प्रदान किया है। दूसरा, अप्रैल में खाद्य और ईंधन को छोड़कर मुद्रास्फीति में घरेलू और बाहरी मांग की स्थिति के कमजोर होने से मुद्रास्फीति में 60 बीपीएस की तीव्र गिरावट आई है; इसने शेष वर्ष के लिए मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र को एक निम्न ओर का पूर्वाग्रह प्रदान किया है। तीसरा, कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं। हालांकि, सीपीआई मुद्रास्फीति पर इसका प्रभाव अब तक अपूर्ण है। चौथा, परिवारों की निकट अवधि की मुद्रास्फीति की उम्मीदें मध्यम रही हैं। इन कारकों को और हाल की नीतिगत दर में कटौती को ध्यान में रखते हुए और 2019 में एक सामान्य मानसून की अपेक्षाओं के साथ, मोटे तौर पर संतुलित जोखिमों के साथ सीपीआई मुद्रास्फीति को 2019-20 की पहली छमाही के लिए 3.0-3.1 प्रतिशत और 2019-20 की दूसरी छमाही के लिए 3.4-3.7 प्रतिशत तक संशोधित किया गया है। (चार्ट 1)।

21. मानसून से संबंधित अनिश्चितताओं, सब्जियों की कीमतों में बेमौसमी उतार-चढ़ाव, अंतरराष्ट्रीय ईंधन की कीमतों और उससे प्रभावित घरेलू कीमतों, भू-राजनीतिक तनावों, वित्तीय बाजार की अस्थिरता और राजकोषीय परिदृश्य से आधारभूत मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र के आसपास जोखिम उत्पन्न होते हैं।

22. अप्रैल की नीति में, 2019-20 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर समान रूप से संतुलित जोखिमों के साथ 7.2



प्रतिशत - पहली छमाही के लिए 6.8-7.1 प्रतिशत की सीमा में और दूसरी छमाही के लिए 7.3-7.4 प्रतिशत की सीमा में अनुमानित की गई थी। 2018-19 की चौथी तिमाही के आंकड़े बताते हैं कि घरेलू निवेश गतिविधि कमजोर हुई है और निर्यात में कमी से कुल मांग आंशिक रूप से कम हुई है। व्यापार युद्धों में वृद्धि के कारण कमजोर वैश्विक मांग भारत के निर्यात और निवेश गतिविधि को और प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा, निजी खपत, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, हाल के महीनों में कमजोर हुई है। हालांकि, सकारात्मक पक्ष पर, राजनीतिक स्थिरता, उच्च क्षमता उपयोग, दूसरी तिमाही में व्यापार की उम्मीदों में उछाल, शेयर बाजार की बेहतर स्थिति और व्यावसायिक क्षेत्र के लिए उच्च वित्तीय प्रवाह निवेश गतिविधि में वृद्धि कर सकते हैं। उपरोक्त कारकों और हाल की नीति दर में कटौती के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, 2019-20 के लिए जीडीपी की वृद्धि अप्रैल की नीति के 7.2 प्रतिशत से नीचे की ओर संशोधित होकर -2019-20 की पहली छमाही के लिए के लिए 6.4-6.7 प्रतिशत और दूसरी छमाही के लिए 7.2-7.5 प्रतिशत - की सीमा में समान रूप से संतुलित जोखिमों के साथ 7.0 प्रतिशत हो गई है (चार्ट 2)।

23. एमपीसी नोट करता है कि अप्रैल 2019 की नीति की तुलना में उत्पादन अंतराल के और अधिक विस्तृत हो जाने के

कारण विकास आवेगों में काफी कमी आई है। निजी उपभोग वृद्धि में निरंतर वृद्धि के साथ-साथ निवेश गतिविधियों में तीव्र मंदी चिंता का विषय है। पिछली दो नीतियों में नीतिगत दरों में कटौती के अपेक्षित प्रसारण को ध्यान में रखते हुए भी हेडलाइन मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र एमपीसी को दिए गए लक्ष्य के नीचे रहा है। इसलिए, कुल मांग को बढ़ाने के लिए और विशेष रूप से निजी निवेश गतिविधि को फिर से मजबूत करने के लिए एमपीसी के पास अपने लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के अनुरूप विकास चिंताओं को समायोजित करने की गुंजाइश है।

24. इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी के सभी सदस्यों (डॉ. चेतन घाटे, डॉ. पामी दुआ, डॉ. रविंद्र एच. ढोलकिया, डॉ. माइकल देवव्रत पात्रा, डॉ. विरल वी. आचार्य और श्री शक्तिकांत दास) ने सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से कम करने और मौद्रिक नीति रुख को तटस्थ से उदार रुख में बदलने का भी निर्णय लिया है।

25. एमपीसी की बैठक के कार्यवृत्त 20 जून 2019 तक प्रकाशित किए जाएंगे।

26. एमपीसी की अगली बैठक 5 से 7 अगस्त 2019 के दौरान आयोजित की जाएगी।

## विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य

यह वक्तव्य विनियमन और पर्यवेक्षण को मजबूत करने; वित्तीय बाजारों को व्यापक और मजबूत बनाने; भुगतान और निपटान प्रणाली में सुधार करने के लिए विभिन्न विकासात्मक और विनियामक नीति उपायों को निर्धारित करता है।

### I. विनियमन और पर्यवेक्षण

#### 1. बैंकों के लिए लिवरेज अनुपात

अत्यधिक लिवरेज के जोखिमों को कम करने के लिए, बैंकिंग पर्यवेक्षण (बीसीबीएस) पर बासल समिति ने बेसल III लिवरेज अनुपात (एलआर) को मौजूदा जोखिम-आधारित पूंजी पर्याप्तता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सरल, पारदर्शी और गैर-जोखिम आधारित उपाय के रूप में बनाया। रिज़र्व बैंक द्वारा बनाए गए एलआर पर ढांचे के संदर्भ में, 4.5% के सांकेतिक एलआर पर बैंकों की निगरानी की गई। इन दिशानिर्देशों ने प्रकटीकरण का उद्देश्य से और बैंकों द्वारा समानांतर चलने के आधार के रूप में भी कार्य किया है। अंतिम न्यूनतम एलआर आवश्यकता को 2017 के अंत तक बासल समिति द्वारा निर्धारित अंतिम नियमों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाना था।

बीसीबीएस ने हाल ही में यह निर्णय दिया है कि बैंकों को हर समय न्यूनतम 3% एलआर आवश्यकता को पूरा करना चाहिए (बासल III: संकट के बाद के सुधारों को अंतिम रूप देना, दिसंबर 2017)। दोनों पूंजीगत माप और एक्सपोजर माप की गणना तिमाही-अंत के आधार पर की जानी है। तथापि, बैंक, पर्यवेक्षी अनुमोदन के अधीन, जब तक कि वे ऐसा लगातार रूप से करते रहेंगे अधिक बारंबारता (जैसे, दैनिक या मासिक औसत) के साथ गणना कर सकते हैं।

वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए और बासल III मानकों के साथ सामंजस्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (डीएसआईबी) के लिए न्यूनतम एलआर 4% और अन्य बैंकों के लिए 3.5% होना चाहिए। इस संबंध में अनुदेश जून 2019 की समाप्ति से पहले जारी किए जाएंगे।

#### 2. लघु वित्त बैंकों को मांग पर लाइसेंस

27 नवंबर 2014 को निजी क्षेत्र में "भुगतान बैंकों" और "लघु वित्त बैंकों" को लाइसेंस के लिए दिशानिर्देशों में यह अधिसूचित

किया गया था कि इन बैंकों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त करने के बाद, रिज़र्व बैंक 'मांग पर' लाइसेंस देने का विचार करेगा।

लघु वित्त बैंकों के मामले में, ऐसे दस बैंकों को लाइसेंस जारी किया गया था। इसके अलावा, दस लघु वित्त बैंकों में से आठ को रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में भी शामिल किया गया है। लघु वित्त बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा से पता चलता है कि उन्होंने अपने प्राथमिकता क्षेत्र के लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है और इस प्रकार वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए अपने जनादेश को प्राप्त किया है। इसलिए, छोटे उधारकर्ताओं की बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए अधिक खिलाड़ियों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए, अगस्त 2019 के अंत तक लघु वित्त बैंकों को 'मांग पर' लाइसेंस के लिए ड्राफ्ट दिशानिर्देश जारी करने का प्रस्ताव है।

यह भी निर्णय किया गया है कि बैंकों की इस श्रेणी को 'मांग पर' लाइसेंस देने के लिए विचार करने से पहले भुगतान बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

#### 3. मूल निवेश कंपनियों (सीआईसी) के लिए विनियामक और पर्यवेक्षी ढांचा

अगस्त 2010 में, रिज़र्व बैंक ने अन्य महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के सापेक्ष एक होल्डिंग कंपनी के कारोबार मॉडल में अंतर को पहचानते हुए प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण मूल निवेश कंपनियों (सीआईसी) के विनियमन के लिए एक अलग रूपरेखा पेश की। इन वर्षों में, कॉर्पोरेट समूह संरचनाएँ कई लेयरिंग और लीवरेजिंग से अधिक जटिल हो गई हैं, जिसके कारण सार्वजनिक धन तक उनकी पहुँच के कारण वे वित्तीय प्रणाली से अधिक अंतर-संबद्ध हो गए हैं। आगे, हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, सीआईसी के कॉर्पोरेट शासन ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अनुसार, सीआईसी पर लागू विनियामक दिशानिर्देशों और पर्यवेक्षी ढांचे की समीक्षा के लिए एक कार्य समूह का गठन करने का निर्णय लिया गया है।

## II. वित्तीय बाजार

### 4. चलनिधि प्रबंधन ढांचे की समीक्षा करने के लिए आंतरिक कार्य समूह

रिजर्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन ढांचे की अंतिम बार 2014 में समीक्षा की गई थी। कुल मिलाकर वर्तमान में संपूर्ण चलनिधि प्रबंधन ढांचे ने अच्छा काम किया है, यह कुछ हद तक जटिल भी हो गया है। विभिन्न बाजार सहभागियों द्वारा चलनिधि की स्थिति का आकलन अलग-अलग तरीके से किया गया है और यह हमेशा अर्थव्यवस्था में वास्तविक प्रणालीगत चलनिधि की स्थिति के अनुरूप नहीं है।

तदनुसार, रिजर्व बैंक द्वारा मौजूदा चलनिधि प्रबंधन ढांचे की व्यापक समीक्षा करने और उपायों का सुझाव देने, जिसमें दूसरी बातों के अलावा, (i) वर्तमान चलनिधि प्रबंधन ढांचे को सरल बनाने के लिए; और (ii) चलनिधि प्रबंधन के उद्देश्यों, मात्रात्मक उपायों और टूलकिट को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करना शामिल है, के लिए एक आंतरिक कार्यसमूह का गठन करने का निर्णय लिया गया है। जुलाई 2019 के मध्य तक समूह अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकता है।

### 5. खुदरा प्रतिभागियों के लिए विदेशी मुद्रा व्यापार मंच

विदेशी मुद्रा के उपयोगकर्ताओं (जैसे लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) निर्यातकों और आयातकों, व्यक्तियों, आदि) के लिए उचित और पारदर्शी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए बाजार बुनियादी ढांचा तैयार करने की दृष्टि से, रिजर्व बैंक ने अक्टूबर 2017 में एक चर्चा पत्र जारी किया था जिसमें खुदरा विक्रेताओं के लिए एक विदेशी मुद्रा व्यापार मंच स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया था जो ग्राहकों को एक इंटरनेट-आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म तक पहुंच प्रदान करेगा, जिस पर वे बाजार की समाशोधन कीमतों पर विदेशी मुद्रा खरीद / बेच सकते हैं। मौजूदा खंडित बाजार माइक्रोस्ट्रक्चर को एकीकृत करके, यह प्लेटफॉर्म मूल्य निर्धारण को पारदर्शिता प्रदान करेगा और आर्डर के आकार को देखे बिना, सभी ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य निर्धारण के लिए अग्रणी बाजार निर्माताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा। ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म अब भारतीय समाशोधन निगम (सीसीआईएल) द्वारा विकसित किया गया है और उपयोगकर्ताओं

द्वारा परीक्षण किया जा रहा है। उपयोगकर्ताओं के लिए अगस्त 2019 की शुरुआत से लेन-देन के लिए मंच उपलब्ध होगा।

मंच के लिए परिचालन दिशानिर्देश पर परिपत्र जून 2019 के अंत तक जारी किया जाएगा।

### 6. मनी मार्केट दिशानिर्देशों की व्यापक समीक्षा

एक अच्छी तरह से काम करने वाला मुद्रा बाजार, अन्य वित्तीय बाजारों में मूल्य निर्धारण और चलनिधि के लिए बुनियादी आवश्यकता होने के अलावा मौद्रिक नीति संचरण की शृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। रिजर्व बैंक ने विभिन्न मनी मार्केट उत्पादों-कॉल मनी, रेपो, वाणिज्यिक पेपर, जमा प्रमाणपत्र और अन्य ऋण साधनों के साथ एक वर्ष से कम समय के लिए मूल परिपक्वता के साथ, आदि को कवर करने के लिए समय समय पर नियम जारी किए हैं जिसका उद्देश्य जारीकर्ता, निवेशक और अन्य प्रतिभागी के संदर्भ में उत्पादों में स्थिरता लाने का है, विभिन्न मनी मार्केट उत्पादों को कवर करने वाले मौजूदा नियमों को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव है। इन दिशानिर्देशों से मुद्रा बाजारों की पारदर्शिता और सुरक्षा में सुधार होगा।

जुलाई 2019 के अंत तक जनता की प्रतिक्रिया के लिए मनी मार्केट पर एक मसौदा निर्देश जारी किया जाएगा।

### 7. सरकारी प्रतिभूति बाजार में खुदरा भागीदारी

यह आरबीआई का प्रयास रहा है कि सरकारी प्रतिभूति बाजार में खुदरा भागीदारी बढ़े। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और प्राथमिक डीलरों के अलावा, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा अनुमोदित निर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों को पहले ही अपने स्टॉक ब्रोकर्स / खुदरा प्रतिभागियों की बोलियों को (उनके ग्राहक को प्रदान किए गए एक वेब आधारित एप्लिकेशन) के माध्यम से एकत्र करने के लिए एग्रीगेटर्स / फैंसिलिटेटर के रूप में कार्य करने की अनुमति दी गई है और भारत सरकार के प्रतिभूतियों की प्राथमिक नीलामी के गैर-प्रतिस्पर्धी खंड के तहत एक समेकित बोली प्रस्तुत करनी होगी। यह भी निर्णय लिया गया है कि निर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों को अपने स्टॉकब्रोकर/अन्य खुदरा प्रतिभागियों की बोलियों को एकत्र करने और राज्य विकास ऋण (एसडीएल) की प्राथमिक नीलामी के गैर-प्रतिस्पर्धी खंड के तहत एक समेकित बोली प्रस्तुत करने

के लिए एग्रीगेटर्स / फैसिलिटेटर के रूप में कार्य करने की अनुमति दी जाए। इन उपाय को संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से लागू किया जाएगा।

### III. भुगतान और निपटान प्रणाली

#### 8. रिज़र्व बैंक द्वारा संचालित भुगतान प्रणालियों के लिए प्रभार की समीक्षा

रिज़र्व बैंक अपने तत्काल सकल निपटान (आरटीजीएस) के माध्यम से बड़े मूल्य के तात्कालिक निधि अंतरण और अन्य निधि अंतरण के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एमईएफटी) सिस्टम के माध्यम से किए गए लेन-देन के लिए बैंकों से न्यूनतम शुल्क वसूलता है। फलस्वरूप, बैंक अपने ग्राहकों पर शुल्क लगाते हैं। डिजिटल फंड गतिविधि को गति प्रदान करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि आरटीजीएस और एनईएफटी प्रणालियों में संसाधित लेनदेन के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए शुल्कों को हटा दिया जाए। बैंकों से, बदले

में, अपेक्षित होगा कि वे इस लाभ को अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं। इस संबंध में बैंकों को एक सप्ताह के भीतर निर्देश जारी कर दिए जाएंगे।

#### 9. एटीएम इंटरचेंज शुल्क संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन

जनता द्वारा स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) का उपयोग काफी बढ़ रहा है। हालांकि, एटीएम प्रभार और शुल्क को बदलने की लगातार मांग होती रहती है। इसका समाधान करने के लिए, यह निर्णय लिया गया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की अध्यक्षता में, सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एक समिति का गठन किया जाए जो एटीएम प्रभार और शुल्क के पूरे विस्तार की जांच करें। अपनी पहली बैठक होने के दो महीने के भीतर समिति अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी। समिति की संरचना और कार्यक्षेत्र एक सप्ताह के भीतर जारी किया जाएगा।

# भाषण

बैंकिंग परिदृश्य: वर्तमान स्थिति और भावी दिशा  
शक्तिकांत दास





## बैंकिंग परिदृश्य: वर्तमान स्थिति और भावी दिशा\*

शक्तिकांत दास

मुझे प्रसन्नता है कि 2017-19 के बैच के लिए प्रबंधन (बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पंद्रहवें वार्षिक दीक्षांत समारोह में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। मैं डॉ. के.एल. ढींगरा, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट (एनआईबीएम) और फैकल्टी के सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने मुझे दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और मुझे युवाओं के मन से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। यह वास्तव में छात्रों के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि यह वर्षों के समर्पण, दृढ़ता और कड़ी मेहनत के फल प्राप्त करने का दिन है। छात्रों को, मैं अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूँ, क्योंकि वे अपने जीवन में एक नए चरण की शुरुआत कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यह अवसरों और चुनौतियों से भरा जीवन होगा और आशा है कि आप ईमानदारी और नैतिकता का मार्ग अपनाएंगे क्योंकि आप आगे बढ़ने के लिए कठिन निर्णय लेने में सक्षम होंगे। राष्ट्र के पिता के रूप में, महात्मा गांधी ने कहा था, 'हमेशा सही रास्ता चुनें और सच बोलें'। आपका आत्म-विश्वास और दृढ़ संकल्प आपको आगे बढ़ने की ताकत प्रदान करेगा। मैं यहां मौजूद माता-पिता और अभिभावकों को भी बधाई देता हूँ।

अब मैं उस विषय पर आता हूँ जिस पर मैं आपसे बात करना चाहता हूँ। मैं बैंकिंग क्षेत्र की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ भावी दिशा के कुछ मुद्दों पर प्रकाश डालूंगा।

### बैंकिंग क्षेत्र

पिछले कुछ वर्ष भारतीय बैंकों के लिए चुनौती पूर्ण साबित हुए हैं, क्योंकि उन्हें बिगड़ती हुई आस्ति गुणवत्ता का सामना करना पड़ा जिससे उच्चतर प्रावधानीकरण आवश्यकताओं,

\* 8 जून 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, पुणे के प्रबंधन स्नातकोत्तर डिप्लोमा के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में श्री शक्तिकांत दास, गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिया गया भाषण।

गिरती हुई लाभप्रदता और कमजोर पूंजी की स्थिति सामने आई। हालाँकि, बैंकिंग प्रणाली परिवर्तन के दौर में है और हाल के नीतिगत उपायों से इन कमजोरियों को कम करने और अपने वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिली है। बैंकिंग प्रणाली की आघातसहनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से विनियामकीय और पर्यवेक्षी ढांचे को मजबूती प्रदान करने हेतु कई उपाय किए गए और वे अभी भी जारी हैं।

### बैंकिंग विनियमन

मार्च 2019 तक की स्थिति के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) 14.2 प्रतिशत पर था जो कि 9.0 प्रतिशत की विनियामकीय आवश्यकता से कहीं अधिक है। हालाँकि, अगर हम पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) को ध्यान में रखते हैं, तो कुछ बैंकों, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का यह स्तर अपेक्षित 10.875 प्रतिशत से कम रहा है। कुल मिलाकर, पीएसबी में पूंजी डालने के सरकारी प्रयासों से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद मिली है।

हमने प्रति चक्रीय पूंजी बफर (काउंटर साइक्लिकल कैपिटल बफर) (सीसीसीबी), लीवरेज अनुपात, चलनिधि व्याप्ति अनुपात (एलसीआर) और निवल स्थिर वित्तीयन अनुपात (नेट स्टेबल फंडिंग रेशियो) (एनएसएफआर)<sup>1</sup> को भी लागू किया है। संकेन्द्रित जोखिमों के बेहतर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप भारतीय बैंकों को संचालित करने के लिए, रिजर्व बैंक ने बड़े एक्सपोजरों पर दिशा-निर्देश प्रस्तावित किए थे, जो 1 अप्रैल, 2019 से लागू हुए। बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (बीसीबीएस) द्वारा दिसंबर 2017 में प्रकाशित सुधार नवीनतम स्वरूप के हैं और इनके क्रियान्वयन की समय-सीमा 2022 तक विस्तारित है। ऐसी आशा है कि रिजर्व बैंक परामर्श के लिए 2020 तक मसौदा दिशानिर्देशों को तैयार कर लेगा।

### गैर-निष्पादित आस्तियां

भारतीय बैंकों, विशेषकर पीएसबी, की आस्ति गुणवत्ता में गिरावट को, वर्ष 2006-2011 की अप्रत्याशित क्रेडिट वृद्धि (बूम) के परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है, जब बैंक ऋणों में औसतन 20 प्रतिशत की दर से अधिक की वृद्धि हुई। आस्ति गुणवत्ता

<sup>1</sup> 1 अप्रैल 2020 से लागू

में गिरावट के लिए योगदान देने वाले अन्य कारकों में प्रतिकूल मैक्रो-वित्तीय माहौल रहा इसमें क्रेडिट मूल्यांकन और स्वीकृति के बाद निगरानी मानकों का ढीला-ढाला रवैया; परियोजना में होने वाले विलंब और लागत की अधिकता होना एवं मई 2016 तक एक मजबूत दिवाला व्यवस्था की अनुपस्थिति शामिल थे। रिजर्व बैंक ने 2014 में बड़े क्रेडिट (सीआरआईएलसी) की सूचना से संबंधित सूचना का एक केंद्रीय भंडार स्थापित किया और इसके बाद 2015 में एक आस्ति गुणवत्ता समीक्षा (एक्यूआर) की गई। इन उपायों के परिणामस्वरूप गैर-निष्पादित आस्तियों की पहचान करने में सुधार हुआ, जिससे मार्च 2015 के अंत में सकल एनपीए अनुपात जो 4.3 प्रतिशत था इसमें तीव्र वृद्धि हुई और यह मार्च 2016 के अंत में 7.5 प्रतिशत हो गया। मार्च 2018 में यह 11.5 प्रतिशत के उच्चतम शिखर पर पहुंच गया। हाल के पर्यवेक्षी आंकड़े बताते हैं कि रिजर्व बैंक द्वारा अपने विनियामकीय और पर्यवेक्षी ढांचे को मजबूत करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के माध्यम से स्थापित की गई समाधान प्रक्रिया के विभिन्न प्रयास सफल रहे हैं। यह 2018-19 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की आस्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार के रूप में परिलक्षित होता है क्योंकि मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार, सकल एनपीए अनुपात कम होकर 9.3 प्रतिशत हो गया है।

वहीं मार्च 2019 के अंत में एससीबी के प्रावधान कवरेज अनुपात (PCR) में सुधार हुआ और यह 60.9 प्रतिशत रहा जबकि मार्च 2018 के अंत में यह 48.3 प्रतिशत था और मार्च 2015 के अंत में यह 44.0 प्रतिशत के स्तर पर था। बैंकों की पूँजी की स्थिति के कमजोर रहने और उनकी जोखिम लेने से बचने की प्रवृत्ति के कारण हाल के वर्षों में क्रेडिट वृद्धि मंद बन रही। तथापि, बैंकों के स्वास्थ्य में सुधार के संकेत मिलने के साथ ही क्रेडिट में वृद्धि हो रही है।

#### *दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान*

अब यह अच्छी तरह से जान लिया गया है कि दबावग्रस्त कंपनियों का समय पर समाधान और परिसमापन के लिए एक कुशल दिवालियापन व्यवस्था मौजूद होनी आवश्यक है। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (आईबीसी) ने वित्तीय परिदृश्य को काफी बदल दिया है क्योंकि यह एक समयबद्ध बाजार व्यवस्था वाला दिवाला समाधान प्रदान करता है ताकि अधिकतम मूल्य प्राप्त किया जा सके। नयी व्यवस्था एक आमूल-

चूल परिवर्तन है जिसमें लेनदार पहले की प्रणाली के विपरीत संपत्ति का नियंत्रण ले लेता है जबकि पिछली व्यवस्था में देनदार अपने समाधान या परिसमापन होने तक संपत्ति पर काबिज बना रहता था, इससे देश की क्रेडिट संस्कृति में सुधार होता है।

दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए दिनांक 12 फरवरी 2018 के रिजर्व बैंक के परिपत्र को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नकार दिए जाने के आदेश के मद्देनजर हमने कल (7 जून 2019) नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिर्देश समाधान या दिवाला कार्यवाही प्रारंभ करने में देरी करने के लिए अतिरिक्त प्रावधान के रूप में इसे कठोरतापूर्वक हतोत्साहित करता है। नया ढांचा अंतर-लेनदार करार को अनिवार्य बनाता है और बहुमत के फैसले को लागू करने की व्यवस्था करता है। आगे भी, जहाँ भी आवश्यक हो, रिजर्व बैंक विशिष्ट चूक के लिए उधारकर्ताओं के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए बैंकों को दिशा-निर्देश जारी करेगा, ताकि प्रभावी समाधान प्राप्त करने की गति में कोई परिवर्तन न आए। यह उम्मीद की जाती है कि दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए संशोधित विवेकपूर्ण ढांचा, सरकार और रिजर्व बैंक के प्रयासों से क्रेडिट संस्कृति में अब तक आए सुधार को बनाए रखेगा और यह, भारत में मजबूत और समुत्थानशील वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देने में एक लंबी भूमिका का निर्वाह करेगा।

#### **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)**

अब मैं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की ओर रुख करता हूँ। ये भारतीय वित्तीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं इन्होंने बैंकों को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ उनके पूरक के रूप में उपस्थित होने की व्यवस्था प्रदान की है। वे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में विविध प्रकार के ग्राहकों की अनेक वित्तीय जरूरतों को पूरा करती हैं। एससीबी के संयुक्त तुलन-पत्र के लगभग 16 प्रतिशत के आकार वाला यह क्षेत्र हाल के वर्षों में तेज गति से बढ़ रहा है। मार्च 2019 के अंत तक, एनबीएफसी क्षेत्र का कुल सीआरएआर 19.3 प्रतिशत था जबकि सकल एनपीए अनुपात 6.6 प्रतिशत था। एनबीएफसी की ऋण वृद्धि जो पहले 20 प्रतिशत से अधिक थी वह 2018-19 की तीसरी तिमाही में प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एक एनबीएफसी द्वारा ऋण में चूक करने के बाद धीमी पड़ गई। हालांकि, क्योंकि वित्तपोषण के प्रमुख स्रोतों में बहाली होने से वित्त वर्ष 2018-19 की अंतिम तिमाही में बाजार का भरोसा कुछ हद तक फिर कायम हुआ।

2018 के मध्य में एक बड़ी एनबीएफसी द्वारा दिए गए ऋण में हुई चूक ने इस क्षेत्र विशेष पर और विशेष रूप से आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) ढांचे पर विनियामकीय सतर्कता को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। रिजर्व बैंक ने हाल ही में एनबीएफसी के लिए एक मजबूत चलनिधि ढांचे के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने अपनी ऋण बहियों का प्रतिभूतिकरण करने के लिए एनबीएफसी मानदंडों में ढील दी है। इसके अलावा, प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमाराशि ग्रहण न करने वाली एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियों द्वारा जारी किए जाने वाले बांडों के प्रति बैंकों को आंशिक ऋण वृद्धि (पीसीई) प्रदान करने की अनुमति दी गई है।

बैंकों और गैर-बैंकों के बीच विनियामकीय अंतर को समाप्त करने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक एससीबी के साथ एनबीएफसी के लिए विनियामकीय और पर्यवेक्षी ढांचे को समान स्तर पर ला रहा है। एनबीएफसी की ऑफ-साइट निगरानी को मजबूत करने के लिए एक व्यापक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा, परिचालन अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए एनबीएफसी की कई श्रेणियों को कम करके उनकी श्रेणियों को युक्तिसंगत बनाया जा रहा है।

रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी पर निगरानी बढ़ाने के लिए भी उपाय किए हैं। ये प्रयास मुख्य रूप से चार पर्यवेक्षी स्तंभों को सुधारने पर केंद्रित हैं - ऑन-साइट जांच करना, ऑफ-साइट निगरानी, बाजार आसूचना और सांविधिक लेखा परीक्षकों की वार्षिक रिपोर्ट। सांविधिक लेखा परीक्षकों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और एनबीएफसी में बड़ा जोखिम रखने वाले बैंकों सहित सभी हितधारकों के साथ आवधिक सहभागिता हेतु एक संस्थागत व्यवस्था के रूप में पर्यवेक्षण का पाँचवां स्तंभ बनाया गया है।

### भावी दिशा

मैंने पहले ही बैंकों और गैर-बैंकों के विनियमन और पर्यवेक्षण के क्षेत्र से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की है। भावी दिशा के रूप में, मैं कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालना चाहूंगा, जिनका आगामी महीनों में हल निकालने की जरूरत है। सबसे पहला और महत्वपूर्ण है बैंकों और गैर-बैंकों के अभिशासन में सुधार। इनमें निम्नलिखित शामिल होंगे:

- (i) पीएसबी बोर्डों के कार्यकलापों में सुधार लाने और कॉरपोरेट अभिशासन को बढ़ावा देने के लिए, नियुक्ति की प्रक्रिया को अधिक युक्तिसंगत बनाना, उत्तराधिकार योजना और मुआवजे के माध्यम से उनकी गुणवत्ता और स्थिरता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इन पहलुओं का मूल्यांकन बैंक बोर्डों द्वारा किया जा सकता है और बैंक बोर्ड ब्यूरो द्वारा इसकी समीक्षा की जा सकती है। हमें विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र निदेशकों का एक पूल बनाने की भी आवश्यकता है।
- (ii) सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंकों के एमडी/सीईओ के कार्यनिष्पादन की निगरानी निदेशक मंडल द्वारा अथवा एक उप-समिति के माध्यम से या किसी बाह्य सहकर्मी समूह समीक्षा के माध्यम से की जानी चाहिए।
- (iii) बैंकों को अपने वित्तीय और परिचालन मापदंडों में सुधार के लिए एक प्रभावी कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली भी बनानी चाहिए। सरकार, बैंक बोर्ड ब्यूरो और रिजर्व बैंक, सरकारी बैंकों के कार्य-निष्पादन मूल्यांकन हेतु एक उद्देश्यपरक रूपरेखा विकसित करने में लगे हुए हैं। इससे पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता पर ध्यान देते हुए पीएसबी में कॉरपोरेट अभिशासन के संदर्भों को फिर से परिभाषित किया जा सकेगा।
- (iv) निजी क्षेत्र के बैंकों (पीवीबी) में अभिशासन के मुद्दे से संबंधित चिंताएं पूरी तरह से अलग प्रकार की हैं। यहां मुद्दे मुख्य रूप से उनके प्रबंधन का इंसेंटिव ढांचा, लेखापरीक्षा की गुणवत्ता और उसका अनुपालन तथा लेखापरीक्षा और जोखिम प्रबंधन समितियों के कुशल कामकाज से संबंधित हैं। रिजर्व बैंक ने निजी क्षेत्र के बैंकों में मुआवजे के लिए प्रस्तावित दिशा-निर्देशों पर एक चर्चा-पत्र जारी किया है, जिसमें न्यूनतम परिवर्तनीय वेतन घटक और अन्य व्यवस्थाओं के बीच अंतर करना शामिल

है। रिज़र्व बैंक, निजी क्षेत्र के बैंकों को अपने कार्य-क्षेत्रों में फलने-फूलने देने के लिए सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा।

दूसरा, बैंकों में मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रणाली बनाने के लिए, मुख्य जोखिम अधिकारियों (सीआरओ) को एक प्रभावी भूमिका निभानी होगी और बोर्ड के प्रबंध निदेशक (एमडी), मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और जोखिम प्रबंधन समिति को सीधे जवाबदेह होना चाहिए।

तीसरा, जोखिम प्रबंधन के साथ-साथ, बैंकों में अनुपालन कार्यप्रणाली उनके कॉरपोरेट अभिशासन संरचना के प्रमुख तत्वों में से एक है। इन्हें काफी मजबूत और पर्याप्त रूप से स्वतंत्र बनाना होगा। अनुपालन कार्यप्रणाली प्रभावी होने के लिए, संगठन के भीतर एक स्वस्थ अनुपालन संस्कृति होनी चाहिए। बैंकों को अपने स्वयं के आंतरिक दिशानिर्देशों, बोर्ड के निर्देशों और उनकी समितियों और लेखापरीक्षा आकलन के अलावा सभी संवैधानिक और विनियामकीय निदेशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उनकी अनुपालन कार्यप्रणाली की व्यापक रूप से समीक्षा करनी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि निदेशक मंडल हमेशा किसी भी अनुपालन विफलताओं के प्रति संवेदनशील रहे। एक समूह-व्यापी अनुपालन कार्यक्रम, प्रबंधन और बोर्डों को संगठन में कानूनी और प्रतिष्ठा जोखिमों को समझने में मदद करेगा, विशेष रूप से कुछ क्षेत्रों में उनका संकेन्द्रण हो जाने की स्थिति में।

चौथा, यह देखा गया है कि अधिकांश बैंक धोखाधड़ी के पीछे प्रभावी नियंत्रण का अभाव होता है। आंतरिक नियंत्रण की एक प्रभावी प्रणाली का एक अनिवार्य घटक नियंत्रण तंत्र की मजबूती होना है। यह निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे अपने कार्यों और संवादों के माध्यम से आंतरिक नियंत्रण के महत्व पर जोर दें। बैंकों को अपने कार्मिकों को नियमित रूप से पुनः शिक्षित और प्रशिक्षित करना चाहिए ताकि वे अपने संबंधित कार्यक्षेत्रों में आंतरिक नियंत्रण के महत्व को पूरी तरह से समझ सकें। बैंकों के बोर्डों को विशेष रूप से बैंकों में प्रभावी नियंत्रण की संस्कृति बनाने और उसे बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए।

पांचवां, भले ही सरकार द्वारा पूंजी डालने से पीएसबी को अपने तुलन-पत्र को बेहतर बनाने में मदद मिली हो, लेकिन मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि पीएसबी को इस स्रोत पर बहुत अधिक निर्भर नहीं होना चाहिए। व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर पीएसबी को पूंजी जुटाने के लिए पूंजी बाजार का उपयोग करना चाहिए।

छठा, मैंने पहले ही आईबीसी और नई दिवाला व्यवस्था के महत्व का उल्लेख किया है। हालाँकि, मामलों के समाधान में विलंब हुआ है काफी संख्या में मामले 180 या 270 दिनों से अधिक खिंच गए हैं। सरकार पहले ही इंदौर और अमरावती में दो नए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) बेंचों को स्थापित करने की घोषणा कर चुकी है। इसके बावजूद, अधिक संख्या में बेंचों के साथ-साथ सदस्यों की भी आवश्यकता होती है। अपनी ओर से, हम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (IICA), मानेसर, हरियाणा में एक नयी भारतीय रिज़र्व बैंक, प्रोफेसर चेरर खोल रहे हैं, जो प्रशिक्षित दिवाला पेशेवरों के पूल को बढ़ाने के लिए दो वर्षीय ग्रेजुएट इन्सॉल्वेंसी कार्यक्रम शुरू कर रहा है।

सातवें, वित्तीय क्षेत्र में हुए विविध विकासों के परिप्रेक्ष्य में जैसे कि जटिल वित्तीय उत्पादों और तीव्र प्रौद्योगिकीय नवोन्मेषों के प्रयोग ने अंतर-सह-संबद्धता और निकायों के भीतर एवं एक दूसरे बीच स्पिल-ओवर को बढ़ावा दिया है। इसके कारण विश्व भर में बैंक पर्यवेक्षणों के लिए विशेष कुशलता प्राप्त टीमों का निर्माण करने की बयार बह रही है। भारतीय संदर्भ में भी, वित्तीय क्षेत्र में घटित कुछ घटनाओं ने पर्यवेक्षण और विनियमन में विशेषज्ञता की आवश्यकता को रेखांकित किया है। जोखिम संकेन्द्रण, अपारदर्शी बाजार प्रथाओं और बैंकिंग क्षेत्र में उससे जुड़ी संक्रामक प्रभावों के कारण विनियमित संस्थाओं में जोखिमों का निर्माण हो जाना वित्तीय स्थिरता पर उल्लेखनीय प्रभाव डालने वाला हो सकता है। इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, रिज़र्व बैंक ने अब बैंकों, गैर-बैंकों और सहकारी समितियों के विनियमन और पर्यवेक्षण के लिए एक विशेष नियामकीय और पर्यवेक्षी संवर्ग बनाने का निर्णय लिया है। रिज़र्व बैंक में यह विशेष संवर्ग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ताकि मजबूत बैंकिंग और गैर-बैंकिंग क्षेत्र पूरी अर्थव्यवस्था की वित्तपोषण माध्यम्यता संबंधी आवश्यकताओं को कुशलतापूर्वक पूरा कर सकें।

आठवें, रिज़र्व बैंक नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के विकास के लिए सक्षम वातावरण

बनाने में अग्रणी रहा है। हम निगरानी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं और विनियामकीय सैंडबॉक्स के ढांचे पर दिशानिर्देश का मसौदा जारी किया गया है। श्री नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में डिजिटल भुगतान को अधिक कुशल बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया जिसने हाल में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। सुरक्षित, महफूज, सुलभ और सस्ती भुगतान प्रणालियों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक भुगतान प्रणाली विज़न 2021 निकाला है। रिजर्व बैंक, नीलेकणी समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों की जांच करेगा और कार्रवाई बिंदुओं की तफ़्सील करेगा और आवश्यकतानुसार विज़न 2021 के साथ उन्हें क्रियान्वित करेगा।

नौवें, हमें ग्राहक सेवा में मौजूदा ख़ामियों को दूर करने और इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मानकीकृत (बेंचमार्क) करने की भी जरूरत है। ग्राहकों के विश्वास और भुगतान प्रणालियों में विश्वास बढ़ाने के लिए एक सुदृढ़ ग्राहक शिकायत निवारण प्रणाली विकसित करने के प्रयासों को जारी रखा जाएगा। डिजिटल भुगतान की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, डेटा सुरक्षा और सायबर सुरक्षा मानदंडों को लगातार मजबूत करने की आवश्यकता है। उभरते खतरों, जिसमें संगठित सायबर अपराध और सायबर युद्ध प्रमुख हैं, के परिप्रेक्ष्य में सायबर सुरक्षा के बदलते खतरों के खिलाफ निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना अनिवार्य हो गया है। जैसा कि बैंक तेजी से प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं, नियामक के लिए यह चुनौती होगी कि वह विवेकपूर्ण उपायों के साथ कुशलतापूर्वक संतुलन साध सके ताकि जोखिम को कम रखते हुए फिनटेक द्वारा पेश अवसरों का लाभ उठाया जा सके।

अब मैं एनबीएफसी की ओर रुख करता हूँ। उनके विनियमन और पर्यवेक्षण के लिए पारंपरिक दृष्टिकोण हल्का रहा है, ताकि वे विशेष (नीश) क्षेत्रों के लिए अपने विविध वित्तीय उत्पादों के साथ बैंकों के पूरक बन सकें और अपनी नवोन्मेषी सेवा सुपुर्दगी व्यवस्था के माध्यम से आबादी के एक विभिन्न वर्गों तक पहुंच सकें। तथापि, क्षेत्र को मजबूत करने, स्थिरता बनाए रखने और विनियामकीय अंतर से बचने के लिए रिजर्व बैंक, सामयिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, आवश्यक विनियामकीय और पर्यवेक्षी उपाय सक्रिय रूप से कर रहा

है। हाल के घटनाक्रमों के आलोक में, उनके विनियमन और पर्यवेक्षण पर नए सिरे से विचार करने की स्थिति उत्पन्न हुई है। हमारा प्रयास है कि विनियमन और पर्यवेक्षण का एक इष्टतम स्तर हो ताकि एनबीएफसी क्षेत्र आर्थिक रूप से आघातसह और मजबूत हो। इसी के साथ, एनबीएफसी को आबादी के व्यापक वर्गों तक पहुंचने के लिए आवश्यक क्षमता के साथ ही संस्थाओं को अच्छी तरह से संचालित करने में भी सक्षम होना चाहिए। रिजर्व बैंक इस क्षेत्र की गतिविधि और निष्पादन की निगरानी करता रहेगा जिसमें मुख्य ध्यान प्रमुख संस्थाओं और अन्य क्षेत्रों के साथ उनके अंतर-संबंधों पर रहेगा। हम लघु, मध्यम और दीर्घकाल में वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए अपेक्षित कोई भी कदम उठाने से नहीं हिचकेंगे।

जैसा कि आप जानते हैं, पर्यवेक्षण और विनियमन में सुधार करना और उसे युक्तिसंगत बनाना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस दिशा में, हमने एनबीएफसी पर्यवेक्षण की आवधिकता को 18 महीने पहले से घटाकर 12 महीने कर दिया है। हम अपेक्षा करते हैं कि कंपनियों के निदेशक मंडल स्वयं ध्यानपूर्वक कार्य करें और रिजर्व बैंक की पर्यवेक्षण रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करें।

इसके अलावा, हमारा उद्देश्य एनबीएफसी बनाम बैंकों के अलग प्रकार के व्यवसाय मॉडल को ध्यान में रखते हुए बैंकों और एनबीएफसी के बीच चलनिधि मानदंडों में सामंजस्य बनाना है। इस संदर्भ में हमारे द्वारा हाल में प्रस्तावित चलनिधि जोखिम प्रबंधन ढांचा से संबंधित अंतिम दिशानिर्देश जल्द ही जारी किया जाएगा।

मुझे शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) का भी उल्लेख करना चाहिए। हमारा अनुभव बताता है कि यूसीबी के निदेशक मंडल को पेशेवराना रवैये से बैंकिंग व्यवसाय का संचालन करने के लिए अधिक विशेषज्ञता और कौशल की आवश्यकता होती है। रिजर्व बैंक इस मुद्दे पर दिशानिर्देश जारी करने की प्रक्रिया में है। यूसीबी के लिए एक छत्रक संगठन स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की जाती है जो ऋण और पुनर्वित्त सुविधाएं, आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और पूंजी और चलनिधि संबंधी सहायता प्रदान कर सके। रिजर्व बैंक द्वारा इस संगठन की संरचना, कार्यों और विनियामकीय दिशानिर्देशों की जांच की

जा रही है। इस क्षेत्र में विलय और समेकन से परिचालन लागत को कम करने, जोखिम विविधीकरण को अधिक प्रोत्साहित करने और पूंजी को युक्तिसंगत बनाने में मदद मिलेगी। समुचित प्रोत्साहन के माध्यम से क्षेत्र में स्वैच्छिक विलय को प्रोत्साहित करने के लिए हम एक व्यवस्था शुरू करने का प्रस्ताव रखते हैं। यूसीबी के लिए एक केंद्रीकृत धोखाधड़ी रजिस्ट्री बनाने का भी हमारा प्रस्ताव है।

मैंने बैंकिंग और गैर-बैंकिंग क्षेत्रों से संबंधित कई मुद्दों पर प्रकाश डाला है। एक ठोस और समुत्थानशील वित्तीय प्रणाली,

आधुनिक अर्थव्यवस्था की एक पूर्वापेक्षा है जिसमें आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लाभों को समाज के सभी वर्गों को समान रूप प्रदान करना शामिल है। जैसा कि आप जानते हैं, सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। रिजर्व बैंक अपने दृष्टिकोण में सक्रिय बने रहने का प्रयास करेगा। तेजी से बदलते वित्तीय परिदृश्य में, हम उभरती हुई चुनौतियों के प्रति सतर्क रहेंगे और उनके लिए उपयुक्त जवाबी कार्रवाई करेंगे ताकि एक समुत्थानशील एवं मजबूत वित्तीय प्रणाली सुनिश्चित हो सकें।

# लेख

क्या बारिश के देवता प्रसन्न होंगे या रुठे रहेंगे?  
मॉनसून के पूर्वानुमानों का मूल्यांकन

भुगतान और निपटान: भारतीय वित्तीय प्रणाली के  
ढांचे की दुरुस्तगी





## क्या बारिश के देवता प्रसन्न होंगे या रुठे रहेंगे? मॉनसून के पूर्वानुमानों का मूल्यांकन\*

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2019 के लिए दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में बारिश सामान्य रहने और पूरे देश में वर्षा का वितरण अच्छा रहने का पूर्वानुमान किया है, जो निजी और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के पूर्वानुमानों से अलग है। यह लेख कई सांख्यिकीय माप के जरिए विभिन्न एजेंसियों के पूर्वानुमान से संबंधित परिणामों के पिछले पैटर्न का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेगा ताकि उनके पूर्वानुमानों की सटीकता का मूल्यांकन किया जा सके। तुलनात्मक आकलन से पता चलता है कि सामान्य (व्यापक) पूर्वानुमान जारी करने के लिए, आईएमडी के द्वितीय चरण दीर्घावधि पूर्वानुमान और संयुक्त रूप में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के पूर्वानुमानों का उपयोग उपयुक्त हो सकता है क्योंकि अप्रैल में जारी आईएमडी और स्काईमेट के प्रारंभिक पूर्वानुमान कोलाहलपूर्ण प्रतीत होते हैं।

### परिचय

भारत में दक्षिण पश्चिम मॉनसून (एसडब्लूएम) सीज़न के दौरान जून से सितंबर के बीच सालाना 75% बारिश होती है। देश के कुल पैदावार क्षेत्र (जीसीए) का 65 प्रतिशत क्षेत्र किसी भी सिंचाई के तहत कवर नहीं है और यहां तक कि सिंचाई के विभिन्न स्रोतों के स्टोरेज स्तरों को बढ़ाने के लिए भी दक्षिण पश्चिम मॉनसून (एसडब्लूएम) सीज़न के दौरान होने वाली बारिश पर निर्भर हैं (भारत सरकार, 2018)। भारत की कृषि और व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए दक्षिण पश्चिम मॉनसून (एसडब्लूएम) जीवन रेखा के समान है<sup>1</sup> (गुलाटी, *et al.*, 2013)। इसके अलावा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून (एसडब्लूएम) अपनी अस्थायी और स्थानिक वितरण से खरीफ (जून-सितंबर) के उत्पादन को तथा मिट्टी में नमी की स्थिति और जलाशयों में स्टोरेज स्तर के कारण रबी (अक्टूबर-मार्च) के उत्पादन को प्रभावित करता है। नतीजतन, दक्षिण पश्चिम मॉनसून (एसडब्लूएम) के पूर्वानुमान के संबंध में भारत के सामान्य आउटलुक का हर आकलन पेचीदा रहता है।

\* यह लेख ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रियंका बजाज, डी. सुगंधी, ऋषभ कुमार और अत्रि मुखर्जी द्वारा तैयार किया गया है। इस लेख में व्यक्त विचार लेखक के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

<sup>1</sup> भारत के कुल सकल मूल्य वर्धन में कृषि और संबद्ध क्षेत्र का हिस्सा 15.3 प्रतिशत (पिछले पाँच वर्षों का औसत) है।

मौजूदा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून का आधिकारिक पूर्वानुमान आईएमडी जारी करता है, पहले अप्रैल में - पहला चरण दीर्घावधि पूर्वानुमान (एफएसएलआरएफ)-और फिर मई / जून में - दूसरा चरण दीर्घावधि पूर्वानुमान (एफएसएलआरएफ)। स्काईमेट, एक निजी पूर्वानुमानकर्ता, अप्रैल में अपना प्रारंभिक पूर्वानुमान और मई में एक संशोधन जारी करता है। इन भारतीय एजेंसियों के अलावा, अंतरराष्ट्रीय मौसम विज्ञान संगठनों, यथा संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओए) और ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) द्वारा क्रमशः एल नीनो / ला नीना (El Nino/La Nina) और प्रशांत महासागर और हिंद महासागर में द्विध्रुवीय स्थितियों पर पूर्वानुमान, भारत में मॉनसून की स्थिति का अनुमान लगाने के लिए भी उपयोग किया जाता है।

मौसम पूर्वानुमानकर्ता जटिल और व्यापक पैमाना अपनाकर मौसम का आकलन करते हैं, सुपर कंप्यूटरों और उपग्रह छवियों के माध्यम से इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। इससे तापमान, वायु दबाव, आर्द्रता, हवा की गति और दिशा के मापन में सटीकता आई है। (सिलवर, 2012)। भारत ने 2018 में प्रत्युष और मिहिर सुपर कंप्यूटर के माध्यम से मौसम की भविष्यवाणी करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है और मौसम के आकलन के लिए समर्पित उच्च क्षमता कंप्यूटिंग के संबंध में अब इसका नाम जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के बाद आता है। 2019 में ओडिशा में चक्रवात फनी की आईएमडी की सटीक भविष्यवाणी और इसके परिणामस्वरूप आपदा जोखिम में आई कमी के कारण संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ वैश्विक प्रशंसा भी मिली।

दक्षिण पश्चिम मॉनसून के संबंध में किए गए पूर्वानुमान प्रदर्शन का मूल्यांकन करना लेख की प्रमुख प्रेरणा है। सबसे पहले, मौसम विज्ञान ने दीर्घावधि पूर्वानुमानों पर भी काफी प्रगति हासिल कर ली है और वास्तविकता के प्रति संवेदनशील है। लेकिन कोई भी पूर्वानुमान त्रुटियों से मुक्त नहीं है। इस चेतावनी को स्वीकार करते हुए, लेख का उद्देश्य आईएमडी के पूर्वानुमानों से कुछ सार्थक जानकारी प्राप्त करने के लिए पूर्वानुमान-आउटलुक प्रदर्शन के पोस्ट पैटर्न का गहन विश्लेषण करना है। एफएसएलआरएफ और एसएसएलआरएफ दोनों ने अप्रैल और मई में जारी अपने पूर्वानुमानों में जून-सितंबर 2019

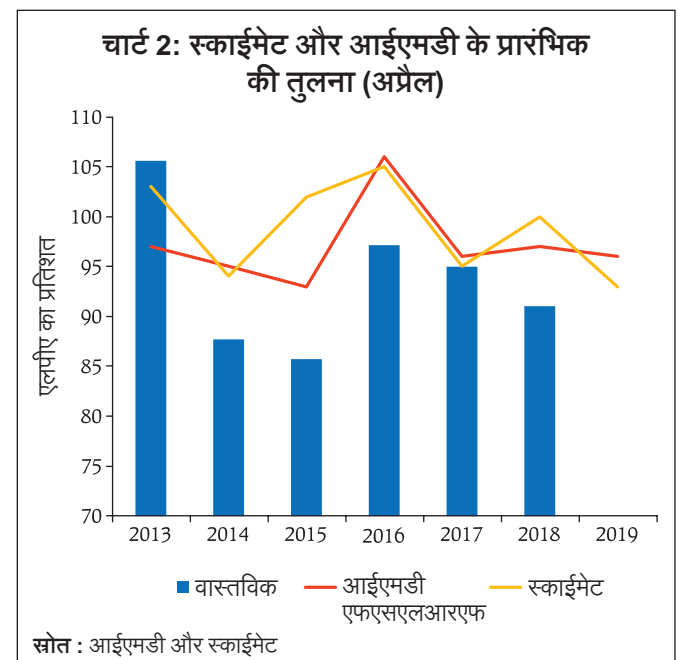
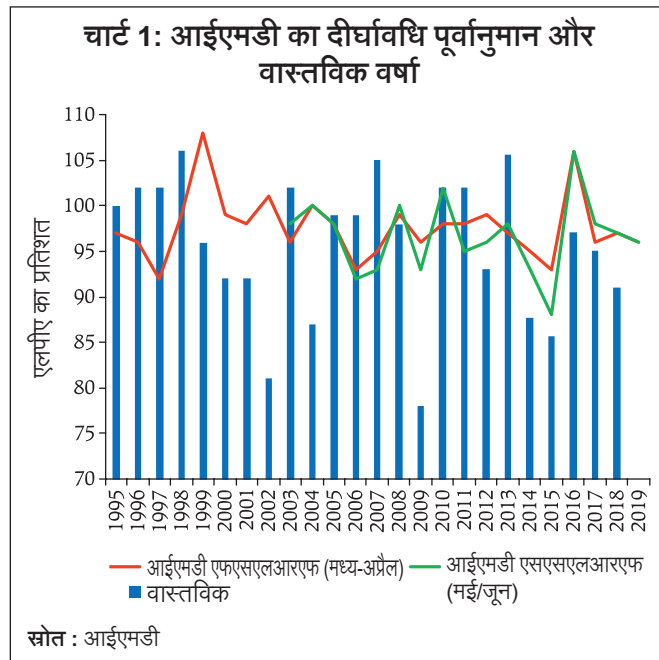
के दौरान क्रमशः  $\pm 5$  और  $\pm 4$  प्रतिशत<sup>2</sup> के मॉडल त्रुटि के साथ वर्षा की दीर्घावधि औसत (एलपीए) सामान्य रूप से 96 प्रतिशत रहने की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने यह भी अनुमान लगाया है कि सभी राज्यों में वर्षा का वितरण अच्छा रहेगा। हालांकि, यह पूर्वानुमान स्काई मेट<sup>3</sup>, एनओए और बीओएम<sup>4</sup> के पूर्वानुमानों के साथ मेल नहीं खाता, जो इस साल कमजोर मॉनसून की भविष्यवाणी करते हैं। बाकी का लेख निम्नानुसार संरचित है। खंड II में विभिन्न एजेंसियों द्वारा मॉनसून के पूर्वानुमान से संबंधित कुछ शैलीगत तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं। खंड III में डेटा, कार्यप्रणाली और प्रयोगसिद्ध परिणामों पर चर्चा की गई है। खंड IV में निष्कर्ष और कुछ नीतिगत दृष्टिकोणों को शामिल किया गया है।

## II. कुछ शैलीगत तथ्य

2002 के भारी सूखे के संबंध में भविष्यवाणी करने में एफएसएलआरएफ की विफलता के बाद आईएमडी ने 2003 में एफएसएलआरएफ लागू किया। एफएसएलआरएफ ने 1995 के बाद से 24 वर्षों में से 13 वर्ष बारिश का अधि-पूर्वानुमान किया और 11 वर्ष इसका अव-पूर्वानुमान किया। सूखे के वर्षों (2002,

2009, 2014 और 2015)<sup>5</sup> और कम बारिश वाले वर्ष (2004) के मामले में, एफएसएलआरएफ की पूर्वानुमान त्रुटियां (वास्तविक घटा पूर्वानुमान) नकारात्मक और परिमाण में बड़े थे (चार्ट 1)। एफएसएलआरएफ की तुलना में एएसएसएलआरएफ अधिक व्यापक है, जिसके तहत भारत के चार प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों के साथ-साथ पूरे देश के लिए वर्षा का पूर्वानुमान प्रदान किया जाता है। चार भौगोलिक क्षेत्रीय पूर्वानुमानों के लिए स्वीकृत मॉडल त्रुटि एलपीए का  $\pm 8$  प्रतिशत है। एएसएसएलआरएफ ने एफएसएलआरएफ को अब पीछे छोड़ दिया है। यह 2015 के सूखे का सफलतापूर्वक पूर्वानुमान किया जिसकी भविष्यवाणी करने में एफएसएलआरएफ चूक गया था।

स्काईमेट<sup>6</sup> के पूर्वानुमानों के साथ आईएमडी के एफएसएलआरएफ की तुलना (दोनों अप्रैल में जारी किया गया) से पता चलता है कि दोनों एजेंसियों ने पिछले 6 वर्षों में से 5 बार लक्ष्य से चूके हैं। वर्ष 2017 एक अपवाद था- स्काईमेट का पूर्वानुमान वास्तविक के समकक्ष था, और आईएमडी का वास्तविक के बहुत करीब था (चार्ट 2)।



<sup>2</sup> देश के लिए एलपीए (1951-2000) 89 सेमी है।

<sup>3</sup> स्काईमेट ने  $\pm 5$  प्रतिशत के त्रुटि मार्जिन के साथ एलपीए के 93 प्रतिशत के सामान्य मॉनसून से नीचे की भविष्यवाणी की है। स्थानिक रूप से, देश के सभी चार क्षेत्रों के लिए सामान्य वर्षा से कम का आकलन करता है।

<sup>4</sup> Climate Diagnostics Bulletin (various issues), National Weather Service Climate Prediction Centre, National Oceanic and Atmospheric Administration, United States Department of Commerce. (Retrieved from [https://www.cpc.ncep.noaa.gov/products/CDB/CDB\\_Archive\\_html/CDB\\_archive.shtml](https://www.cpc.ncep.noaa.gov/products/CDB/CDB_Archive_html/CDB_archive.shtml))

<sup>5</sup> अखिल भारतीय स्तर पर उन वर्षों को सूखा ग्रसित वर्ष के रूप में घोषणा की जाती है जब वर्षा की कमी एलपीए के 10 प्रतिशत से अधिक होती है और देश का 20-40 प्रतिशत क्षेत्र सूखे की स्थिति में होता है।

<sup>6</sup> स्काईमेट के संशोधित पूर्वानुमान प्रदर्शन का मूल्यांकन डेटा की कमी के कारण नहीं किया जा सका क्योंकि इसे 2017 से ही शुरू किया गया है। संयोगवश, इसने 2017 और 2018 के लिए अपना पूर्वानुमान संशोधित नहीं किया है।

### क्षेत्रीय पूर्वानुमान प्रदर्शन

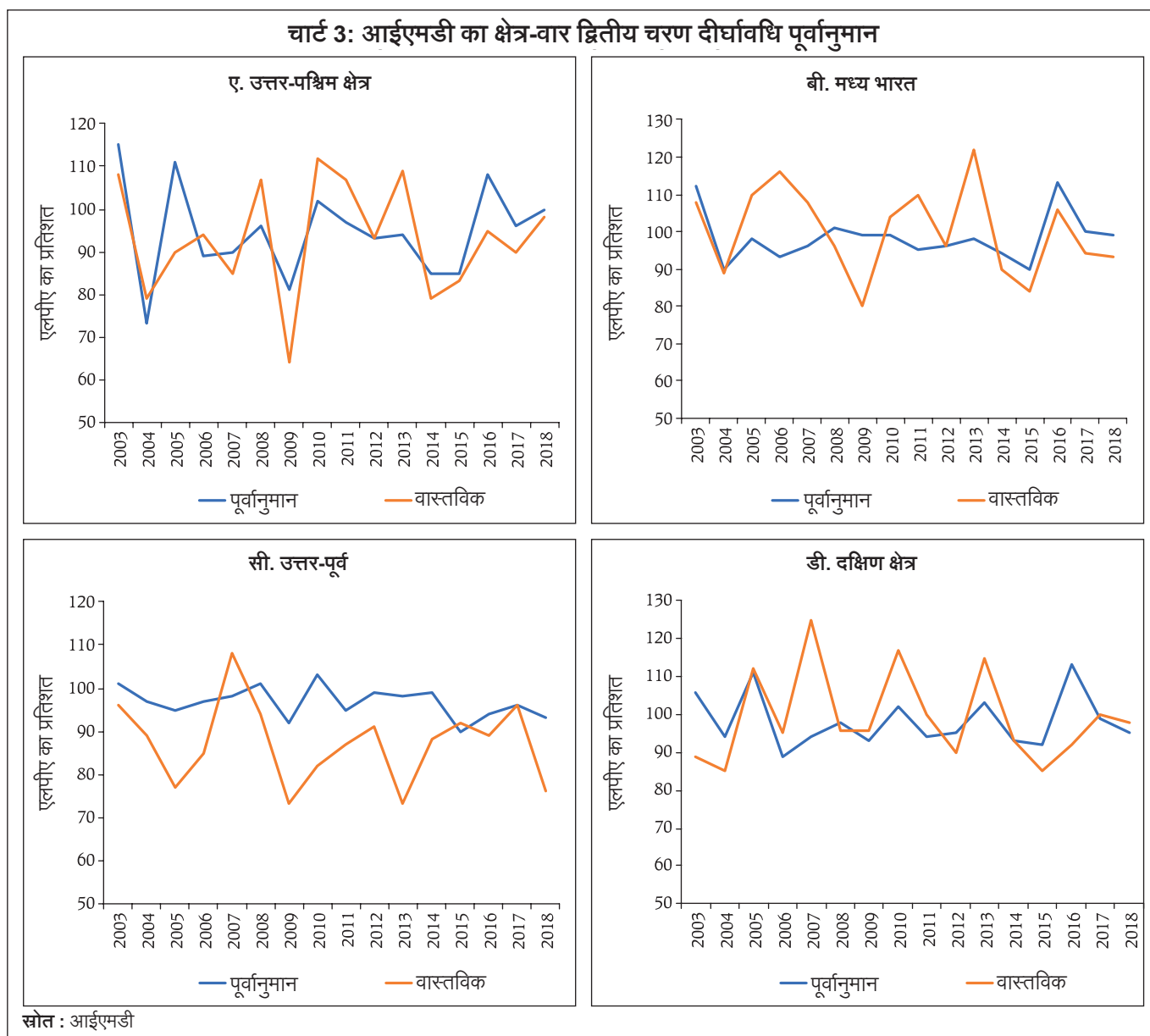
अक्सर, अखिल भारतीय पूर्वानुमान से बारिश के स्थानिक वितरण, जो कृषि उत्पादन आउटलुक की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है, का ब्यौरा प्राप्त होता है। उदाहरणस्वरूप, वर्ष 2007 में भारत में कुल वर्षा एलपीए का 105 प्रतिशत रहा जबकि उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में यह एलपीए का 85 प्रतिशत ही रहा। आईएमडी के एसएसएलआरएफ और वास्तविक वर्षा के बीच अन्य क्षेत्रों (चार्ट 3)<sup>7</sup> की तुलना में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे बड़ा विचलन रहा। स्काईमेट, जिसने 2018 से अपना क्षेत्रीय पूर्वानुमान जारी करना शुरू किया, द्वारा किए गए पूर्वानुमान से वास्तविक वर्षा

का विचलन मध्य और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों की तुलना में उत्तर पश्चिम और दक्षिणी क्षेत्रों के लिए कम है।

### अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का पूर्वानुमान प्रदर्शन

दक्षिण पश्चिम मॉनसून अल नीनो या ला नीना (El Nino or La Nina) की स्थितियों से काफी प्रभावित होता है। एल नीनो के दौरान, समुद्र तल दबाव पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में कम और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अधिक होता है। इसका तात्पर्य है पूर्व में गर्म और पश्चिम में ठंडे महासागरीय जल। ला नीना के दौरान इसकी विपरीत स्थिति होती है। समुद्र जल गर्म होने से पूर्वी और पश्चिमी

चार्ट 3: आईएमडी का क्षेत्र-वार द्वितीय चरण दीर्घावधि पूर्वानुमान



<sup>7</sup> एसएसएलआरएफ के तहत क्षेत्रवार पूर्वानुमान 2003 से ही उपलब्ध है।

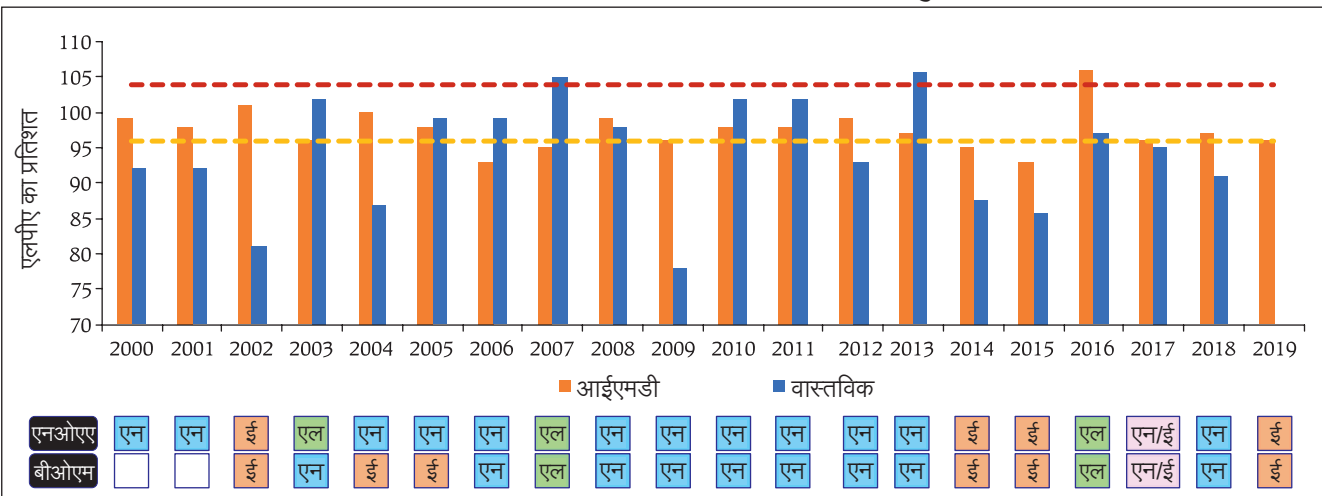
उष्णकटिबंधीय के बीच वायुमंडलीय दबाव में उतार-चढ़ाव पैदा होता है, जिसे दक्षिणी दोलन (एसओ) के रूप में जाना जाता है। चूंकि एल नीनो और दक्षिणी दोलन एक दूसरे से जुड़े हैं, इसलिए दोनों शब्दों को अक्सर एक ही शब्द 'अल नीनो दक्षिणी दोलन' या 'ईएनएसओ' कहा जाता है। गर्म ईएनएसओ चरण एल नीनो और ठंडा ईएनएसओ चरण ला नीना का संकेत देता है। अल नीनो आमतौर पर भारत में वर्षा की कमी से संबंधित है, जबकि ला नीना अक्सर सामान्य मॉनसून से अधिक वर्षा लाता है। (राजीवन और पै, 2006)

प्रशांत महासागर में घटित इन गतिविधियों के अलावा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून हिंद महासागर के आस-पास होने वाले घटनाक्रमों पर भी निर्भर करता है, जिसे हिंद महासागर द्विध्रुवी (आईओडी) स्थिति के रूप में जाना जाता है। एक सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवी तब उत्पन्न होता है जब हिंद महासागर का पश्चिमी बेसिन उष्णकटिबंधीय बेसिन के सापेक्ष गर्म हो जाता है। एक नकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवी तब उत्पन्न होता है जब इसकी विपरीत स्थिति घटित होती है। सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवी की घटना अल नीनो के प्रभाव को कम कर सकती है, जो सुदूर प्रशांत महासागर में उत्पन्न होती है और भारत के लिए बेहतर बारिश ला सकती है। यह माना जाता है कि 1997 एक ताकतवर एल नीनो वर्ष होने के बावजूद सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवी ने सामान्य वर्षा कराने में मदद की, जबकि

2014 में, नकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवी और एल नीनो ने एक साथ मिलकर कम वर्षा करने का काम किया। (करुमारी, et al., 2001)। हालांकि, 2015 में सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवी एक बहुत मजबूत एल नीनो का मुकाबला नहीं कर सका और दक्षिण पश्चिम मॉनसून अंततः कमजोर पड़ गया।

ईएनएसओ और आईओडी के पूर्वानुमान एनओए तथा बीओएम द्वारा क्रमशः मासिक और पाक्षिक आधार पर जारी किया जाता है।<sup>8</sup> यह देखा गया है कि एल नीनो / ला नीना के संबंध में एनओए के पूर्वानुमान वसंत (मार्च-अप्रैल) में कम विश्वसनीय होता है, जबकि जून में जारी आउटलुक बेहतर परिणाम देता है। उदाहरणस्वरूप, 2017 में एनओए ने अप्रैल में जारी आउटलुक में एल नीनो के संबंध में 50 प्रतिशत की संभावना व्यक्त की थी, जून में स्थिति को तटस्थ के रूप से बदल दिया गया और अंततः यह सामान्य बारिश होनेवाला वर्ष निकला। इसी प्रकार, 2009 के भारी सूखे वाले वर्ष के मामले में अप्रैल का आउटलुक तटस्थ स्थिति की भविष्यवाणी की, जिसे एनओए और बीओएम दोनों ने जून के आउटलुक में एल नीनो (50 प्रतिशत से अधिक संभावना के साथ) में बदल दिया। 2002, 2014 और 2015 के सूखे वाले वर्षों में एनओए और बीओएम दोनों ने अप्रैल और जून में भी एल नीनो की भविष्यवाणी की, जो सही साबित हुआ (चार्ट 4ए और 4बी)।

चार्ट 4ए: एनओए और बीओएम का अप्रैल आउटलुक



नोट : 1. एल नीनो / ला नीना के संबंध में क्रमशः "एन", "ई" और "एल" तटस्थ स्थिति दर्शाता है। 2. रिक्त सेल अनुपलब्ध जानकारी दर्शाता है।

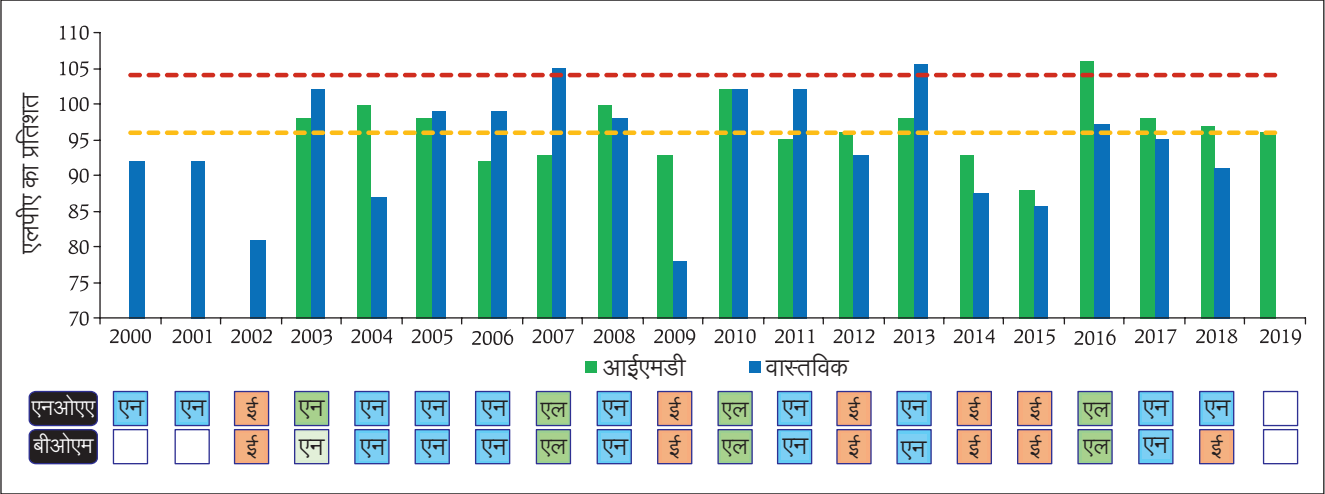
3. डैश लाइन सामान्य मॉनसून का विस्तार दर्शाता है। (एलपीए का 96 से 104 प्रतिशत)

4. एनओए और बीओएम का पूर्वानुमान वर्ष 2000 से पहले का उपलब्ध नहीं है।

स्रोत : एनओए और बीओएम

<sup>8</sup> ईएनएसओ निष्कर्ष : प्रशांत और हिंद महासागर (विभिन्न मुद्दे) की वर्तमान स्थिति, ऑस्ट्रेलिया गवर्नमेंट ब्यूरो ऑफ मेटिरोलॉजी, (<http://www.bom.gov.au/climate/ens0/wrap-up/archive.shtml>) से लिया गया है।

**चार्ट 4बी: एनओए और बीओएम का जून आउटलुक**



**नोट :** 1. एल नीनो / ला नीना के संबंध में क्रमशः "एन", "ई" और "एल" तटस्त स्थिति दर्शाता है। 2. रिक्त सेल अनुपलब्ध जानकारी दर्शाता है।  
 3. डैश लाइन सामान्य मॉनसून का विस्तार दर्शाता है। (एलपीए का 96 से 104 प्रतिशत)  
 4. एनओए और बीओएम का पूर्वानुमान वर्ष 2000 से पहले का उपलब्ध नहीं है।  
**स्रोत :** एनओए और बीओएम

दक्षिण पश्चिम मानसून 2019 के लिए, दोनों नोवा (NOAA) और बॉम(BOM) ने पूर्वी प्रशांत महासागर में औसत से ऊपर गर्म तापमान की स्थिति को देखते हुए अपने अप्रैल माह के आउटलुक में एल नीनो के बनने की संभावना की भविष्यवाणी की थी। जबकि बॉम(BOM)ने इस साल एल नीनो के विकसित होने के 70 प्रतिशत का आसार व्यक्त किया, नोवा(NOAA) ने जून अगस्त की अवधि के दौरान 60 प्रतिशत संभावना के साथ एल नीनो की घटना की भविष्यवाणी की थी। मई के आउटलुक में, बॉम ने 2019 में एल नीनो के विकास की संभावना को कम करते हुए 50 प्रतिशत तक व्यक्त किया है, जबकि नोवा(NOAA) ने इसे संशोधित करते हुए 70 प्रतिशत तक व्यक्त किया है।

यह देखा गया है कि भारत में अधिकांश गंभीर सूखे एल नीनो से प्रभावित थे। 1995 और 2018 के बीच की अवधि में, अत्यधिक कम वर्षा को पांच वर्ष, चार अखिल भारतीय सूखा वर्ष (2002, 2009, 2014 और 2015) और एक कम वर्षा को वर्ष (2004) रहा है। ये सभी पांच साल एल नीनो से संबंधित थे, हालांकि एल नीनो की तीव्रता सभी वर्षों में अलग-अलग थी। तथापि, एल नीनो का विकास सूखे/कम वर्षा के लिए एक पर्याप्त शर्त नहीं है। आधे से भी कम एल नीनो की घटनाएं भारत में कम वर्षा की घटना से संबंधित रही हैं (राजीवन और पै. 2006)। उदाहरण के लिए, एक मजबूत एल नीनो वर्ष होने के बावजूद,

वर्ष 1997 में लगभग सामान्य वर्षा हुई। दूसरी ओर, केवल वर्ष 2002 में एल नीनो की तीव्रता मध्यम थी, जिसके परिणामस्वरूप उस वर्ष सबसे अधिक और खराब सूखा पड़ा था (सारणी 1)।

### III. दक्षिण पश्चिम मानसून के पूर्वानुमानों का मूल्यांकन

आइएमडी के विभिन्न मॉडलों के पूर्वानुमान (राजीवन और अन्य, 2004 पांडेय और अन्य, 2016 प्रसाद और अन्य, 2010, स्टर्न, 2008) के साहित्य में की गई है और इसके साथ ही सूखा वाले वर्षों या किसी विशेष स्थानीय क्षेत्र के लिए वास्तविक वर्षा की तुलना में पूर्वानुमान की सटीकता (जोसेफ और अन्य 2017, सागर और अन्य, 2017) की जांच की गई है। तथापि, आइएमडी के पूर्वानुमान सटीकता के प्रतिकूल अन्य निजी और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की तुलना करने से उनमें अंतर बना हुआ ही है।

तदनुसार, विभिन्न एजेंसियों का पूर्वानुमान सटीकता का मूल्यांकन निम्नलिखित माध्यमों से - (i) पीयर्सन के कोरिलेशन कॉफिसिएंट (पीसीसी) (ii) रूट मीन स्क्वायर एरर (आरएमएसई) और (iii) एक्सट्रीम ईवेंट (अतिविषम घटनाएं) की भविष्यवाणी का सक्सेस स्कोर<sup>9</sup> किया गया।

<sup>9</sup> एक्सट्रीम ईवेंट्स के सही पूर्वानुमानों और एक्सट्रीम ईवेंट्स के सही में घटित होने की कुल संख्या, जिसे प्रतिशत में व्यक्त किया गया हो, के अनुपात को सक्सेस स्कोर कहा जाता है। इसमें सूखाड वाले वर्ष (2002, 2009, 2014 और 2015), कम वर्षा वाले वर्ष (2004), और सामान्य से अधिक वर्षा वाले वर्ष (1998, 2007, 2013) शामिल हैं। सक्सेस स्कोर का मान 0 से 100 प्रतिशत के बीच होता है और उच्च मान बेहतर पूर्वानुमान को दर्शाता है।

## सारणी 1: एल नीनो वर्षों के दौरान मॉनसून की भेद्यता

वर्ष	घटना	हिंद महासागर द्विध्रुवी (आईओडी)	सामान्य की तुलना में वास्तविक प्रभाव	मानसून (एलपीए से भिन्नता का प्रतिशत)
1995	मध्यम ला नीना	तटस्थ	लगभग सामान्य	100
1996	तटस्थ	नकारात्मक	लगभग सामान्य	102
1997	बहुत मजबूत एल नीनो	सकारात्मक	लगभग सामान्य	102
1998	मजबूत ला नीना	नकारात्मक	सामान्य से अधिक	106
1999	मजबूत ला नीना	तटस्थ	लगभग सामान्य	96
2000	ला नीना	तटस्थ	सामान्य से कम	92
2001	तटस्थ	तटस्थ	सामान्य से कम	92
2002	मध्यम एल नीनो	तटस्थ	अपर्याप्त	81
2003	तटस्थ	तटस्थ	लगभग सामान्य	102
2004	कमजोर एल नीनो	तटस्थ	अपर्याप्त	87
2005	तटस्थ	तटस्थ	लगभग सामान्य	99
2006	कमजोर एल नीनो	सकारात्मक	लगभग सामान्य	99
2007	मजबूत ला नीना	तटस्थ	सामान्य से अधिक	105
2008	ला नीना	तटस्थ	लगभग सामान्य	98
2009	मध्यम एल नीनो	तटस्थ	गंभीर सूखा	78
2010	मजबूत ला नीना	नकारात्मक	लगभग सामान्य	102
2011	मध्यम ला नीना	तटस्थ	लगभग सामान्य	102
2012	तटस्थ	सकारात्मक	सामान्य से कम	93
2013	तटस्थ	तटस्थ	सामान्य से अधिक	106
2014	कमजोर एल नीनो	नकारात्मक	अपर्याप्त	88
2015	बहुत मजबूत एल नीनो	सकारात्मक	अपर्याप्त	86
2016	ला नीना	नकारात्मक	लगभग सामान्य	97
2017	तटस्थ	तटस्थ	सामान्य से कम	95
2018	तटस्थ	तटस्थ	सामान्य से कम	91

स्रोत : एनओए, बीओएम, और आईएमडी

$$RMSE = \sqrt{\frac{1}{n} \sum_{i=0}^n (\hat{y}_i - y_i)^2}$$

जहां  $\hat{y}_i$  और  $y_i$  क्रमशः पूर्वानुमान और वास्तविक मान हैं और  $n$  प्रेक्षणों (ऑब्जर्वेशन्स) की संख्या है।

पीसीसी और आरएमएसई का उपयोग आईएमडी और स्काइमेट के पूर्वानुमान सटीकता की जांच करने के लिए किया गया क्योंकि व्यक्त अनुमान और वास्तविक मान दीर्घकालीन औसत के प्रतिशत के रूप में रिपोर्ट किया गया है। सभी चार एजेंसियों (आईएमडी, स्काइमेट, नोवा और बॉम) के पूर्वानुमान

सटीकता को मूल्यांकित करने के लिए सक्सेस स्कोर का उपयोग किया गया जैसा कि भविष्यवाणी बॉम और नोवा द्वारा घटना की संभाव्यता के अनुसार रिपोर्ट किया गया है। पीसीसी और आरएमएसई के लिए, अध्ययन की अवधि 1995 से लेकर 2018 तक है, जिसे तीन विशेष फेज में वर्गीकृत किया गया है- अवधि 1 (1995 से 2002 तक) केवल एफएसएलआरएफ के साथ, अवधि 2 (2003 से 2012 तक) एफएसएलआरएफ और एसएसएलआरएफ दोनों के साथ और अवधि 3 (2013 से 2018) एफएसएलआरएफ, एसएसएलआरएफ और स्काइमेट पूर्वानुमान के साथ।

### निष्कर्षों का विश्लेषण

पीसीसी के निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि अवधि 1 के लिए आइएमडी के एफएसएलआरएफ और वास्तविक वर्षा (रेनफॉल) के बीच कोरीलेशन कॉफिसिएंट ऋणात्मक (-0.36) और नगण्य है (सारणी 2)। अवधि 2 के लिए वास्तविक बारिश के साथ एफएसएलआरएफ और एसएसएलआरएफ का कोरीलेशन कॉफिसिएंट क्रमशः ऋणात्मक (-0.21) और धनात्मक (0.12) है और दोनों नगण्य साबित हुए हैं। अवधि 3 में, एफएसएलआरएफ और वास्तविक बारिश के बीच कोरीलेशन कॉफिसिएंट सुधर कर धनात्मक और नगण्य रहा (0.45)। इसी अवधि के लिए एसएसएलआरएफ का कोरीलेशन कॉफिसिएंट में काफी सुधार हुआ और 0.64 पर पहुँच कर भी यह नगण्य ही रहा। स्काइमेट प्रोग्नोसिस और वास्तविक बारिश के बीच का कोरीलेशन कॉफिसिएंट धनात्मक रहा परन्तु (0.41) के स्तर पर रहकर यह भी नगण्य ही रहा। स्पष्टतः अध्ययन की पूरी अवधि के दौरान किसी भी पूर्वानुमान को वास्तविक बारिश के आंकड़ों के साथ अंतिम निष्कर्ष<sup>10</sup> पर पहुँचने के लिए संबद्ध नहीं किया जा सका।

आरएमएसई निष्कर्ष कोरीलेशन निष्कर्ष के अनुरूप ही है। आइएमडी के एफएसएलआरएफ का आरएमएसई समयावधि के दौरान एसएसएलआरएफ से उच्च रहा है। अवधि 3 में एफएसएलआरएफ और एसएसएलआरएफ के आरएमएसई में सुधार हुआ है यद्यपि यह मॉडल त्रुटि से क्रमशः 5 और 4 प्रतिशत ऊपर रहा है। स्काइमेट का आरएमएसई, आइएमडी के एफएसएलआरएफ और एसएसएलआरएफ दोनों से ऊपर रहा है (सारणी 3)।

ये निष्कर्ष दो विपरीत परिस्थितियों क्रमशः एकदम सूखा और सामान्य से अधिक वर्षा होने की स्थिति में दर्शाया गया है। उदाहरण के लिए, आइएमडी का एफएसएलआरएफ समस्त

### सारणी 2- पूर्वानुमानित और वास्तविक वर्षा के बीच पीसीसी की तुलना

समयावधि/संकेतक	एफएसएलआरएफ और वास्तविक (पीवीएल)	एसएसएलआरएफ और वास्तविक (पीवीएल)	स्काइमेट और वास्तविक (पीवीएल)
अवधि 1 (1995 से 2002)	-0.36 (0.37)	-	-
अवधि 2 (2003 से 2012)	-0.21 (0.57)	0.12 (0.74)	-
अवधि 3 (2013 से 2018)	0.45 (0.37)	0.64 (0.17)	0.41 (0.42)

स्रोत : लेखक का अनुमान।

<sup>10</sup> यह मानना है कि विभिन्न एजेंसियों के लिए डेटा की कमी के कारण अवधिवार नमूने का आकार कम है। फिर भी, यहां तक कि 1995 से 2018 तक की पूरी अवधि के लिए, FSLRF का पीसीसी (-0.07) नकारात्मक और नगण्य है। इसी प्रकार, SSLRF का पीसीसी (2003-2018) (0.34) सकारात्मक और नगण्य है। इन परिणामों को आगे RMSE परिणाम और शैलीगत (stylized) तथ्यों के चार्ट 1 और 2 द्वारा पुष्टि की गयी है।

### सारणी 3: पूर्वानुमानित और वास्तविक वर्षा के आरएमएसई की तुलना

रूट मीन स्क्वायर एरर	एफएसएलआरएफ और वास्तविक	एसएसएलआरएफ और वास्तविक	स्काइमेट और वास्तविक
अवधि 1 (1995 से 2002)	10.14	-	-
अवधि 2 (2003 से 2012)	8.57	8.16	-
अवधि 3 (2013 से 2018)	7.03	5.99	8.71

स्रोत : लेखक का अनुमान।

भारत में (2002,2009,2014 और 2015 ) में पड़े सूखा, (2004) में कम वर्षा और (1998,2007 तथा 2013) में सामान्य से अधिक वर्षा के बारे में पूर्वानुमान करने में विफल रहा। वैसे, यह कुल समय के 38 प्रतिशत मात्र समय में सामान्य मानसून के लिए सही पूर्वानुमान व्यक्त किया। इसी तरह, स्काइमेट भी अति विषम घटनाओं का पूर्वानुमान करने में विफल रहा। हालांकि, एसएसएलआरएफ के 2015 का सूखा संबंधी पूर्वानुमान सही ठहरा और सामान्य मानसून के संबंध में की गयी भविष्यवाणी की इसकी संभाव्यता 44 प्रतिशत रही। तुलनात्मक रूप से, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां नोवा और बॉम अति विषम वर्षा वाले वर्षों के पूर्वानुमान करने में अपेक्षाकृत अधिक सफल रहे जो सामान्यतः एल नीनो और ला नीना की परिस्थितियों से मेल खाते हैं। इसे आइएमडी और स्काइमेट की तुलना में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लिए सक्सेस स्कोर के उच्चतर मान द्वारा मंडित किया गया है(सारणी 4)। राष्ट्रीय पूर्वानुमानों में से आइएमडी के एसएसएलआरएफ के लिए सक्सेस स्कोर एफएसएलआरएफ और स्काइमेट से उच्चतर है।

आइएमडी (एफएसएलआरएफ और एसएसएलआरएफ) और स्काइमेट के पूर्वानुमान त्रुटियों (फोरकास्ट एरर) के फैलाव (स्प्रेड) का बॉक्स प्लॉट रोचक उतार-चढ़ाव दर्शाता है (चार्ट 5)। अवधि 1 में आइएमडी के एफएसएलआरएफ के लिए फैलाव उच्चतर था जो बाद की अवधि में धीरे धीरे कम होता गया। अवधि 2 में, जैसा अनुमानित था, एसएसएलआरएफ के फैलाव संबंधी त्रुटि एफएसएलआरएफ से कम था। अवधि 3 में, यद्यपि एफएसएलआरएफ की तुलना में एसएसएलआरएफ के लिए

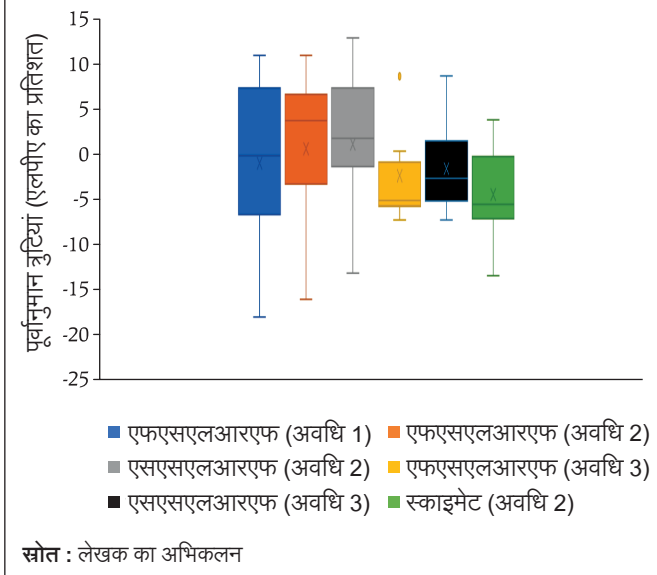
### सारणी 4: अतिवर्षा वाले वर्षों के दौरान विभिन्न फोरकास्टिंग एजेंसियों का सक्सेस स्कोर

एजेंसियां/पूर्वानुमान का माह	मार्च	अप्रैल	मई	जून
एनओए	57.14	57.14	71.43	57.14
बीओएम	71.43	71.43	71.43	71.43
आइएमडी	-	0.00	-	16.67
स्काइमेट	-	0.00	-	-

नोट : '-' लागू नहीं का द्योतक है।

स्रोत : एनओए, बीओएम, आइएमडी और स्काइमेट और लेखक का अनुमान।

**चार्ट 5: वर्षा पूर्वानुमान त्रुटियों के फैलाव का विश्लेषण**



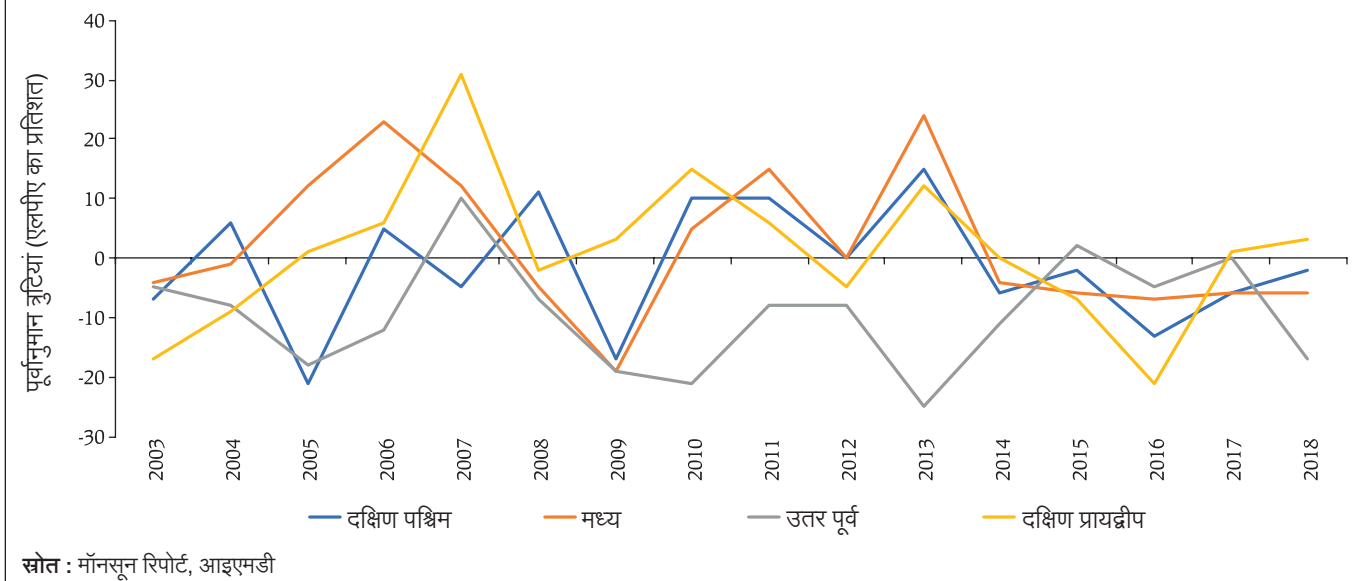
फैलाव उच्चतर था, हालांकि बाद वाले में आउटलॉयर था जो उसे कम विश्वसनीय बनाता है। इसी तरह स्काइमेट के पूर्वानुमान के फैलाव संबंधी त्रुटि आइएमडी के एसएसएलआरएफ से काफी उच्च है। स्पष्टतः अवधि 3 में एसएसएलआरएफ के लिए फैलाव त्रुटि अवधि 2 से कम हुई है। हालांकि, चूंकि पहले में माध्य माध्यिका से ऊपर है, ऐसा प्रतीत होता है कि एसएसएलआरएफ रेनफॉल के बारे में अधिक पूर्वानुमान करेगा।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, 2003 से एसएसएलआरएफ में आइएमडी वर्षा (उत्तर पश्चिम, मध्य, पूर्व और उत्तर पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीप) के क्षेत्रीय वितरण के पूर्वानुमान को भी उपलब्ध कराता है। एरर प्लॉट (वास्तविक और भविष्यवाणी में अंतर) यह दर्शाता है कि सभी क्षेत्रों में भविष्यवाणी की त्रुटियों का कोई प्रणालीगत पैटर्न नहीं है (चार्ट 6)। तथापि, दक्षिणी प्रायद्वीप (13.24) के लिए आरएमएसई सबसे उच्च है, उसके बाद क्रमशः पूर्व और उत्तर पूर्व (12.54), मध्य भारत (11.18) और उत्तर पश्चिम (9.42) है। पूर्वानुमान में क्रमशः समय के 77 प्रतिशत और 50 प्रतिशत में पूर्व और उत्तर पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीप में वर्षा की संभावना को आशा से अधिक व्यक्त किया गया है। उत्तर पश्चिम के लिए समय के लगभग 50 प्रतिशत में पूर्वानुमान सही किया गया है और इसलिए आरएमएसई कम है।

**IV. निष्कर्ष**

भारत में अनुमानित वर्षा और वास्तविक वर्षा के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। जबकि पूर्वानुमान में से कोई भी वास्तविक के करीब नहीं हैं, आइएमडी के एसएसएलआरएफ का प्रदर्शन एफएसएलआरएफ और स्काइमेट से बेहतर है। आइएमडी और स्काइमेट दोनों ही अधिकांश मामलों में सूखे और अधिक वर्षा की भविष्यवाणी करने में विफल रहे हैं। फिर भी, एसएसएलआरएफ ने 2015 के सूखे और सामान्य मानसून रहने

**चार्ट 6: क्षेत्रीय वर्षा पूर्वानुमान का एरर प्लॉट**





की भविष्यवाणी की जो उचित ठहरा और यह एफएसएलआरएफ और स्काईमेट से अधिक रहा है। इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, अर्थात्, बॉम और नोवा की अति वर्षा के पूर्वानुमान करने में भविष्यवाणी शक्ति (जो आम तौर पर एल नीनो और ला नीना के शर्तों के साथ मेल खाता है) आईएमडी की तुलना में बहुत बेहतर है। सभी पूर्वानुमानों के तुलनात्मक आकलन से पता चलता है कि व्यापक आर्थिक पूर्वानुमान के सृजन के लिए, आईएमडी के एसएसएलआरएफ और नोवा और बॉम जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की भविष्यवाणियों का संयोजित रूप से उपयोग उपयुक्त हो सकता है जैसा कि आईएमडी (एसएसएलआरएफ) और स्काईमेट द्वारा अप्रैल माह में जारी प्रारंभिक पूर्वानुमान अस्पष्ट प्रतीत होता है।

### संदर्भ

Government of India (2018), Agriculture at a Glance, Directorate of Economics and Statistics, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, New Delhi.

Gulati, A., Saini, S., and Jain, S. (2013), 'Monsoon 2013: Estimating the Impact on Agriculture', *Working Paper No.269*, Indian Council For Research on International Economic Relations.

Joseph, M., Murugan, E. and Hemalatha (2017), 'Forecast Verification Analysis of Rainfall for Southern Districts of Tamil Nadu, India', *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*, 6: 299-306.

Kar, S.C., Acharya, N., Mohanty, U.C., and Kulkarni, M.A. (2012), 'Skill of Monthly Rainfall Forecasts over India using Multi-Model Ensemble Schemes', *International Journal of Climatology*, Vol 32, 1271-1286.

Karumuri, A., Guan, Z. and Toshio, Y. (2001), 'Impact of the Indian Ocean Dipole on the relationship between

the Indian Monsoon Rainfall and ENSO', *Geophysical Research Letters*, 28.

Monsoon Report (various issues), Indian Meteorological Department (IMD), Government of India.

Pandey, D.K., Rai, S., Sahai, A.K., Abhilash, S. and Shahi, N.K. (2016), 'Prediction and Error Growth in the Daily Forecast of Precipitation from the NCEP CFSv2 over the Subdivisions of Indian Subcontinent', *Journal of Earth System Science*, Vol 125(1), 29-45.

Prasad, K., Dash, S.K., and Mohanty, U.C. (2010), 'A Logistic Regression Approach for Monthly Rainfall Forecasts in Meteorological Subdivisions of India based on DEMETER Retrospective Forecasts', *International Journal of Climatology*, Vol 30, 1577-1588.

Rajeevan, M. and Pai, D.S. (2006), 'On the El Nino-Indian Monsoon predictive relationships', *Geophysical Research Letters*, Vol. 34.

Rajeevan, M., Pai, D.S., Dikshit, S.K., and Kelkar, R.R. (2004), 'IMD's New Operational Models for Long-Range Forecast of Southwest Monsoon Rainfall over India and their Verification for 2003', *Current Science*, Vol 86(3), 422-431.

Sagar, K.S., Mrudula, G., Kumari, K.V., and Rao, S.V.B (2017), 'Verification of VARSHA Rainfall Forecasts for Summer Monsoon Seasons of 2009 and 2010', *International Journal of Current Research Review*, Vol 9(21), 24-36.

Silver, N. (2012), 'The Weatherman is not a Moron' New York Times dated September 7. (Retrieved from <https://www.nytimes.com/2012/09/09/magazine/the-weatherman-is-not-a-moron.html>)

Stern, H. (2008), 'The Accuracy of Weather Forecasts for Melbourne, Australia', *Meteorological Applications*, 15: 65-71.



## भुगतान और निपटान: भारतीय वित्तीय प्रणाली के ढांचे की दुरुस्तगी\*

भारत में, सुरक्षित, महफूज, कुशल एवं तीव्र भुगतान प्रणाली सुनिश्चित करते हुए अर्थव्यवस्था में कम नकदी रखने के प्रति अपनाए गए नीतिगत दृष्टिकोण से डिजिटल लेनदेन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। फिनटेक की दिशा में की गई पहल जिसने वित्तीय एवं भुगतान संबंधी सेवाओं की व्यवस्थाओं की कार्यापलट कर दी है, वह इन सेवाओं में निहित जोखिमों को नियंत्रित करने की दिशा में साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं। जहां भारत की स्थिति अनेक पैरामीटरों जैसे डिजिटल लेनदेन, प्रौद्योगिकी अवसंरचना तथा भुगतान एवं निपटान विधि और विनियम के संबंध में अग्रणी/सुदृढ़ बनी हुई है। वहीं पर प्रति व्यक्ति मौजूदा लेनदेन की मात्रा कम होने से भारत में डिजिटल लेनदेन में वृद्धि किए जाने की काफी गुंजाइश है।

### प्रस्तावना

भुगतान और निपटान प्रणाली आधुनिक अर्थव्यवस्था का केंद्र बिंदु है। इसके माध्यम से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में बचत एवं निवेश की दिशा को बुनियादी सुविधा मुहैया कराई जाती है। यह मौद्रिक नीति के प्रभावी प्रसारण का गेटवे है, वित्तीय स्थिरता का नियंत्रक और वित्तीय समावेशन का साधन है।

बीते हुए वर्षों में भुगतान और निपटान परिदृश्य में नवोन्मेष की अप्रत्याशित लहर देखने को मिली है। मोबाइल वालेट ने वस्तुतः बैंकिंग सेवाओं को 'आवश्यकता पर' उपलब्ध करा दिया है। केवल डिजिटल रूप से कार्य करने वाले बैंको ने पक्के मकान में कार्य करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। बायोमेट्रिक अभिप्रमाणन की सुविधा ने भुगतान के पारंपरिक तरीकों की तुलना में लेनदेन को काफी सुरक्षित और सुविधाजनक बना दिया है। ब्लॉकचेन अत्यधिक परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी हो सकती है किंतु यह, भुगतान प्रणाली को ऑटोमैटिक बनाने एवं

\* यह लेख शशिकांत और शरत चंद्र धल, भुगतान प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा तैयार किया गया है। सोनाली आदिक, भुगतान और निपटान प्रणाली की सहायता उल्लेखनीय है। लेख में निहित विचार लेखक के स्वतः हैं और इनका प्रतिनिधित्व भारतीय रिजर्व बैंक नहीं करता।

वित्तीय लेनदेन को विकेंद्रित करने के क्षेत्र में काफी अनुकूल हवा बना रही है। फिनटेक उद्योग में स्वतः डाटा-विश्लेषण, चैटबोट तथा रोबो-एडवाइजर के रूप में कृत्रिम आसूचना(एआई) के प्रयोग की एक अन्य प्रौद्योगिकी की लहर पैदा हो रही है। एआई का इस्तेमाल ग्राहक के व्यवहार के स्वरूप पर निगरानी रखते हुए धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए किया जा रहा है। नीयर फील्ड कम्यूनिकेशन(एनएफसी)<sup>1</sup> प्रौद्योगिकी और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसीज(सीबीडीसी) अन्य पथ-प्रवर्तक नवोन्मेषी उपाय हैं जो भुगतान और निपटान क्षेत्र के परिदृश्य में उभरे हैं।

भारत में भुगतान और निपटान प्रणाली ने बीते वर्षों में अत्यधिक प्रगति की है। फिनटेक को अपनाने में भारत दूसरे नंबर पर है, इसमें इसकी अपनाने की दर 52 प्रतिशत(अन्स्ट एंड योग 2017) द यूनिफाइट पेमेंट इंटरफेस(यूपीआई), भारत बिल भुगतान प्रणाली(बीबीपीएस), भारत क्यूआर तथा आधारयुक्त भुगतान प्रणाली (ईपीएस) ऐसी प्रणालियां हैं जो डिजिटल भुगतान ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म तथा निधि अंतरण के क्षेत्र में खेल-पलट देने वाली प्रणालियां सिद्ध हो रही हैं जो वित्तीय क्षेत्र की कुशलता को बढ़ा रही हैं। वहीं पर, ये नवोन्मेषी उपाय जो वित्तीय प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाए जाने से उत्पन्न हुए हैं तथा नये कारोबार मॉडल के उभरने से वित्तीय प्रणाली की स्थिरता एवं अखंडता पर प्रभाव डाला है (बीसीबीएस, 2018; एफएसबी, 2019)। भुगतान उद्योग साइबर हमले का अव्वल निशाना है। सुरक्षा पहलुओं की खामियां बड़े-बड़े महल को बहुत कम समय में बड़ी आसानी से धराशायी कर सकती हैं (फाइनेंशियल टाइम्स, 2019)। इस आलेख में सामान्य रूप से विश्व में और खासतौर से भारत में भुगतान प्रणाली तथा फिनटेक के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया गया है। भाग II में फिनटेक क्षेत्र में 2018-19 की अवधि में विश्व में हुई उल्लेखनीय प्रगति की नवीनतम जानकारी दी गई है। भाग III में भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली के उद्भव का ब्योरा प्रस्तुत किया गया है। अंतिम भाग IV में डिजिटल प्रौद्योगिकी की सहायता से भारतीय भुगतान प्रणाली में हुई प्रगति की मुख्य विशेषताओं को दर्शाया गया है।

<sup>1</sup> नीयर फील्ड कम्यूनिकेशन(एनएफसी): तार रहित तकनीक है जो डेवाइस को अपने नजदीक स्थित ऐसी ही डेवाइस से डाटा को संग्रहित और विवेचना करने की अनुमति देती है। एनएफसी डेवाइस का उपयोग संपर्कविहीन भुगतान प्रणाली के लिए क्रेडिट कार्ड तथा इलेक्ट्रॉनिक स्मार्ट कार्ड और मोबाइल भुगतान को बढ़ावा देने की भांति किया जा सकता है।

## II. फिनटेक क्षेत्र में वैश्विक गतिविधियां

फिनटेक क्रांति बड़े पैमाने पर विकसित व विकासशील और उभरते बाजार अर्थव्यवस्थाओं में फैल चुकी है। यूएस में बैंक तेजी से मुक्त बाजार बैंकिंग व्यापार संस्कृति को अपना रहे हैं और मुक्त एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) और ग्राहक हितैषी भुगतान माध्यमों को विकसित करने में भारी निवेश कर रहे हैं (आनंद, 2018)। एपीआई का उपयोग विभिन्न सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एक दूसरे के साथ संप्रेषण और सीधे डेटा का आदान-प्रदान करने की अनुमति देता है। सॉफ्टवेयर विकासकर्ताओं के लिए बैंक खातों से जुड़ी अभिनव मूल्य-वर्धित सेवाओं को ईजाद करने और बैंकों द्वारा परंपरागत रूप से दी जाने वाली कई सेवाओं को अलग करने के लिए अपार संभावनाओं को उजागर करने के लिए इसे निर्देशित किया गया है। विभिन्न क्षेत्राधिकार अब एपीआई के एप्लिकेशन के लिए फ्रेमवर्क विकसित कर रहे हैं।

सैंडबॉक्स को फिनटेक कंपनियों के लिए इनक्यूबेटर के रूप में देखा जाता है। हालांकि, अधिकांश केंद्रीय बैंकों और विनियामकों ने विनियामकीय सैंडबॉक्सों की सफलता के सापेक्ष इनकी डिजाइन और पर्यायगत लागत को कमतर ही आंका है (यूएनएसजीएसए, 2019)। सैंडबॉक्सों का महत्व स्वीकारा गया है परंतु ये विनियामकों के लिए बाजार सहभागियों के साथ जुड़ने के एकमात्र साधन नहीं होने चाहिए। यह इस संदर्भ में है कि मार्च 2019 में फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क ने फिनटेक उद्योग के अग्रणियों के साथ सहयोग हेतु बैंक अग्रणियों को एक उच्च-स्तरीय मंच प्रदान करने के लिए एक फिनटेक सलाहकार समूह आरंभ किया। सलाहकार समूह का प्राथमिक लक्ष्य वित्तीय प्रौद्योगिकियों, उनके एप्लिकेशन और उनके बाजार प्रभाव से संबंधित उभरते हुए मुद्दों का समाधान खोजना है और उन्हें न्यूयॉर्क फेड के विनियामकीय और पर्यवेक्षी उपकरणों के साथ एकीकृत करके अधिदेश प्राप्त करने में सहायता करना है।

अपने फिनटेक एक्सेलेरेटर परियोजना की सफलता के बाद बैंक ऑफ इंग्लैंड ने मार्च 2018 में एक स्थायी फिनटेक हब स्थापित किया। हब को फिनटेक क्षेत्र के लिए नोडल प्राधिकारी के रूप में परिकल्पित किया गया है जो बैंक के साथ जुड़कर बैंकों के कार्यों को फिनटेक के साथ एकीकृत करने में सहायता प्रदान करेगा।

यूएस के समान, ओपन बैंकिंग स्टैंडर्ड एंड पेमेंट सर्विसेज डायरेक्टिव (पीएसडी2) पहलें यूरोपीय संघ में ध्यानाकर्षण कर रही हैं। लक्ष्य के अनुरूप नवोन्मेषिता को बढ़ावा मिल सके इसलिए वे बैंकों से ग्राहकों का डेटा, ग्राहकों की अनुमति देने के बाद प्राधिकृत थर्ड पार्टी सेवा प्रदाताओं के साथ साझा करने की मांग कर रहे हैं (राम्सडेन, 2018; मस्क, 2019)। इससे थर्ड पार्टी सेवा प्रदाता स्मार्टफोन एप्लिकेशनों में बेहतर कार्यक्षमता विकसित करने में सक्षम होंगे।

ब्लॉकचेन तकनीकी जो बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो मुद्राओं को रेखांकित करती है, व्यापक रूप से विविध सत्यापन के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया को बदलने की क्षमता रखती है। हालांकि, हालिया शोध बड़े पैमाने पर भुगतान के लिए इस तकनीक की व्यवहार्यता को खारिज करते हैं (कोनेसा, 2019)। बिचौलियों की अनुपस्थिति और विकेंद्रीकृत ढांचे में प्रमाणीकरण की आवश्यकता के कारण संसाधन गहन और भुगतान प्रणाली कम सक्षम हो जाती है। इसी तरह क्रिप्टो आस्तियों में किए गए भुगतानों की लागत कार्य के साक्ष्य की आवश्यकता के कारण अत्यधिक बढ़ जाती है (एयोर, 2019)। तुलनात्मक रूप से सीबीडीसी केंद्रीय बैंकों को खुदरा ऋण देने वाली भूमिकाएं अपनाने के लिए अपरिहार्य बना सकती है (कार्सटेंस, 2019)।

फिनटेक गतिविधियों के लिए सिंगापुर एक प्रमुख केंद्र बन गया है। यह प्रतिवर्ष एक फिनटेक उत्सव का आयोजन करता है। पिछले वर्ष एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस एक्सचेंज (एपीआईएक्स) प्लेटफॉर्म सुर्खियों में रहा जो कि आसियान बैंकर्स एसोसिएशन, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईएफसी) और मोनेटरी अथारिटी ऑफ सिंगापुर (एमएस) के बीच एक साझा प्रयास है। एपीआईएक्स वित्तीय संस्थाओं (एफआई) और फिनटेक के बीच साझेदारी हेतु एक ऑनलाइन फिनटेक मार्केटप्लेस और सैंडबॉक्स दोनों ही हैं। एक मार्केटप्लेस के रूप में यह एपीआई के माध्यम से वैश्विक क्यूरेटेड प्लेटफार्म पर वित्तीय संस्थाओं को फिनटेक फर्मों की खोज करने और उनके साथ जुड़ने में सक्षम बनाएगा। सैंडबॉक्स के रूप में यह वित्तीय संस्थाओं और फिनटेक फर्मों को एक सम्मिलित वातावरण में समाधानों पर प्रयोग और साथ मिलकर कार्य करने के लिए एक मंच प्रदान करता है (मेनन, 2018)।

एमएस ने हाजिर बाजार परिचालन के प्रति आधुनिक डाटा विश्लेषक टूल्स जैसे एआई और मशीन लर्निंग के प्रयोग

का मार्ग प्रशस्त किया। इसके उन्नत डाटा साइंस टूल्स जिसका नाम अपोलो है, में ऐसे डाटा का प्रयोग होता है जो हाजिर संदिग्ध पैटर्न के प्रति विगत के अनाचार मामलों पर आधारित होते हैं। द बैंक आफ कनाडा और एमएस ने सीबीडीसी का प्रयोग करते हुए विभिन्न देशों और विभिन्न देशों की करेंसियों में भुगतान के संबंध में सफल प्रयोग किया है। दो केंद्रीय बैंकों के बीच यह इस प्रकार का पहला परीक्षण था, और इसमें क्षमता को बढ़ाने में तथा सीमा-पार भुगतानों में जोखिमों को कम करने की अत्यधिक संभाव्यता है।

विश्व में होने वाले ई-कॉमर्स लेन-देन में चीन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है, यह एक शानदार वृद्धि है जो एक दशक पहले 1 प्रतिशत था (लिपटन 2019)। चीन के बैंक फिनटेक में बढ़-चढ़कर निवेश कर रहे हैं और ऐसी सेवाएं शुरू कर रहे हैं जो इंटरनेट के दिग्गजों जैसे बायडू, अलीबाबा ग्रुप होल्डिंग, टेनसेंट होल्डिंग और जेडी.काम की स्पर्धा का जवाब दे रहे हैं (ली, 2019)। द बैंक ऑफ चाइना ने अपनी पहली वैश्विक फिनटेक नवोन्मेष प्रयोगशाला 14 नवंबर 2018 में सिंगापुर में प्रारंभ की ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ब्लाकचेन, बिग डाटा तथा क्लाउड प्रौद्योगिकी की शक्तियों का प्रयोग कर सके। यह प्रयोगशाला प्रशिक्षण ढांचे की स्थापना करेगी ताकि प्रतिभाओं की श्रृंखला का निर्माण हो सके तथा अपने भागीदारों जैसे फिनटेक फर्म, उच्च शिक्षा संस्थान तथा सरकार के साथ मिलकर वित्तीय नवोन्मेष एवं अनुसंधान सहकार्य को प्रोत्साहित किया जा सके। द पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में व्यापार वित्त ब्लाकचेन प्लेटफार्म का प्रायोगिक परीक्षण किया गया जो लघु एवं मध्यम उद्योगों (एसएमई) की बड़े वित्तपोषक विकल्पों तक पहुंच बनाने में, साथ ही आरिस्त-समर्थित प्रतिभूतियां हासिल करने में मदद कर सकता है (मैनालो 2018)। यह निर्बाध एवं कुशल अंतर-बैंक लेनदेन की सुविधा मुहैया कराएगा तथा बैंकों को अभिप्रमाणन लेखापरीक्षा करने एवं कारोबारी लागत कम करने में सहायता करेगा।

फिनटेक की दुनिया में हो रहे तेज बदलाव ने यह जरूरी बना दिया है कि सीमा-पार के बारे में फिनटेक विनियम हों और साथ ही वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और क्षमता वृद्धि के बीच एक उपयुक्त संतुलन कायम रखा जाए। आईएमएफ और विश्व बैंक ने अक्टूबर 2018 में बाली फिनटेक कार्यसूची की शुरुआत की है जिसमें 12 नीतिगत तत्वों का एक पूरा सेट है जो वित्तीय प्रौद्योगिकी में नीति-निर्माण करने की प्रक्रिया में लगे हुए देशों के लिए मार्गदर्शी दस्तावेज सिद्ध हो सकता है।

वैश्विक वित्तीय नवोन्मेष नेटवर्क(जीएफआईएन) की औपचारिक शुरुआत जनवरी 2019 में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय विनियामक एवं संबद्ध संगठन समूह द्वारा की गई है। यह एक प्रकार का वैश्विक सैंडबॉक्स है जो पूरे विश्व के रेगुलेटर्स को अनुभवों एवं उभरती प्रौद्योगिकी तथा कारोबारी मॉडल को साझा करने की सुविधा प्रदान करेगा। इसका लक्ष्य फिनटेक-संबंधी मुद्दों पर वित्तीय सेवा रेगुलेटर्स के बीच परस्पर सहयोग का एक नया फ्रेमवर्क तैयार करना है। यह संयुक्त रेगुलेटर्स कार्य के लिए प्लेटफार्म तथा सीमा-पार धन-अंतरण के प्रयोगों के लिए वातावरण उपलब्ध कराएगा।

### III. भारत में भुगतान और निपटान

भारत में सुरक्षित, महफूज, कुशल एवं तीव्र भुगतान प्रणाली सुनिश्चित करते हुए अर्थव्यवस्था में कम-नकदी रखने के प्रति अपनाए गए नीतिगत दृष्टिकोण से डिजिटल लेनदेन में अत्यधिक वृद्धि हुई है (अनुबंध)। फिनटेक की दिशा में की गई पहल जिसने वित्तीय एवं भुगतान संबंधी सेवाओं की व्यवस्थाओं की कायापलट कर दी है, वह इन सेवाओं में निहित जोखिमों को नियंत्रित करने की दिशा में साथ-साथ आगे बढ़ रही है। फिनटेक कंपनियों के बढ़ने की संभाव्यता को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने एक रेगुलेटरी सैंडबॉक्स स्थापित करने का प्रस्ताव किया है ताकि सीमित ग्राहकों की संख्या में बीटा-टेस्टिंग नव उत्पादों के लिए उपयुक्त नियंत्रित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। समकक्ष-से-समकक्ष (पी2पी) प्लेटफार्म जहां ऐसे लोग जो अपना धन निवेश करने के लिए सोचते हैं उन्हें वहां ऐसे लोग मिल सके जो बिना किसी बिचौलिए के उधार लेना चाहते हैं- पर बढ़ती हुई फुटकर सहभागिता को देखते हुए रिजर्व बैंक ने इस क्षेत्र को विनियमित करने के लिए मास्टर निदेश जारी किए हैं। इसकी बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास में रिजर्व बैंक ने ग्राहकों के लेनदेन हेतु आरटीजीएस विंडों का समय 1.5 घंटे बढ़ा दिए हैं। रिजर्व बैंक एनईएफटी को 24x7 पूरे समय उपलब्ध कराने की संभावना की जांच कर रहा है। रिजर्व बैंक ने डिजिटल लेनदेन के लिए 'लोकपाल' योजना लागू की है ताकि डिजिटल चैनल्स के प्रति उपभोक्ताओं के विश्वास को मजबूत करने के

<sup>2</sup> रेगुलेट वित्तीय उद्योग में तकनीक के माध्यम से विनियामक प्रक्रिया का प्रबंधन है। रेगुलेट के मुख्य कार्य में विनियामक निगरानी, रिपोर्टिंग और अनुपालन शामिल है।

## सारणी 1: डिजिटल लेनदेन

	2016-17	2017-18	2018-19	2016-17	2017-18	2018-19
	मूल्य (₹ बिलियन)			मात्रा (मिलियन)		
1. आरटीजीएस ग्राहक लेनदेन	8,49,951	10,36,699	11,84,368	104	121	133
2. आरटीजीएस अंतर-बैंक लेनदेन	1,31,953	1,30,426	1,72,514	4	4	3
3. रिटेल इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग (ईसीएस, एनईएफटी, एनएसीएच, आईएमपीएस)	1,32,250	1,92,018	2,58,745	4,205	5,467	7,113
4. कार्ड प्रयोग (पीओएस)	6,583	9,190	11,969	3,486	4,749	6,177
5. प्रीपेड भुगतान उपकरण	838	1,416	2,129	1,963	3,459	4,604
6. यूपीआई (भीम सहित)	69	1,098	8,770	18	915	5,343
<b>कुल डिजिटल लेनदेन</b>	<b>11,21,644</b>	<b>13,70,847</b>	<b>16,38,495</b>	<b>9,780</b>	<b>14,715</b>	<b>23,373</b>

स्रोत : भारिबैं।

लिए किफायती एवं तीव्र शिकायत निवारण प्रणाली मुहैया कराई जा सके। भारतीय भुगतान ईकोसिस्टम और उसकी चुनौतियों को समझने की दृष्टि से रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल भुगतान की गहनता से संबंधित गठित उच्च स्तरीय समिति (अध्यक्ष: श्री नंदन नीलेकणी) ने अपनी रिपोर्ट मई 2019 में प्रस्तुत कर दी है (भारिबैं, 2019ए)। समिति ने डिजिटल इजेशन के स्तर की समीक्षा की है और उसे अपनाए जाने के उपायों की सिफारिश की है। समिति ने डिजिटल भुगतान अवसंरचना के सुरक्षा पहलुओं को सुदृढ़ बनाने के साधनों तथा डिजिटल लेनदेन के प्रति ग्राहकों में विश्वसनीयता पैदा करने के बारे में सुझाव दिए हैं। डिजिटल-धन-अंतरण को गति प्रदान करने के लिए रिजर्व बैंक ने हाल की द्विमासिक मौद्रिक नीति 2019-20 में आरटीजीएस और एनईएफटी प्रणाली द्वारा प्रोसेस किए गए लेनदेन पर लगाए जानेवाले प्रभार को समाप्त करने का निर्णय लिया है।

हाल के समय में, वैयक्तिक रूप से फुटकर इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली के उपयोग में लगातार वृद्धि तथा कागजी लेनदेन में कमी पाई गई है भारत में डिजिटल लेनदेन का एक संक्षिप्त दृश्य सारणी 1 में प्रस्तुत किया गया है।

## डिजिटल लेनदेन

मात्रा की दृष्टि से 2018-19 के दौरान कुल डिजिटल लेनदेन<sup>3</sup> की वृद्धि दर 58.8 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि 2017-

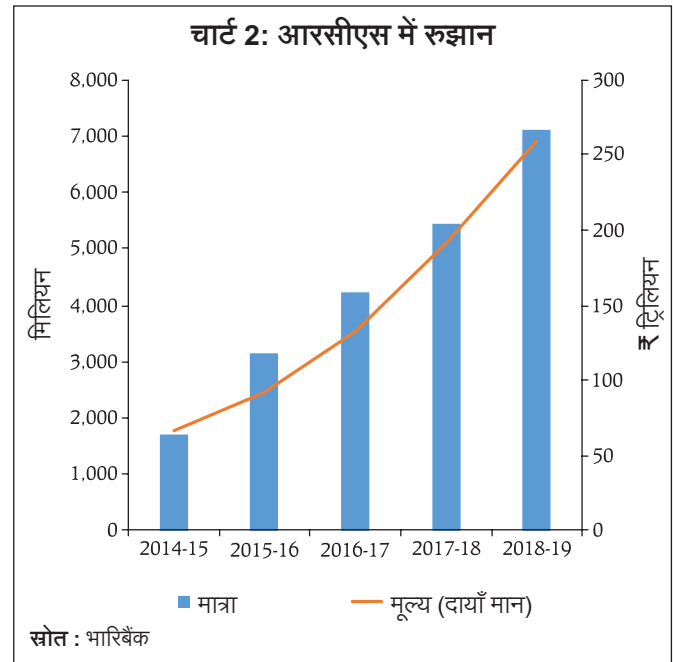
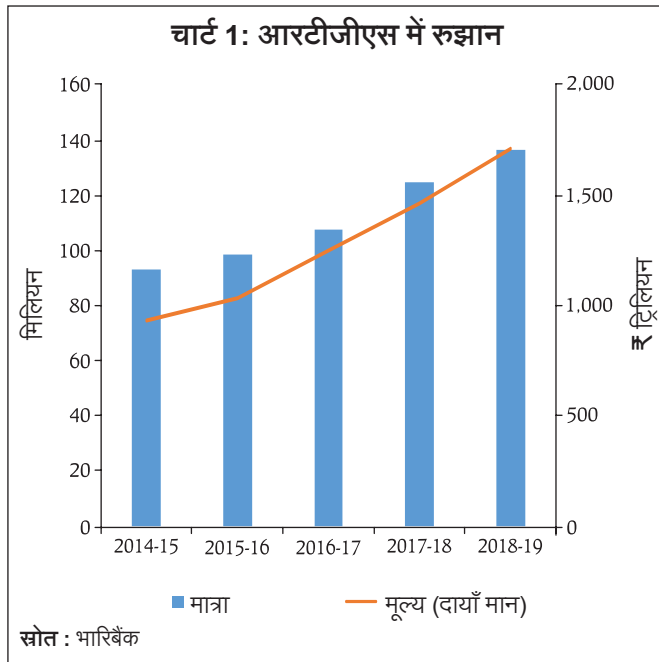
<sup>3</sup> इसमें आरटीजीएस ग्राहक और अंतरबैंक लेनदेन, रिटेल इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग-ईसीएस, ईएफटी, एनईएफटी, आईएमपीएस, एनएसीएच, पीओएस, यूपीआई (भीम और अन्स्ट्रुक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डाटा (यूएसएसडी) (वित्तीय लेनदेन) के साथ) शामिल है।

18 में यह वृद्धि दर 50.4 प्रतिशत थी। मूल्य की दृष्टि से डिजिटल लेनदेन 2018-19 में 19.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि इसकी तुलना में 2017-18 के दौरान इसकी वृद्धि दर 22.2% प्रतिशत थी। आरटीजीएस लेनदेन द्वारा किए गए थोक डिजिटल लेनदेन का मूल्य 82.8 प्रतिशत था।

डिजिटल लेनदेन के फुटकर हिस्से में (आरटीजीएस और अंतर-बैंक ग्राहकों को छोड़कर) वृद्धि की मात्रा 2018-19 में 59.3 प्रतिशत थी (पिछले वर्ष यह वृद्धि 50.8 प्रतिशत थी)। मूल्य के अनुसार फुटकर लेनदेन 38.2 प्रतिशत बढ़ा जबकि पिछले वर्ष यह 45.8 प्रतिशत था। कुल डिजिटल लेनदेन में मात्रा और मूल्य का हिस्सा क्रमशः 99.4 प्रतिशत और 17.2 प्रतिशत था।

## वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस)

आरटीजीएस प्लेटफार्म एक ऐसा प्लेटफार्म है जिस पर उच्च मूल्य के लेनदेन किए जाते हैं (ग्राहक और अंतर-बैंक), इस पर मार्च 2019 के दौरान अब तक की सर्वाधिक मासिक मात्रा में 13.64 मिलियन लेनदेन को प्रोसेस किया गया, जिसका कुल मूल्य 148.7 ट्रिलियन ₹ था तथा प्रति लेनदेन का औसत 10.9 मिलियन ₹ था (चार्ट 1)। आरटीजीएस प्लेटफार्म पर जो वृद्धि में गति पैदा हुई है वह ग्राहक लेनदेन के समर्थन से हुई है जिसमें मात्रा और मूल्य के हिसाब से कुल आरटीजीएस (ग्राहक और अंतर-बैंक) लेनदेन में हिस्सा क्रमशः 97.9 प्रतिशत और 84 प्रतिशत था।



### रिटेल इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा

रिटेल इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (आरईसीएस) सहित इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस), इलेक्ट्रॉनिक विधि अंतरण (ईएफटी), राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एनईएफटी), तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस (एनएसीएच) की पिछले वर्ष की ही तरह वर्ष 2018-19 के दौरान समग्र लेन-देन मात्रा में 30.1 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी। मूल्य के अनुसार, 2018-19 के दौरान विकास दर 34.8 प्रतिशत थी जो 2017-18 में अधिकतम 45.2 प्रतिशत दर्ज की गयी थी। (चार्ट 2)

### राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण

आरईसीएस की विकास गति का नेतृत्व एनईएफटी (चार्ट 3) ने किया था। मार्च 2019 के दौरान, एनईएफटी ने 25 ट्रिलियन मूल्य के लिए 242 मिलियन लेनदेन की उच्चतम मासिक संख्या को संसाधित किया, जो प्रति लेनदेन रु. 1,05,079 औसत मूल्य का था। वार्षिक तौर पर, एनईएफटी की संख्या 2018-19 के दौरान 19.1 प्रतिशत बढ़ी, जो 2017-18 की 20.0 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक थी। मूल्य के अनुसार, एनईएफटी ने 2018-19 के दौरान 32.3 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की जो 2017-18 के दौरान अधिकतम 43.5 प्रतिशत थी।

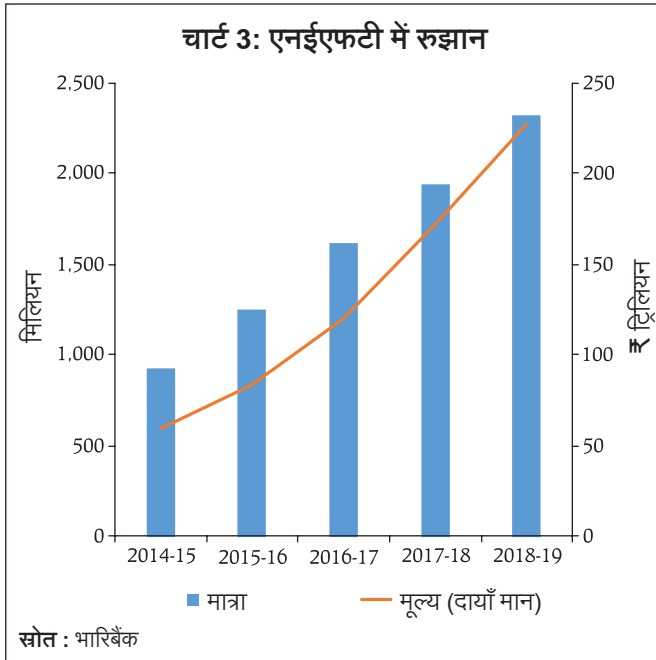
### तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस)

तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) भारत में एक त्वरित भुगतान अंतर-बैंक इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर प्रणाली है, जो ग्राहकों को मोबाइल फोन के माध्यम से संचालित करने में सक्षम बनाती है। एनईएफटी और आरटीजीएस के विपरीत, यह सेवा बैंक की छुट्टियों सहित पूरे वर्ष में 24/7 उपलब्ध है। दिनांक 22 नवंबर 2010 को शुरु होने के बाद से, तत्काल भुगतान सेवा ने उच्च विकास की गति दर्ज की है। 2018-19 के दौरान आईएमपीएस के माध्यम से प्रेषण की संख्या में 73.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष अधिकतम 99.3 प्रतिशत थी। मूल्य के अनुसार, 2018-19 में आईएमपीएस लेनदेन 78.2 प्रतिशत प्रति वर्ष की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जो 2017-18 में अधिकतम 117.1 प्रतिशत थी। (चार्ट 4)

### एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई)

आईएमपीएस के समान, यूपीआई एक तत्काल धन अंतरण प्रणाली है जो पूरे वर्ष में रात-दिन इंटरबैंक फंड ट्रांसफर को सक्षम बनाती है। अगस्त 2016 में अपने वाणिज्यिक लॉन्च के बाद से, इसने आईएमपीएस प्लेटफॉर्म पर किए गए लेनदेनों से कहीं अधिक संख्या में वृद्धि दर्ज की है।

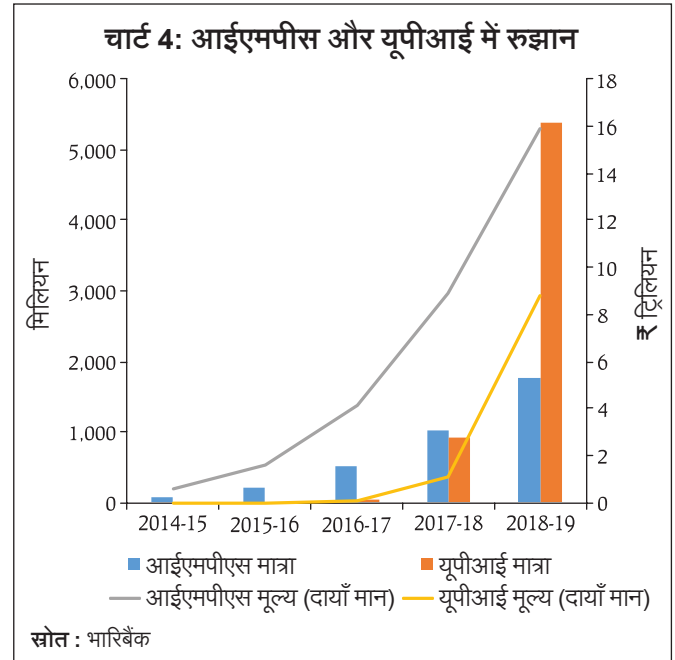
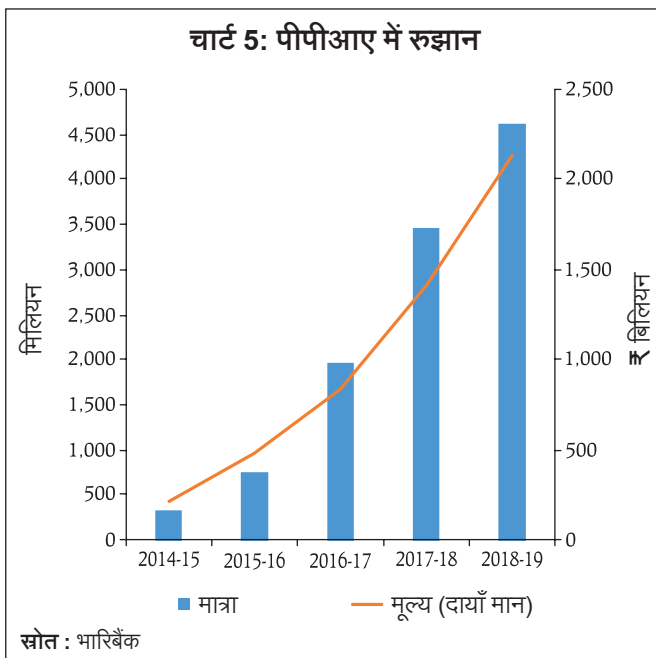
मार्च 2019 में एकीकृत भुगतान इंटरफेस की संख्या 799.5 मिलियन के शिखर तक पहुंच गयी, जो मार्च 2018 के



4.5 गुना से अधिक थी। पूरे वर्ष के लिए, 2017-18 की संख्या की तुलना में यूपीआई की कुल संख्या से छह गुना अधिक थी। मूल्य के अनुसार यूपीआई लेनदेन में पिछले वर्ष की तुलना में आठ गुना वृद्धि देखी गई। मार्च 2019 में प्रति लेनदेन औसत मूल्य ₹1,670 था।

#### प्री-पेड भुगतान विधि (पीपीआई)

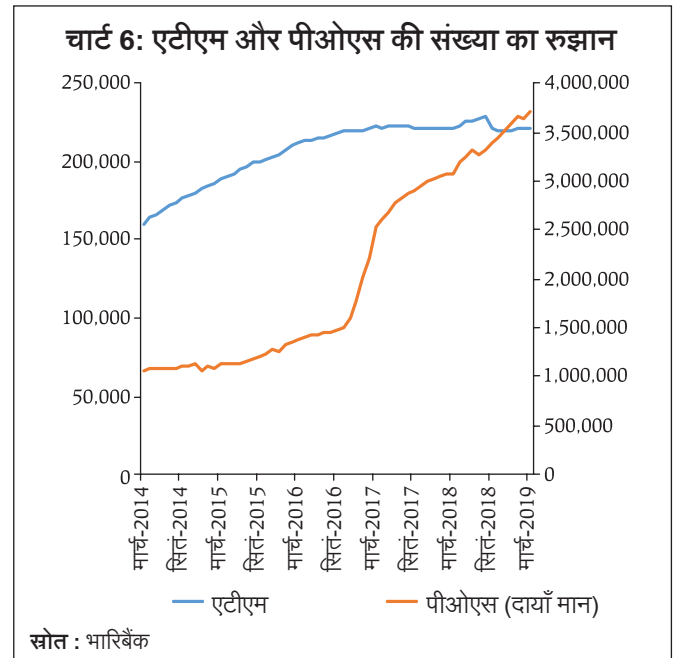
प्री-पेड पेमेंट इंस्ट्रुमेंट्स (पीपीआई) की संख्या और मूल्य में काफी अधिक वृद्धि दर्ज की गई (2018-19 के दौरान 33



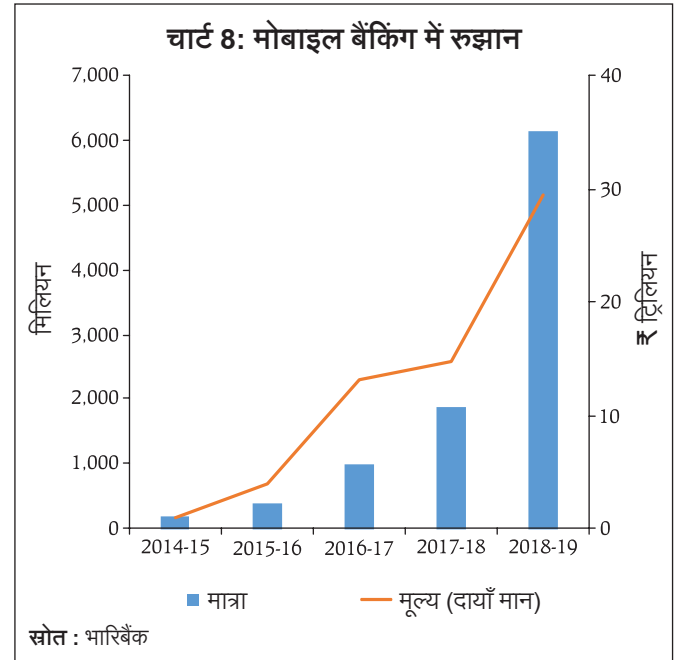
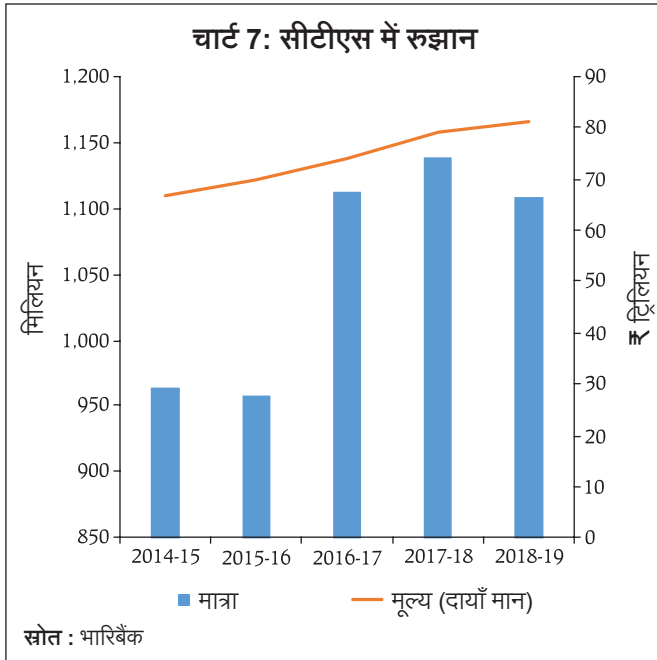
प्रतिशत और 50.3 प्रतिशत, पिछले वर्ष में 76.2 प्रतिशत और 69 प्रतिशत के शीर्ष पर), इसके उछाल से मोबाइल वेलेट में वृद्धि हुई। (चार्ट 5)

#### कार्ड एक्सेप्टेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर

वार्षिक रूप से, पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) लेनदेन में कार्ड की संख्या 2018-19 के दौरान 30.1 प्रतिशत (पिछले वर्ष 36.2 प्रतिशत थी) और मूल्य के अनुसार, 30.2 प्रतिशत बढ़ी (पिछले वर्ष 39.6 प्रतिशत) (चार्ट 6)।







2018-19 के दौरान, डेबिट कार्ड में संख्या और मूल्य के हिसाब से 19.5 फीसदी और 16.3 फीसदी की वृद्धि हुई (पिछले साल 9 फीसदी और 24.9 फीसदी थी)। हालांकि, 2018-19 के दौरान क्रेडिट कार्ड में संख्या और मूल्य में क्रमशः 25.4 प्रतिशत और 31.4 प्रतिशत की उच्च वृद्धि देखी गई। (एक साल पहले 29.2 प्रतिशत और 39.7 प्रतिशत)। यद्यपि एटीएम कार्ड का डेबिट कार्ड लेनदेनों में प्रमुख हिस्सा रहा है (संख्या में 69.1 प्रतिशत और मूल्य में 84.8 प्रतिशत); लेकिन पीओएस में डेबिट कार्ड के उपयोग में वृद्धि का लगातार प्रमाण पाया गया है, मूल्य के संदर्भ में 2011-12 में 4 प्रतिशत से 2018-19 में 15 प्रतिशत। 2018-19 के दौरान, डेबिट कार्ड पीओएस उपयोग में संख्या और मूल्य के अनुसार क्रमशः 32.0 प्रतिशत और 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई (एक साल पहले 39.3 प्रतिशत और 39.5 प्रतिशत)। (चार्ट 7)

#### पेपर समाशोधन

डिजिटलीकरण के प्रभाव को दर्शाते हुए, चेक ट्रंकेशन प्रणाली (सीटीएस) की संख्या में 2.6 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि देखी गई, जबकि मूल्य में 2.3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई (एक साल पहले क्रमशः 2.4 प्रतिशत और 7.3 प्रतिशत)। (चार्ट 7)

#### मोबाइल बैंकिंग

मोबाइल बैंकिंग चैनल का उपयोग कर डिजिटल लेनदेन की संख्या में तीव्र वार्षिक वृद्धि (पिछले वर्ष के 91.7 प्रतिशत

की तुलना में 2018-19 में 227.7 प्रतिशत) देखी गई है। मूल्य के संदर्भ में 99.5 प्रतिशत की वृद्धि भी उल्लेखनीय रही है, जो 2017-18 के दौरान 12.5 प्रतिशत से काफी अधिक है। (चार्ट 8)

#### IV. निष्कर्ष

भारतीय रिज़र्व बैंक और भारत सरकार की नीतिगत पहलों के कारण, भारत में भुगतान प्रणालियों ने डिजिटलीकरण की दिशा में बहुत अधिक प्रगति की है। डिजिटल बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने को आम जनता के बीच लेन-देन के डिजिटल साधनों की स्वीकृति ने पूर्ण किया है। पीपीआई, यूपीआई, आईएमपीएस, आरटीजीएस और एनईएफटी प्रणालियों के माध्यम से लेनदेन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। भारतीय डिजिटल क्रांति की कुछ उल्लेखनीय विशेषताएं हैं :

- पेपर समाशोधन (सीटीएस) ग्राहक-अनुकूल डिजिटल एप्लिकेशन के लिए टर्फ को स्वीकार कर रहा है;
- यूपीआई ने लेन-देन की संख्या के मामले में आईएमपीएस का स्थान ले लिया है;
- पीओएस में डेबिट कार्ड के उपयोग से विकास के स्वस्थ संकेत दिखाई दे रहे हैं;
- पीओएस के बुनियादी ढांचे में तेजी से विस्तार हुआ है; तथा

- भारतीय भुगतान प्रणाली भारतीय रिज़र्व बैंक के विज़न दस्तावेज़ 2019-21 में परिकल्पित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए तत्पर है।

बैंचमार्किंग संबंधी भारत की भुगतान प्रणालियों (आरबीआई, 2019 बी) पर रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल लेनदेन, प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे, और भुगतान और निपटान कानूनों और विनियमों से संबंधित कई मापदंडों के मामले में भारत की एक अग्रणी / मजबूत स्थिति है। इसी समय, वर्तमान में प्रति व्यक्ति कम आय के कारण, भारत में डिजिटल लेनदेन के विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

### संदर्भ

आनंद , साहिल (2018)। 'यूएस फिनटेक ट्रेड्स: 2018: द ईयर डिजिटल बैंकिंग, 'आईबीएस इंटेलिजेंस, 16 अक्टूबर।

अयूर, राफेल (2019)। 'बियांड दि डूमसडे इकोनामिक्स ऑफ प्रूफ-ऑफ-वर्क इन क्रिप्टोकॉरेसी' 'बीआईएस वर्किंग पेपर्स नंबर 765।

बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (बीसीबीएस) (2018)। 'साउंड प्रैक्टिसेस: इंप्लीकेशन ऑफ फिनटेक डेवलपमेंट्स फॉर बैंक्स एंड बैंक सुपरवाइजर'।

कार्टेस , अगस्टिन (2019)। 'दि फ्यूचर ऑफ मनी एंड पेमेंट्स' नाइंथ हवाटेकर लेक्चर एट डब्लिना, 22 मार्च ।

कॉनेसा, कालोस (2019)। 'बिटकॉइन : ए सोलुशंस फॉर पेमेंट सिस्टम ऑर सोलुशंस इन सर्च ऑफ ए प्रोबलम? बैंक ऑफ स्पेन समसामयिक दस्तावेज संख्या 1901।

अन्स्ट एंड यंग (वर्ष) (2017)। फिनटेक एडॉप्शन इंडेक्स – रैपिड इमर्ज ऑफ फिनटेक।

फाइनेंशियल टाइम्स (2019)। ' ग्राइंग पेमेंट्स फर्मस में पोज सिस्टेमिक रिस्क' 21 मार्च।

वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) (2019)। फिनटेक एंड मार्केट स्ट्रक्चर इन फाइनेंशियल सर्विसेज:मार्केट डेवलपमेंट्स एंड पोर्टेबिलिटी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी इंप्लीकेशंस'।

ली, जॉर्जिना (2019)। ' चायनीज बैंकस बूस्ट फिनटेक स्पेंडिंग एंड लांच सर्विसेज टु काउंटर कंपटीशन फ्रॉम इ इंटरनेट जाइंट्स, *South China Morning Post*, 5 अप्रैल।

लिप्टन, डेविड (2019)। 'ए बैलेंसड अप्रोच टू फिनटेक रेगुलेशन एंड इनोवेशन- एट होम एंड एब्रॉड' द्वितीय आईएमएफ फिनटेक राउंडटेबल के लिए प्रारम्भिक टिप्पणी, 1 अप्रैल।

मनालो, के. (2018), पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना पायलट ट्रेड फाइनेंस ब्लॉकचैन प्लेटफॉर्म', *क्रिप्टोवेस्ट*, 5 सितंबर

मेनन, रवि (2018)। 'सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल इनोवेशन, इन्क्लूजन, इंसपिरेशन.' 12 नवंबर को सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल में प्रस्तुति दी।

मर्श, यवेस (2019)। ' लेंडिंग एंड पेमेंट सिस्टम्स इन अपहीवल:फिनटेक चैलेंज, ब्रुसेल्स में तीसरा वार्षिक सम्मेलन में फिनटेक और डिजिटल पर नवोन्मेष पर प्रस्तुत भाषण।

रामदेन, डेव (2018)। 'द बैंक ऑफ इंग्लैंड - ओपन टू फिनटेक, 22 मार्च को लंदन में एचएमटी के इंटरनेशनल फिनटेक सम्मेलन में दिया गया भाषण।

भारतीय रिज़र्व बैंक (2019a) *द रिपोर्ट ऑफ हाइ लेवल कमिटी ऑफ डीपनिंग ऑफ डिजिटल ट्रांजेक्शन लेन-देन*, अध्यक्ष: श्री नंदन नीलेकणि, 17 मई 2019।

भारतीय रिज़र्व बैंक (2019बी), *बैंचमार्किंग संबंधी भारत की भुगतान प्रणाली पर रिपोर्ट*, 4 जून 2019।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता, (यूएनएसजीएसए) (2019)। *एली लेशंस ऑन रेगुलेटरी इनोवेशंस टु इनेवल इन्क्लूजिव फिनटेक* ।

अनुबंध

भारत में भुगतान सेवाओं का चयन

भुगतान सेवा	विवरण	प्रारंभ तिथि	ऑपरेटर
इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण	एक से एक को निधि अंतरण की सुविधा। इस प्रणाली को आम जनता द्वारा उपयोग के लिए अधिक कुशल एनईएफटी प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।	1997	भारतीय रिजर्व बैंक
तत्काल सकल निपटान (आरटीजीएस)	निधि अंतरण कार्य का निपटान अलग-अलग रूप से निरंतर और वास्तविक समय के आधार पर होता है। ग्राहक लेनदेन के लिए न्यूनतम राशि रु. 2 लाख है। कोई ऊपरी सीमा नहीं। कामकाजी दिनों में ग्राहक लेनदेन के लिए सुबह 8 से शाम 6 बजे तक और अंतरबैंक लेनदेन के लिए सुबह 8 से शाम 7.45 बजे तक उपलब्ध है।	2004	भारतीय रिजर्व बैंक
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एनईएफटी)	अर्ध-वार्षिक शुद्ध निपटान के साथ एक से एक फंड ट्रांसफर। कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा नहीं। कार्य दिवसों पर सुबह 8 से शाम 7 बजे तक उपलब्ध है।	नवंबर 2005	भारतीय रिजर्व बैंक
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (एनईसीएस)	एनईसीएस (क्रेडिट) प्रायोजक बैंक को खाते के एकल डेबिट करके देश भर में गंतव्य शाखाओं के साथ लाभार्थी खातों के लिए कई क्रेडिट की सुविधा देता है।	अक्टूबर 2008	भारतीय रिजर्व बैंक
क्रेडिट और डेबिट कार्ड	पीओएस टर्मिनल ग्राहकों को क्रेडिट / डेबिट कार्ड के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए भुगतान करने में सक्षम बनाते हैं। ग्राहक सुविधा के लिए, रिजर्व बैंक ने पीओएस टर्मिनलों और एटीएम में बैंकों द्वारा जारी किए गए डेबिट कार्ड का उपयोग करके नकद निकासी की अनुमति दी है।	नवंबर 2009	भारतीय रिजर्व बैंक
पीपीआई (कार्ड और वॉलेट)	प्री-पेड इंस्ट्रुमेंट्स भुगतान लिखत हैं जो इनमें जमा राशि के लिए सामान और सेवाओं की खरीद की सुविधा प्रदान करते हैं। इन इंस्ट्रुमेंट्स में जमा राशि धारकों द्वारा नकद, बैंक खाते में डेबिट या क्रेडिट कार्ड द्वारा भुगतान किए गए मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है। प्री-पेड भुगतान इंस्ट्रुमेंट्स स्मार्ट कार्ड, मैग्नेटिक स्ट्राइप कार्ड, इंटरनेट अकाउंट, इंटरनेट वॉलेट, मोबाइल अकाउंट, मोबाइल वॉलेट, पेपर वाउचर आदि के रूप में जारी किए जा सकते हैं।	2009	पीपीआई संचालक
आईएमपीएस आइएमपीएस	मोबाइल, इंटरनेट, एटीएम, एसएमएस, शाखा और यूएसएसडी जैसे कई चैनलों के माध्यम से तत्काल धन हस्तांतरण के साथ चौबीस घंटे में पीयर-टू-पीयर निधि अंतरण की सुविधा।	नवंबर 2010	एनपीसीआई
राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह	इंटरबैंक, उच्च मूल्य, इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन जो बार-बार और आवधिक प्रकृति के हैं, की सुविधा के लिए वेब-आधारित समाधान।	2011	एनपीसीआई
चेक ट्रंकेशन प्रणाली (सीटीएस)	चेक के भौतिक आदान-प्रदान को रोकने की प्रक्रिया चेक ट्रंकेशन प्रणाली है। चेक ट्रंकेशन में संशोधित परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अनुसार, भौतिक लिखत के आदान-प्रदान को रोक दिया जाता है और इसके स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक छवियों और चेक की संबद्ध एमआईसीआर लाइन से कार्य किया जाता है।	2011	एनपीसीआई
आधार सक्षम भुगतान प्रणाली	आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके किसी भी बैंक के कारोबार संपर्कों के माइक्रो एटीएम में बेसिक बैंकिंग लेनदेन किया जा सकता है।	जनवरी 2016	एनपीसीआई
एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस	मोबाइल डिवाइस के माध्यम से तत्काल धन हस्तांतरण के साथ पीयर-टू-पीयर निधि अंतरण की सुविधा 24 * 7 और 365 दिनों में भीम एप एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में कई बैंक खातों को सपोर्ट करता है। अधिकतम सीमा ₹ 2,00,000 है।	अगस्त 2016	एनपीसीआई
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह	एनपीसीआई ने भारतीय बाजार की इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह ( एनईटीसी) प्रणाली विकसित की है। यह निपटान और विवाद प्रबंधन के लिए समाशोधन गृह सेवाओं सहित एक अंतरपरिचालनीय राष्ट्रव्यापी टोल भुगतान समाधान प्रदान करता है।	2016	एनपीसीआई
भारत बिल भुगतान प्रणाली	सभी बिलों के भुगतान के लिए एक व्यापक प्रणाली	जुलाई 2017	एनपीसीआई



# वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

अवसरिक श्रृंखलाएं



## विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	37
	<b>भारतीय रिज़र्व बैंक</b>	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	38
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	39
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय	40
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	41
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	41
	<b>मुद्रा और बैंकिंग</b>	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	42
7	मुद्रा स्टॉक (एम <sub>3</sub> ) के स्रोत	43
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	44
9	कुल चलनिधि राशियां	44
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	45
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	45
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	46
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	46
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	47
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	48
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	49
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	50
	<b>मूल्य और उत्पादन</b>	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	51
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	51
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	51
21	थोक मूल्य सूचकांक	52
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	55
	<b>सरकारी खाते और खज़ाना बिल</b>	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	55
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	56
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	56
	<b>वित्तीय बाजार</b>	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	57
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	58
28	वाणिज्यिक पत्र	58
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	58
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	59

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	<b>बाह्य क्षेत्र</b>	
31	विदेशी व्यापार	60
32	विदेशी मुद्रा भंडार	60
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	60
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	61
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	61
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	62
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	62
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	63
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	64
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	65
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹ में)	66
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	67
	<b>भुगतान और निपटान प्रणालियाँ</b>	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	68
	<b>अवसरिक श्रृंखलाएं</b>	
44	लघु बचत	69
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	70
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	71
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	72
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	73
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	74

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

- = शून्य/नगण्य

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम

आंसं = आंशिक रूप से संशोधित



## सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2018-19	2017-18		2018-19	
		ति3	ति4	ति3	ति4
		1	2	3	4
<b>1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)</b>					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.6	7.3	7.9	6.3	5.7
1.1.1 कृषि	2.9	4.6	6.5	2.8	-0.1
1.1.2 उद्योग	6.2	8.0	8.6	6.0	3.4
1.1.3 सेवाएं	7.7	8.0	8.0	7.6	8.2
1.1क अंतिम खपत व्यय	8.3	5.8	8.1	7.9	8.1
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	10.0	12.2	14.4	11.7	3.6
	<b>2018-19</b>	<b>2018</b>		<b>2019</b>	
		<b>मार्च</b>	<b>अप्रैल</b>	<b>मार्च</b>	<b>अप्रैल</b>
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	3.60	5.3	4.5	-0.1	-
<b>2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)</b>					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	10.0	6.2	7.7	10.0	9.7
2.1.2 ऋण	13.3	10.0	12.3	13.3	13.0
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	13.4	10.2	12.5	13.4	13.1
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	1.9	9.5	5.6	1.9	2.8
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	14.5	27.3	27.0	14.5	13.0
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	10.5	9.2	10.2	10.5	10.0
<b>3 अनुपात (%)</b>					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	19.25	19.50	19.50	19.25	19.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.1	5.1	4.9	5.1	4.8
3.4 ऋण-जमा अनुपात	77.7	75.5	74.8	77.7	77.1
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	99.9	117.3	**	99.9	**
3.6 निवेश-जमा अनुपात	26.9	29.0	29.5	26.9	27.7
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	5.4	43.0	*	5.4	*
<b>4 व्याज दरें (%)</b>					
4.1 नीति रिपो दर	6.25	6.00	6.00	6.25	6.00
4.2 रिवर्स रिपो दर	6.00	5.75	5.75	6.00	5.75
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.50	6.25	6.25	6.50	6.25
4.4 बैंक दर	6.50	6.25	6.25	6.50	6.25
4.5 आधार दर	8.95/9.40	8.65/9.45	8.70/9.45	8.95/9.40	8.95/9.40
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	8.05/8.55	7.80/7.95	7.80/7.95	8.05/8.55	8.05/8.50
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.25/7.50	6.25/6.75	6.25/6.75	6.25/7.50	6.25/7.50
4.8 बचत जमा दर	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	6.35	6.15	5.92	6.35	6.16
4.10 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.31	6.11	6.19	6.31	6.44
4.11 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.35	6.33	6.42	6.35	6.50
4.12 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.39	6.49	6.63	6.39	6.51
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	7.34	7.42	7.80	7.34	7.44
<b>5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ</b>					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	69.17	65.04	66.78	69.17	70.14
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	77.70	80.62	80.74	77.70	78.13
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमेरिकी डालर					
1-माह (%)	6.07	4.61	4.22	6.07	4.83
3-माह (%)	4.80	4.37	3.89	4.80	4.51
6-माह (%)	4.16	4.21	3.97	4.16	4.28
<b>6 मुद्रास्फीति (%)</b>					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2.7	4.3	4.6	2.9	2.9
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	5.4	4.4	4.0	7.7	8.3
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	4.3	2.7	3.6	3.2	3.1
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	2.7	0.9	2.6	5.1	6.5
6.3.2 ईंधन और पावर	11.6	4.7	8.0	5.4	3.8
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	3.7	3.1	3.3	2.2	1.7
<b>7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)</b>					
7.1 आयात	10.3	7.1	2.0	1.5	4.5
7.2 निर्यात	8.6	-0.5	5.4	11.8	0.6

\*\* हर और अंश नकारात्मक है

\* हर नकारात्मक है

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) ने भारतीय रिजर्व बैंक के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसारण शुरू किया है।

## भारतीय रिज़र्व बैंक

## सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां\*

(बिलियन ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार / शुक्रवार की स्थिति							
	2018-19	2018	2019					
			मई	अप्रैल 26	मई 3	मई 10	मई 17	मई 24
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>1 निर्गम विभाग</b>								
<b>1.1 देयताएं</b>								
1.1.1 संचलन में नोट	21,137.64	19,050.56	21,540.71	21,613.22	21,778.17	21,838.44	21,786.11	21,713.70
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.11	0.13	0.12	0.13	0.12	0.13	0.12	0.11
<b>1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां</b>	<b>21,137.75</b>	<b>19,050.69</b>	<b>21,540.83</b>	<b>21,613.35</b>	<b>21,778.29</b>	<b>21,838.57</b>	<b>21,786.23</b>	<b>21,713.81</b>
<b>1.2 आस्तियां</b>								
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	794.81	753.79	761.50	760.23	760.23	760.23	760.23	757.82
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	20,335.59	18,287.61	20,770.23	20,844.09	21,009.15	21,069.51	21,017.30	20,947.36
1.2.3 रुपया सिक्का	7.35	9.29	9.10	9.03	8.91	8.83	8.70	8.63
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>2 बैंकिंग विभाग</b>								
<b>2.1 देयताएं</b>								
2.1.1 जमाराशियां	8,060.12	6,106.02	7,241.85	7,011.59	6,729.10	6,856.87	6,895.74	6,808.97
2.1.1.1 केंद्र सरकार	1.01	1.00	1.00	1.00	1.00	1.01	1.00	1.01
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	—	—	—	—	—	—	—	—
2.1.1.3 राज्य सरकारें	0.43	0.43	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,657.07	4,708.54	5,229.44	5,353.57	5,059.24	5,409.59	4,981.95	5,364.15
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	41.97	37.30	41.55	40.62	38.50	38.78	38.61	39.10
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	34.94	19.44	26.19	25.34	25.00	26.07	25.49	25.84
2.1.1.7 अन्य बैंक	320.36	268.19	307.44	302.19	298.47	303.20	297.60	301.72
2.1.1.8 अन्य	1,997.34	1,071.12	1,608.02	1,288.44	1,285.17	1,077.81	1,550.67	1,076.73
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	7.00	—	27.79	—	21.30	—	—	—
2.1.2 अन्य देयताएं	10,876.86	10,170.51	11,314.65	10,968.77	11,238.01	11,252.89	11,091.70	11,436.01
<b>2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां</b>	<b>18,936.98</b>	<b>16,276.53</b>	<b>18,556.50</b>	<b>17,980.36</b>	<b>17,967.11</b>	<b>18,109.76</b>	<b>17,987.44</b>	<b>18,244.98</b>
<b>2.2 आस्तियां</b>								
2.2.1 नोट और सिक्के	0.11	0.13	0.13	0.12	0.13	0.13	0.12	0.11
2.2.2 विदेश में रखे शेष	6,466.40	8,409.65	6,855.16	6,460.21	6,647.84	6,541.39	6,520.06	6,803.28
2.2.3 ऋण और अग्रिम								
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2.3.2 राज्य सरकारें	0.10	13.11	0.66	28.18	33.06	53.91	5.26	13.22
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	1,806.88	581.79	1,054.78	807.35	593.01	698.55	642.95	449.76
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	—	—	—	—	—	—	—	0.35
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2.3.6 नाबार्ड	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2.3.7 एक्विजिमेंट बैंक	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2.3.8 अन्य	134.63	60.98	67.67	71.61	72.11	71.33	72.81	70.21
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	7.00	—	3.40	—	7.04	—	—	—
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल								
2.2.4.1 आंतरिक	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2.4.2 सरकारी खजाना बिल	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2.5 निवेश	9,230.80	6,287.22	9,295.35	9,344.53	9,344.86	9,470.63	9,470.96	9,628.90
2.2.6 अन्य आस्तियां	1,291.06	923.66	1,279.35	1,268.35	1,269.07	1,273.82	1,275.28	1,279.15
2.2.6.1 सोना	871.69	695.39	850.42	847.52	847.52	847.52	847.52	844.83

\* डाटा अनंतिम है।

## सं. 3: भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाजार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिपोर्ट दर				विक्रय	क्रय	
अप्रै. 2, 2019	57.61	640.39	10.00	150.20	9.51	-	-	-	-	-713.47
अप्रै. 3, 2019	40.92	601.45	-	619.48	10.63	-2.00	-	-	-	-1,171.38
अप्रै. 4, 2019	40.26	390.19	-	821.12	7.50	2.00	-	0.05	0.15	-1,161.45
अप्रै. 5, 2019	44.71	162.80	168.65	1,041.36	54.10	-	-	-	-	-936.70
अप्रै. 6, 2019	-	110.24	-	-	4.76	-	-	-	-	-105.48
अप्रै. 8, 2019	74.97	208.44	-	778.17	33.20	-1.86	-	-	-	-880.30
अप्रै. 9, 2019	66.16	349.02	199.50	322.44	12.00	1.91	-	-	-	-391.89
अप्रै. 10, 2019	63.81	212.29	-	387.97	37.00	-	-	-	-	-499.45
अप्रै. 11, 2019	117.80	153.26	-	549.88	48.37	-	-	0.05	0.15	-536.87
अप्रै. 12, 2019	61.28	351.91	88.10	120.20	0.05	-	-	-	-	-322.68
अप्रै. 15, 2019	49.96	98.71	-	238.34	20.00	-	-	-	-	-267.09
अप्रै. 16, 2019	84.48	88.06	64.95	184.01	16.15	-	-	-	-	-106.49
अप्रै. 17, 2019	-	8.95	-	-	2.07	-	-	-	-	-6.88
अप्रै. 18, 2019	124.50	98.13	131.70	-	3.08	-	-	-	0.10	161.25
अप्रै. 20, 2019	42.13	60.21	-	-	15.75	-	-	-	-	-2.33
अप्रै. 22, 2019	280.82	118.69	133.00	-	99.40	-	-	-	-	394.53
अप्रै. 23, 2019	244.76	101.22	483.73	-	6.20	-	-	-	-	633.47
अप्रै. 24, 2019	99.53	165.26	88.25	-	-	-	-	-	-	22.52
अप्रै. 25, 2019	239.60	365.92	-	-	0.49	-	-	-	-	-125.83
अप्रै. 26, 2019	86.06	425.35	72.50	-	9.98	-3.35	-	-	-	-260.16
अप्रै. 29, 2019	-	100.96	-	-	88.70	-	-	-	-	-12.26
अप्रै. 30, 2019	171.23	114.88	124.25	-	66.30	3.19	-	-	-	250.09

## सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय

## i) ओटीसी सेगमेंट में परिचालन

मद	2018-19	2018	2019	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	-15,377.00	-2,483.00	9,408.00	4,901.00
1.1 क्रय (+)	40,804.00	5,536.00	10,306.00	7,724.00
1.2 विक्रय (-)	56,181.00	8,019.00	898.00	2,823.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	-1,119.45	-160.00	649.65	330.92
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डालर)	-15,377.00	-2,483.00	-15,377.00	4,901.00
(बिलियन ₹)	-1,119.45	-160.00	-1,119.45	330.92
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	-13,774.00	17,393.00	-13,774.00	-18,512.00

## ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेंट में परिचालन

मद	2018-19	2018	2019	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	13,935.0	1,890.00	300.00	180.00
1.2 विक्रय (-)	13,935.0	1,890.00	300.00	180.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	0.00	-845.00	0.00	0.00

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार)  
परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	30 अप्रैल 2019 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1,720	1,944	-224
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	1,618	3,420	-1,802
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	0	5,601	-5,601
4. 1 वर्ष से अधिक	0	10,885	-10,885
<b>कुल (1+2+3+4)</b>	<b>3,338</b>	<b>21,850</b>	<b>-18,512</b>

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2018-19	2018		2019				
		मई 25	दिसंबर 21	जनवरी 18	फरवरी 15	मार्च 29	अप्रैल 26	मई 24
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	128.8	-	32.1	5.0	10.9	128.8	10.0	16.2
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	26.8	23.3	20.8	17.0	17.9	26.8	23.5	27.6
4.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
4.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	155.6	23.3	52.9	22.1	28.8	155.6	33.5	43.8

## मुद्रा और बैंकिंग

## सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2018-19	2018	2019		
		अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 12	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	20,522.3	18,248.8	20,550.7	20,856.0	20,920.4
1.1 संचलन में नोट	21,108.8	18,779.7	21,137.6	21,487.1	21,540.7
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	251.4	249.3	251.0	251.4	251.4
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	845.4	787.7	845.4	889.9	879.2
2 जनता की जमा राशियां	16,580.5	13,529.4	16,667.4	15,115.3	14,941.0
2.1 बैंकों के पास मांग जमा राशियां	16,263.1	13,309.3	16,263.1	14,836.9	14,664.4
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमा राशियां	317.4	220.1	404.3	278.4	276.6
<b>3 एम<sub>1</sub> (1+2)</b>	<b>37,102.8</b>	<b>31,778.1</b>	<b>37,218.1</b>	<b>35,971.3</b>	<b>35,861.4</b>
4 डाकघर बचत बैंक जमा राशियां	1,348.6	1,118.0	1,348.6	1,348.6	1,348.6
<b>5 एम<sub>2</sub> (3+4)</b>	<b>38,451.5</b>	<b>32,896.1</b>	<b>38,566.7</b>	<b>37,320.0</b>	<b>37,210.0</b>
6 बैंकों के पास मीयादी जमा राशियां	117,205.9	108,038.3	117,205.9	118,234.4	117,924.4
<b>7 एम<sub>3</sub> (3+6)</b>	<b>154,308.7</b>	<b>139,816.5</b>	<b>154,424.0</b>	<b>154,205.8</b>	<b>153,785.8</b>
8 कुल डाकघर जमा राशियां	3,579.5	3,056.5	3,579.5	3,579.5	3,579.5
<b>9 एम<sub>4</sub> (7+8)</b>	<b>157,888.3</b>	<b>142,872.9</b>	<b>158,003.5</b>	<b>157,785.3</b>	<b>157,365.3</b>

सं. 7: मुद्रा स्टॉक (एम<sub>3</sub>) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 / माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2018-19	2018	2019		
		अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 12	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5
<b>1 सरकार को निवल बैंक ऋण</b>	<b>43,877.9</b>	<b>41,667.6</b>	<b>44,315.8</b>	<b>45,301.1</b>	<b>45,029.7</b>
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	8,019.5	6,001.3	8,457.4	8,829.4	8,428.1
1.1.1 सरकार पर दावे	9,296.9	6,263.1	9,218.6	9,344.6	9,285.5
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	9,281.7	6,263.1	9,218.5	9,284.2	9,284.8
1.1.1.2 राज्य सरकारें	15.2	0.0	0.1	60.3	0.7
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,277.4	261.8	761.2	515.1	857.4
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,276.9	261.4	760.8	514.7	857.0
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	35,858.4	35,666.3	35,858.4	36,471.6	36,601.6
<b>2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण</b>	<b>103,801.8</b>	<b>91,032.9</b>	<b>103,801.9</b>	<b>102,505.2</b>	<b>102,268.2</b>
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	153.6	92.5	153.8	90.7	86.8
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	103,648.2	90,940.5	103,648.2	102,414.5	102,181.3
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	97,691.9	85,176.3	97,691.9	96,448.0	96,209.5
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,859.3	5,680.4	5,859.3	5,880.6	5,883.7
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	97.0	83.8	97.0	86.0	88.2
<b>3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)</b>	<b>29,778.6</b>	<b>29,641.5</b>	<b>29,759.1</b>	<b>29,938.0</b>	<b>30,503.5</b>
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	28,485.9	28,026.3	28,466.4	28,645.3	29,210.8
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	28,488.0	28,028.4	28,468.5	28,647.4	29,212.9
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.1	2.1	2.1	2.1	2.1
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,292.7	1,615.1	1,292.7	1,292.7	1,292.7
<b>4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं</b>	<b>258.9</b>	<b>256.8</b>	<b>258.4</b>	<b>258.9</b>	<b>258.9</b>
<b>5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं</b>	<b>23,408.4</b>	<b>22,782.3</b>	<b>23,711.2</b>	<b>23,797.3</b>	<b>24,274.5</b>
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	10,588.0	9,629.2	10,506.0	10,719.2	10,933.7
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,820.4	13,153.2	13,205.2	13,078.2	13,340.8
<b>एम<sub>3</sub> (1+2+3+4-5)</b>	<b>154,308.7</b>	<b>139,816.5</b>	<b>154,424.0</b>	<b>154,205.8</b>	<b>153,785.8</b>

## सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2018-19	2018	2019		
		अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 12	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5
<b>मौद्रिक समुच्चय</b>					
एन एम <sub>1</sub> (1.1 + 1.2.1+1.3)	37,102.8	31,778.1	37,218.1	35,971.3	35,861.4
एन एम <sub>2</sub> (एन एम <sub>1</sub> + 1.2.2.1)	89,108.8	79,720.9	89,224.0	88,411.4	88,136.0
एन एम <sub>3</sub> (एन एम <sub>2</sub> + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	156,452.1	141,862.3	156,567.4	156,224.3	155,721.7
<b>1 घटक</b>					
1.1 जनता के पास मुद्रा	20,522.3	18,248.8	20,550.7	20,856.0	20,920.4
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	131,831.8	119,848.7	131,831.8	131,370.4	130,830.1
1.2.1 मांग जमाराशियां	16,263.1	13,309.3	16,263.1	14,836.9	14,664.4
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	115,568.7	106,539.4	115,568.7	116,533.5	116,165.7
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	52,005.9	47,942.7	52,005.9	52,440.1	52,274.6
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	2,849.9	2,160.4	2,849.9	2,772.1	2,786.0
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	63,562.8	58,596.7	63,562.8	64,093.4	63,891.1
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	317.4	220.1	404.3	278.4	276.6
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधायन	3,780.5	3,544.8	3,780.5	3,719.5	3,694.6
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 देशी ऋण	156,561.0	141,102.0	156,999.0	156,849.3	156,523.1
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	43,877.9	41,667.6	44,315.8	45,301.1	45,029.7
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	8,019.5	6,001.3	8,457.4	8,829.4	8,428.1
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	35,858.4	35,666.3	35,858.4	36,471.6	36,601.6
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	112,683.1	99,434.4	112,683.2	111,548.2	111,493.4
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	153.6	92.5	153.8	90.7	86.8
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	112,529.4	99,341.9	112,529.4	111,457.6	111,406.6
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	8,798.5	8,314.5	8,798.5	8,940.6	9,135.9
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	258.9	256.8	258.4	258.9	258.9
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	28,017.3	26,837.2	27,997.7	28,011.2	28,570.7
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	28,485.9	28,026.3	28,466.4	28,645.3	29,210.8
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	-468.6	-1,189.1	-468.6	-634.1	-640.1
2.4 पूंजी खाता	23,467.4	21,697.9	23,538.1	23,654.5	23,993.6
2.5 अन्य मदें (निवल)	4,917.6	4,635.7	5,149.7	5,240.6	5,637.3

## सं. 9: कुल चलनिधि राशियां

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2018-19	2018	2019		
		अप्रैल	फरवरी	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5
<b>1 एन एम<sub>3</sub></b>	<b>156,452.1</b>	<b>141,862.3</b>	<b>151,455.6</b>	<b>156,452.1</b>	<b>155,721.7</b>
2 डाकघर जमाराशियां	3,579.5	3,056.5	3,579.5	3,579.5	3,579.5
<b>3 एल<sub>1</sub> (1 + 2)</b>	<b>160,031.6</b>	<b>144,918.8</b>	<b>155,035.1</b>	<b>160,031.6</b>	<b>159,301.2</b>
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
<b>5 एल<sub>2</sub> (3 + 4)</b>	<b>160,060.9</b>	<b>144,948.1</b>	<b>155,064.4</b>	<b>160,060.9</b>	<b>159,330.5</b>
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	319.1	..	..	319.1	..
<b>7 एल<sub>3</sub> (5 + 6)</b>	<b>160,380.0</b>	<b>..</b>	<b>..</b>	<b>160,380.0</b>	<b>..</b>



## सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2018-19	2018	2019		
		अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 12	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5
<b>1 घटक</b>					
1.1 संचलन में मुद्रा	21,367.7	19,036.5	21,396.1	21,746.0	21,799.6
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमा राशियां	6,019.7	5,244.8	6,054.3	5,407.2	5,604.6
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,585.0	4,900.6	5,657.1	5,047.0	5,229.4
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमा राशियां	317.4	220.1	404.3	278.4	276.6
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	27,704.8	24,501.3	27,854.7	27,431.6	27,680.8
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	9,548.0	5,847.4	9,636.0	9,246.6	9,144.8
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	8,019.5	6,001.3	8,457.4	8,829.4	8,428.1
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	8,004.7	6,001.8	8,457.8	8,769.5	8,427.9
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.1.1.1.2 खजाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	9,274.3	6,256.6	9,211.2	9,275.0	9,275.7
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	9,274.3	6,256.6	9,211.2	9,275.0	9,275.7
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	7.4	6.5	7.4	9.2	9.1
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमा राशियां	1,276.9	261.4	760.8	514.7	857.0
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	14.8	-0.4	-0.3	59.9	0.2
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	1,374.9	-246.4	1,024.8	326.5	629.9
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	1,374.9	-246.4	1,024.8	326.5	629.9
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	153.6	92.5	153.8	90.7	86.8
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	26.8	23.5	26.8	26.8	23.5
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	258.9	256.8	258.4	258.9	258.9
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	28,485.9	28,026.3	28,466.4	28,645.3	29,210.8
2.3.1 सोना	1,595.9	1,399.2	1,666.5	1,611.9	1,611.9
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,890.2	26,627.3	26,800.0	27,033.5	27,599.1
2.4 पूंजी खाता	9,702.7	9,155.6	9,773.3	9,815.4	10,017.7
2.5 अन्य मदें (निवल)	885.3	473.6	732.7	903.8	916.0

## सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	2018-19	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया					
		2018	2019				
		अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 5	अप्रैल 12	अप्रैल 19	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	27,704.8	24,501.3	27,854.7	27,204.7	27,431.6	27,932.5	27,680.8
<b>1 घटक</b>							
1.1 संचलन में मुद्रा	21,367.7	19,036.5	21,396.1	21,482.3	21,746.0	21,880.6	21,799.6
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमा राशियां	6,019.7	5,244.8	6,054.3	5,437.2	5,407.2	5,770.1	5,604.6
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमा राशियां	317.4	220.1	404.3	285.2	278.4	281.7	276.6
<b>2 स्रोत</b>							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	8,019.5	6,001.3	8,457.4	8,702.6	8,829.4	8,684.3	8,428.1
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	1,374.9	-246.4	1,024.8	164.0	326.5	969.6	629.9
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	153.6	92.5	153.8	144.5	90.7	90.7	86.8
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	28,485.9	28,026.3	28,466.4	28,544.8	28,645.3	28,645.3	29,210.8
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	258.9	256.8	258.4	258.9	258.9	258.9	258.9
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	10,588.0	9,629.2	10,506.0	10,610.0	10,719.2	10,716.2	10,933.7

## सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार / माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2018-19	2018	2019		
			अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 12
	1	2	3	4	5
<b>1 घटक</b>					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	124,088.4	112,315.3	124,088.4	123,600.7	123,080.0
1.1.1 मांग जमाराशियां	15,110.8	12,175.8	15,110.8	13,682.3	13,517.2
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	108,977.5	100,139.5	108,977.5	109,918.5	109,562.8
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	49,039.9	45,062.8	49,039.9	49,463.3	49,303.3
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	2,849.9	2,160.4	2,849.9	2,772.1	2,786.0
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	59,937.6	55,076.7	59,937.6	60,455.2	60,259.5
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधायन	3,780.5	3,544.8	3,780.5	3,719.5	3,694.6
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 देशी ऋण	140,289.7	127,098.8	140,289.7	139,816.4	139,902.8
2.1.1 सरकार को ऋण	33,783.0	33,596.0	33,783.0	34,402.0	34,543.3
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	106,506.7	93,502.8	106,506.7	105,414.5	105,359.5
2.1.2.1 बैंक ऋण	97,691.9	85,176.3	97,691.9	96,448.0	96,209.5
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	97,275.8	84,655.9	97,275.8	96,088.7	95,777.9
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	85.4	89.5	85.4	105.1	91.9
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	20.5	12.1	20.5	10.4	11.8
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	8,708.9	8,224.9	8,708.9	8,851.0	9,046.3
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	-468.6	-1,189.1	-468.6	-634.1	-640.1
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	2,623.8	1,584.3	2,623.8	2,476.2	2,516.0
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,637.2	1,499.0	1,637.2	1,700.9	1,758.7
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	1,455.3	1,274.5	1,455.3	1,409.4	1,397.5
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	5,380.8	5,837.3	5,380.8	5,515.2	5,381.2
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,657.1	4,900.6	5,657.1	5,047.0	5,229.4
2.3.2 उपलब्ध नकदी	748.5	690.3	748.5	794.8	781.7
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	1,024.8	-246.4	1,024.8	326.5	629.9
2.4 पूंजी खाता	13,523.1	12,300.6	13,523.1	13,597.4	13,734.2
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	3,809.9	3,586.3	3,809.9	3,779.9	4,135.1
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	3,979.8	3,703.6	3,979.8	3,413.6	3,482.5
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	-484.5	-304.1	-484.5	-558.8	-559.1

## सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	29 मार्च, 2019 की स्थिति	2018	2019		
			अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 12
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	33,810.6	33,608.1	33,810.6	34,412.4	34,555.1
2 वाणिज्यिक पत्र	903.6	1,310.7	903.6	912.7	929.8
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	115.4	118.9	115.4	117.3	117.2
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	695.9	743.3	695.9	693.4	692.3
3.3 अन्य	63.8	41.9	63.8	62.8	63.2
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,348.2	1,280.2	1,348.2	1,318.7	1,327.4
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	2,687.8	2,190.7	2,687.8	2,648.7	2,592.0
4.3 अन्य	1,700.5	1,172.2	1,700.5	1,678.5	1,677.8
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	209.9	636.6	209.9	477.7	461.2
5.2 वित्तीय संस्थाएं	983.8	845.9	983.8	941.2	955.7

## सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) / नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2018-19	2018	2019		2018-19	2018	2019	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
1	2	3	4	5	6	7	8	
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	222	223	222	213	147	149	147	138
<b>1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं</b>	<b>2,763.5</b>	<b>2,544.0</b>	<b>2,763.5</b>	<b>2,597.6</b>	<b>2,714.3</b>	<b>2,485.0</b>	<b>2,714.3</b>	<b>2,548.1</b>
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,816.5	1,579.9	1,816.5	1,745.9	1,768.3	1,530.2	1,768.3	1,700.3
1.2 बैंकों से उधार राशि	794.9	792.4	794.9	747.7	794.6	784.7	794.6	745.6
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	152.1	171.6	152.1	104.0	151.4	170.2	151.4	102.3
<b>2 अन्य के प्रति देयताएं</b>	<b>138,359.8</b>	<b>125,508.7</b>	<b>138,359.8</b>	<b>136,819.8</b>	<b>134,956.7</b>	<b>122,337.0</b>	<b>134,956.7</b>	<b>133,413.3</b>
2.1 कुल जमाराशियां	129,015.8	116,846.1	129,015.8	128,115.8	125,737.7	113,814.2	125,737.7	124,838.7
2.1.1 मांग	15,425.5	12,460.9	15,425.5	13,817.8	15,112.9	12,175.8	15,112.9	13,517.2
2.1.2 मीयादी	113,590.3	104,385.2	113,590.3	114,298.0	110,624.8	101,638.4	110,624.8	111,321.5
2.2 उधार	3,818.6	3,593.4	3,818.6	3,731.7	3,782.5	3,544.8	3,782.5	3,694.6
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	5,525.3	5,069.1	5,525.3	4,972.3	5,436.5	4,978.0	5,436.5	4,880.0
<b>3 रिज़र्व बैंक से उधार</b>	<b>1,806.9</b>	<b>475.8</b>	<b>1,806.9</b>	<b>1,054.8</b>	<b>1,806.9</b>	<b>475.8</b>	<b>1,806.9</b>	<b>1,054.8</b>
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	—	—	—	—	—	—	—	—
3.2 अन्य	1,806.9	475.8	1,806.9	1,054.8	1,806.9	475.8	1,806.9	1,054.8
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	6,575.6	5,743.5	6,575.6	6,165.9	6,405.8	5,590.9	6,405.8	6,011.2
4.1 उपलब्ध नकदी	765.5	707.7	765.5	799.1	748.77	690.3	748.8	781.7
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,810.0	5,035.8	5,810.0	5,366.8	5,657.1	4,900.6	5,657.1	5,229.4
<b>5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां</b>	<b>3,726.7</b>	<b>3,263.9</b>	<b>3,726.7</b>	<b>3,602.8</b>	<b>3,278.1</b>	<b>2,878.7</b>	<b>3,278.1</b>	<b>3,199.1</b>
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	2,458.8	2,080.0	2,458.8	2,426.8	2,230.5	1,909.6	2,230.5	2,227.1
5.1.1 चालू खाते में	172.2	106.0	172.2	135.7	133.3	85.4	133.3	112.4
5.1.2 अन्य खातों में	2,286.6	1,974.0	2,286.6	2,291.2	2,097.2	1,824.2	2,097.2	2,114.7
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	470.5	595.3	470.5	404.8	322.5	420.0	322.5	273.2
5.3 बैंकों को अग्रिम	329.5	291.0	329.5	282.9	296.4	288.8	296.4	264.6
5.4 अन्य आस्तियां	467.9	297.5	467.9	488.2	428.8	260.3	428.8	434.2
<b>6 निवेश</b>	<b>34,756.1</b>	<b>34,543.8</b>	<b>34,756.1</b>	<b>35,483.5</b>	<b>33,810.6</b>	<b>33,608.1</b>	<b>33,810.6</b>	<b>34,555.1</b>
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	34,678.4	34,479.3	34,678.4	35,414.7	33,790.0	33,596.0	33,790.0	34,543.3
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	77.6	64.4	77.6	68.8	20.5	12.1	20.5	11.8
<b>7 बैंक ऋण</b>	<b>100,471.2</b>	<b>87,746.7</b>	<b>100,471.2</b>	<b>99,071.8</b>	<b>97,717.2</b>	<b>85,176.3</b>	<b>97,717.2</b>	<b>96,209.5</b>
7क खाद्यान्न ऋण	646.4	750.6	646.4	702.0	416.1	520.4	416.1	431.6
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	97,922.9	85,559.7	97,922.9	96,680.6	95,219.9	83,049.9	95,219.9	93,867.5
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	276.4	223.0	276.4	257.9	262.2	197.7	262.2	244.4
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,609.8	1,358.1	1,609.8	1,487.7	1,583.0	1,330.1	1,583.0	1,461.6
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	249.1	224.8	249.1	239.2	245.9	222.2	245.9	235.2
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	413.0	381.1	413.0	406.5	406.2	376.3	406.2	400.8

## सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 29, 2019	2018	2019		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			अप्रैल 27	मार्च 29		
	1	2	3	4	5	6
<b>11 सकल बैंक ऋण</b>	<b>86,749</b>	<b>76,323</b>	<b>86,749</b>	<b>85,241</b>	<b>-1.7</b>	<b>11.7</b>
<b>11.1 खाद्यान्न ऋण</b>	<b>415</b>	<b>519</b>	<b>415</b>	<b>430</b>	<b>3.8</b>	<b>-17.1</b>
<b>11.2 गैर-खाद्यान्न ऋण</b>	<b>86,334</b>	<b>75,804</b>	<b>86,334</b>	<b>84,810</b>	<b>-1.8</b>	<b>11.9</b>
<b>1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां</b>	<b>11,113</b>	<b>10,269</b>	<b>11,113</b>	<b>11,080</b>	<b>-0.3</b>	<b>7.9</b>
<b>1.2.2 उद्योग</b>	<b>28,858</b>	<b>26,511</b>	<b>28,858</b>	<b>28,352</b>	<b>-1.8</b>	<b>6.9</b>
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,755	3,629	3,755	3,666	-2.4	1.0
1.2.2.2 मझौले	1,064	1,027	1,064	1,063	-0.1	3.5
1.2.2.3 बड़े	24,039	21,854	24,039	23,623	-1.7	8.1
<b>1.2.3 सेवाएं</b>	<b>24,156</b>	<b>19,813</b>	<b>24,156</b>	<b>23,150</b>	<b>-4.2</b>	<b>16.8</b>
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,385	1,214	1,385	1,409	1.7	16.0
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	185	179	185	186	0.5	3.9
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	390	371	390	399	2.2	7.5
1.2.3.4 नौवहन	77	65	77	65	-16.3	-0.1
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,715	1,532	1,715	1,713	-0.1	11.8
1.2.3.6 व्यापार	5,282	4,605	5,282	5,074	-3.9	10.2
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	2,505	1,985	2,505	2,267	-9.5	14.2
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,776	2,621	2,776	2,807	1.1	7.1
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	2,023	1,849	2,023	2,003	-1.0	8.3
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी)	6,412	4,524	6,412	6,234	-2.8	37.8
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	6,686	5,472	6,686	6,068	-9.2	10.9
<b>1.2.4 व्यक्तिगत ऋण</b>	<b>22,207</b>	<b>19,211</b>	<b>22,207</b>	<b>22,228</b>	<b>0.1</b>	<b>15.7</b>
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	63	201	63	62	-1.6	-69.1
1.2.4.2 आवास	11,601	9,855	11,601	11,686	0.7	18.6
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	829	710	829	674	-18.7	-5.1
1.2.4.4 शेयरों और बाडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	63	54	63	57	-9.1	6.2
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	883	732	883	925	4.8	26.4
1.2.4.6 शिक्षा	680	691	680	675	-0.7	-2.2
1.2.4.7 वाहन ऋण	2,022	1,904	2,022	1,998	-1.2	4.9
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	6,068	5,065	6,068	6,150	1.4	21.4
<b>11.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र</b>	<b>27,390</b>	<b>24,928</b>	<b>27,390</b>	<b>27,299</b>	<b>-0.3</b>	<b>9.5</b>
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	11,050	10,240	11,050	11,012	-0.3	7.5
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	10,672	9,526	10,672	10,660	-0.1	11.9
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,755	3,629	3,755	3,666	-2.4	1.0
1.2अ.2.2 सेवाएं	6,917	5,897	6,917	6,994	1.1	18.6
1.2अ.3 आवास	4,327	3,667	4,327	4,321	-0.1	17.8
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	241	255	241	273	13.4	7.3
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	540	593	540	538	-0.3	-9.3
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	4	3	4	4	-1.3	30.2
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	6,626	5,781	6,626	6,770	2.2	17.1
1.2अ.8 निर्यात ऋण	156	201	156	152	-2.3	-24.4

## सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 29, 2019	2018	2019		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			अप्रैल 27	मार्च 29		
	1	2	3	4	5	6
<b>1 उद्योग</b>	<b>28,858</b>	<b>26,511</b>	<b>28,858</b>	<b>28,352</b>	<b>-1.8</b>	<b>6.9</b>
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	418	375	418	419	0.2	11.5
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	1,571	1,509	1,571	1,540	-2.0	2.0
1.2.1 चीनी	297	278	297	305	2.8	9.8
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	213	210	213	209	-1.9	-0.5
1.2.3 चाय	50	49	50	51	2.7	4.4
1.2.4 अन्य	1,010	972	1,010	974	-3.6	0.2
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	147	147	147	130	-11.1	-11.2
1.4 वस्त्र	2,035	2,051	2,035	1,993	-2.1	-2.8
1.4.1 सूती वस्त्र	977	1,031	977	955	-2.3	-7.4
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	21	23	21	21	0.9	-7.1
1.4.3 मानव - निर्मित वस्त्र	267	237	267	265	-1.1	11.6
1.4.4 अन्य वस्त्र	770	760	770	752	-2.2	-1.0
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	111	111	111	111	-0.0	-0.6
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	120	110	120	116	-2.7	6.2
1.7 कागज और कागज से बने उत्पाद	303	300	303	301	-0.6	0.6
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आणविक इंधन	631	644	631	549	-13.1	-14.7
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	1,915	1,552	1,915	1,776	-7.2	14.4
1.9.1 उर्वरक	400	265	400	328	-18.2	23.5
1.9.2 औषधि और दवाइयां	505	480	505	499	-1.2	4.0
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	467	357	467	412	-11.7	15.4
1.9.4 अन्य	542	450	542	537	-0.9	19.5
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	458	415	458	454	-0.9	9.5
1.11 कांच और कांच के सामान	99	86	99	98	-1.2	13.7
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	557	526	557	553	-0.6	5.2
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	3,716	4,109	3,716	3,553	-4.4	-13.5
1.13.1 लोहा और स्टील	2,829	3,222	2,829	2,700	-4.6	-16.2
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	887	887	887	853	-3.8	-3.8
1.14 सभी अभियांत्रिकी	1,686	1,512	1,686	1,664	-1.3	10.1
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	379	338	379	381	0.7	12.6
1.14.2 अन्य	1,308	1,174	1,308	1,283	-1.9	9.3
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	799	745	799	778	-2.6	4.4
1.16 रत्न और आभूषण	720	694	720	667	-7.4	-3.9
1.17 निर्माण	995	897	995	984	-1.0	9.7
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	10,559	8,878	10,559	10,647	0.8	19.9
1.18.1 पावर	5,690	5,188	5,690	5,698	0.2	9.8
1.18.2 दूरसंचार	1,156	864	1,156	1,297	12.2	50.2
1.18.3 सड़क	1,869	1,632	1,869	1,862	-0.4	14.0
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,845	1,195	1,845	1,790	-3.0	49.8
1.19 अन्य उद्योग	2,020	1,850	2,020	2,019	-0.0	9.1

## सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2017-18	2018		2019					
		मार्च, 30	जनवरी, 25	फरवरी, 01	फरवरी, 15	फरवरी, 22	मार्च, 01	मार्च, 15	मार्च, 29
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	31	31	32	32	31	32	32	31
<b>1 कुल जमा राशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)</b>	<b>540.9</b>	<b>540.9</b>	<b>552.7</b>	<b>573.8</b>	<b>587.8</b>	<b>610.2</b>	<b>619.0</b>	<b>614.7</b>	<b>613.7</b>
2 मांग और मीयादी देयताएं									
<b>2.1 मांग देयताएं</b>	<b>158.0</b>	<b>158.0</b>	<b>174.1</b>	<b>180.6</b>	<b>199.7</b>	<b>182.0</b>	<b>191.2</b>	<b>187.3</b>	<b>180.2</b>
2.1.1 जमा राशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	41.7	41.7	48.7	48.1	51.3	44.6	57.6	55.4	58.4
2.1.1.2 अन्य	89.9	89.9	90.2	93.9	95.4	100.8	100.3	97.9	95.9
2.1.2 बैंकों से उधार	1.2	1.2	8.7	3.7	4.4	4.6	2.5	2.5	0.0
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	25.2	25.2	26.5	34.9	48.6	31.9	30.8	31.5	25.9
<b>2.2 मीयादी देयताएं</b>	<b>797.9</b>	<b>797.9</b>	<b>883.5</b>	<b>896.4</b>	<b>926.6</b>	<b>939.5</b>	<b>963.8</b>	<b>963.9</b>	<b>979.1</b>
2.2.1 जमा राशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	336.5	336.5	408.5	408.5	426.1	423.1	438.1	437.6	454.8
2.2.1.2 अन्य	451.0	451.0	462.4	479.9	492.4	509.4	518.7	516.8	517.8
2.2.2 बैंकों से उधार	3.1	3.1	0.0	0.0	1.0	0.4	0.1	2.6	0.0
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	7.3	7.3	12.6	8.1	7.1	6.5	6.9	6.9	6.6
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.4	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	404.8	404.8	512.3	511.1	503.4	506.8	510.5	499.2	503.8
4.1 मांग	112.3	112.3	168.8	172.4	167.1	174.7	170.0	160.3	168.3
4.2 मीयादी	292.5	292.5	343.5	338.7	336.3	332.1	340.5	338.8	335.5
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	55.6	55.6	46.4	48.2	48.2	48.9	50.8	49.5	57.1
5.1 उपलब्ध नकदी	2.8	2.8	2.9	3.0	3.1	2.9	3.3	3.2	3.1
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	52.8	52.8	43.5	45.2	45.1	46.0	47.5	46.4	54.0
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	15.0	15.0	8.5	11.6	11.2	12.1	12.1	11.0	15.0
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	295.6	295.6	313.0	317.3	312.3	307.3	317.9	313.7	307.0
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	208.8	208.8	174.0	169.6	168.7	252.0	177.3	167.3	161.9
9 बैंक ऋण (10.1+11)	434.4	434.4	579.5	574.3	593.0	590.3	588.6	592.6	597.9
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	434.4	434.4	579.5	574.2	593.0	590.2	588.6	592.6	597.9
10.2 बैंकों से प्राप्त राशि	668.5	668.5	812.7	804.5	806.6	810.9	816.7	812.8	826.1
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

# मूल्य और उत्पादन

## सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2018-19			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	अप्रैल 18	मार्च 19	अप्रैल 19	अप्रैल 18	मार्च 19	अप्रैल 19	अप्रैल 18	मार्च 19	अप्रैल 19
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
<b>1 खाद्य और पेय पदार्थ</b>	<b>139.5</b>	<b>138.4</b>	<b>139.1</b>	<b>138.6</b>	<b>137.3</b>	<b>138.0</b>	<b>135.7</b>	<b>139.6</b>	<b>141.7</b>	<b>137.5</b>	<b>138.1</b>	<b>139.4</b>
1.1 अनाज और उत्पाद	137.7	137.2	137.5	137.1	136.9	137.1	135.0	139.7	140.1	136.4	137.8	138.0
1.2 मांस और मछली	149.5	147.5	148.8	144.5	154.1	156.2	144.3	151.1	153.6	144.4	153.0	155.3
1.3 अंडा	137.3	137.3	137.3	135.9	138.7	134.7	130.8	142.9	139.4	133.9	140.3	136.5
1.4 दूध और उत्पाद	142.7	141.3	142.2	142.4	142.5	142.4	140.3	141.9	141.9	141.6	142.3	142.2
1.5 तेल और चर्बी	124.0	117.6	121.6	123.5	124.1	124.0	116.6	118.4	118.4	121.0	122.0	121.9
1.6 फल	146.8	143.4	145.2	156.4	136.1	143.7	150.1	139.4	148.6	153.5	137.6	146.0
1.7 सब्जी	141.4	142.1	141.6	135.1	128.2	129.3	127.6	141.2	150.1	132.6	132.6	136.4
1.8 दाल और उत्पाद	124.1	115.3	121.1	128.4	122.3	122.8	114.0	120.7	121.7	123.5	121.8	122.4
1.9 चीनी और उत्पाद	111.9	110.8	111.5	115.2	108.3	108.4	110.6	110.4	110.4	113.7	109.0	109.1
1.10 मसाले	138.8	140.7	139.4	137.2	138.9	138.7	140.2	140.7	140.4	138.2	139.5	139.3
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	134.9	127.5	131.8	131.9	137.4	137.5	126.5	128.5	128.7	129.6	133.7	133.8
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	155.3	151.3	153.4	153.8	156.4	156.3	148.3	153.9	154.2	151.2	155.2	155.3
<b>2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ</b>	<b>159.4</b>	<b>162.9</b>	<b>160.4</b>	<b>156.1</b>	<b>162.9</b>	<b>162.9</b>	<b>159.2</b>	<b>165.3</b>	<b>165.7</b>	<b>156.9</b>	<b>163.5</b>	<b>163.6</b>
<b>3 कपड़ा और जूते</b>	<b>150.3</b>	<b>139.3</b>	<b>145.9</b>	<b>149.1</b>	<b>150.1</b>	<b>150.2</b>	<b>136.2</b>	<b>141.6</b>	<b>142.0</b>	<b>144.0</b>	<b>146.7</b>	<b>146.9</b>
3.1 कपड़ा	151.2	141.0	147.2	150.1	150.8	150.8	137.8	143.5	143.9	145.3	147.9	148.1
3.2 जूते	145.2	129.5	138.7	143.3	146.1	146.2	127.4	131.2	131.3	136.7	139.9	140.0
<b>4 आवास</b>	--	<b>145.6</b>	<b>145.6</b>	--	--	--	<b>142.9</b>	<b>149.0</b>	<b>149.7</b>	<b>142.9</b>	<b>149.0</b>	<b>149.7</b>
<b>5 ईंधन और लाइट</b>	<b>147.0</b>	<b>129.3</b>	<b>140.3</b>	<b>143.8</b>	<b>146.4</b>	<b>146.6</b>	<b>124.6</b>	<b>128.8</b>	<b>129.1</b>	<b>136.5</b>	<b>139.7</b>	<b>140.0</b>
<b>6 विविध</b>	<b>138.6</b>	<b>131.1</b>	<b>134.9</b>	<b>134.2</b>	<b>142.4</b>	<b>142.6</b>	<b>128.2</b>	<b>132.8</b>	<b>133.1</b>	<b>131.3</b>	<b>137.7</b>	<b>138.0</b>
6.1 घरेलू सामान और सेवा	145.9	134.8	140.6	140.9	150.0	149.4	131.8	136.8	136.9	136.6	143.8	143.5
6.2 स्वास्थ्य	143.5	135.5	140.5	137.6	150.4	151.0	131.3	139.2	139.5	135.2	146.2	146.6
6.3 परिवहन और संचार	128.5	120.3	124.2	125.3	129.9	130.2	118.9	119.9	120.2	121.9	124.6	124.9
6.4 मनोरंजन	140.4	130.3	134.7	136.0	143.8	144.9	127.6	133.0	133.8	131.3	137.7	138.6
6.5 शिक्षा	149.4	144.5	146.5	143.7	155.5	156.3	139.7	146.7	147.6	141.4	150.3	151.2
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	132.6	129.9	131.5	130.4	134.0	133.7	127.6	132.5	132.4	129.2	133.4	133.2
<b>सामान्य सूचकांक (सभी समूह)</b>	<b>141.3</b>	<b>137.7</b>	<b>139.6</b>	<b>139.1</b>	<b>141.2</b>	<b>141.7</b>	<b>134.8</b>	<b>139.5</b>	<b>140.5</b>	<b>137.1</b>	<b>140.4</b>	<b>141.1</b>

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2018-19	2019		
				अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	300	288	309	312
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	907	888	924	932
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	-	915	896	932	939

स्रोत : श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2018-19	2018		2019	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल	मार्च
	1	2	3	4	
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	31,193	30,986	32,036	31,659	
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	38,404	38,913	38,044	37,328	

स्रोत : मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

## सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2018-19	2018		2019	
			अप्रैल	फरवरी	मार्च (अ)	अप्रैल (अ)
	1	2	3	4	5	6
<b>1 सभी पण्य</b>	<b>100.000</b>	<b>119.8</b>	<b>117.3</b>	<b>119.5</b>	<b>120.0</b>	<b>120.9</b>
<b>1.1 प्राथमिक वस्तुएं</b>	<b>22.618</b>	<b>134.2</b>	<b>130.7</b>	<b>134.1</b>	<b>134.7</b>	<b>139.2</b>
<b>1.1.1 खाद्य वस्तुएं</b>	<b>15.256</b>	<b>143.7</b>	<b>139.8</b>	<b>143.7</b>	<b>145.1</b>	<b>150.1</b>
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	146.7	140.4	153.8	153.4	153.5
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	147.6	142.9	136.1	144.4	164.7
1.1.1.3 दूध	4.440	143.1	141.2	142.9	143.2	143.3
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	138.0	132.5	143.8	140.9	141.7
1.1.1.5 मसाले	0.529	129.6	127.2	127.7	125.5	127.4
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.4	145.7	147.7	147.7	149.6
<b>1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं</b>	<b>4.119</b>	<b>123.1</b>	<b>120.4</b>	<b>123.2</b>	<b>123.5</b>	<b>126.7</b>
1.1.2.1 फाइबर	0.839	127.0	117.8	125.0	127.6	133.7
1.1.2.2 तिलहन	1.115	140.5	138.4	146.9	145.5	147.8
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	107.3	109.8	102.0	102.2	102.8
1.1.2.4 फूल	0.204	163.7	134.0	189.3	190.4	211.6
<b>1.1.3 खनिज</b>	<b>0.833</b>	<b>136.4</b>	<b>140.2</b>	<b>144.0</b>	<b>136.7</b>	<b>144.0</b>
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	122.9	128.0	133.0	123.4	133.0
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	183.5	182.8	182.4	183.3	182.4
<b>1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस</b>	<b>2.410</b>	<b>92.3</b>	<b>87.5</b>	<b>88.2</b>	<b>87.6</b>	<b>89.7</b>
<b>1.2 ईंधन और बिजली</b>	<b>13.152</b>	<b>104.1</b>	<b>99.0</b>	<b>100.5</b>	<b>103.3</b>	<b>102.8</b>
<b>1.2.1 कोल</b>	<b>2.138</b>	<b>123.3</b>	<b>123.1</b>	<b>123.6</b>	<b>123.6</b>	<b>123.6</b>
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	132.9	132.0	133.9	133.9	133.9
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	119.0	119.0	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	120.3	122.4	120.0	121.2	121.2
<b>1.2.2 खनिज तेल</b>	<b>7.950</b>	<b>96.7</b>	<b>90.2</b>	<b>91.4</b>	<b>95.0</b>	<b>95.4</b>
<b>1.2.3 बिजली</b>	<b>3.064</b>	<b>109.9</b>	<b>104.9</b>	<b>108.2</b>	<b>110.7</b>	<b>107.3</b>
<b>1.3 विनिर्मित उत्पाद</b>	<b>64.231</b>	<b>117.9</b>	<b>116.3</b>	<b>118.2</b>	<b>118.3</b>	<b>118.3</b>
<b>1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>9.122</b>	<b>128.6</b>	<b>127.9</b>	<b>128.7</b>	<b>128.5</b>	<b>128.7</b>
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	136.7	137.4	134.3	133.9	135.4
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	132.1	126.1	132.3	130.3	132.4
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	114.3	118.7	113.1	111.2	112.2
1.3.1.4 सब्जियाँ और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	117.6	119.2	115.5	114.2	113.2
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	136.1	139.0	134.4	134.2	134.6
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	141.6	138.0	144.2	144.2	143.7
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	116.6	111.7	129.9	131.7	133.3
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	129.3	127.3	130.7	131.3	131.2
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	111.2	108.5	111.7	112.3	112.8
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	126.7	126.9	127.0	126.6	128.3
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	134.5	128.8	142.6	135.1	133.1
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	137.7	141.3	128.3	131.7	142.1
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	122.1	118.9	125.1	124.4	125.3
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	126.9	125.8	126.9	129.1	129.3
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	143.6	138.1	154.6	156.6	158.3
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	157.5	152.2	160.5	161.4	160.5
<b>1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण</b>	<b>0.909</b>	<b>120.7</b>	<b>119.2</b>	<b>121.7</b>	<b>121.9</b>	<b>122.7</b>
1.3.2.1 शराब और स्पिरिट	0.408	113.7	112.1	114.0	114.5	115.8
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	120.5	116.8	122.1	122.1	121.8
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	131.2	131.7	132.7	132.8	133.5
<b>1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद</b>	<b>0.514</b>	<b>150.4</b>	<b>148.4</b>	<b>152.5</b>	<b>153.7</b>	<b>154.6</b>
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	150.4	148.4	152.5	153.7	154.6
<b>1.3.4 वस्त्र विनिर्माण</b>	<b>4.881</b>	<b>118.0</b>	<b>114.9</b>	<b>119.2</b>	<b>118.7</b>	<b>119.4</b>
1.3.4.1 धागों की कलाई और वस्त्र तैयार करना	2.582	110.6	107.3	111.2	110.4	111.2
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	127.3	124.7	129.7	129.6	130.2
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	112.9	110.8	112.3	111.2	111.6
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	130.3	124.6	134.2	135.1	135.1
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	138.7	136.6	137.7	135.6	138.9
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	118.3	118.5	118.0	116.8	116.9
<b>1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र</b>	<b>0.814</b>	<b>138.7</b>	<b>140.5</b>	<b>137.5</b>	<b>138.0</b>	<b>138.5</b>
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	139.5	140.8	138.3	139.2	139.1
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉचिडेट वस्त्र	0.221	136.8	139.5	135.5	134.6	136.8



## सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारत	2018-19	2018		2019	
			अप्रैल	फरवरी	मार्च (अ)	अप्रैल (अ)
	1	2	3	4	5	6
<b>1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>0.535</b>	<b>121.7</b>	<b>122.6</b>	<b>119.5</b>	<b>120.2</b>	<b>120.8</b>
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगाई	0.142	110.8	114.6	103.3	103.9	108.2
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	134.9	133.9	133.0	135.4	133.6
1.3.6.3 जूते चप्पल	0.318	123.5	123.6	123.5	123.9	123.4
<b>1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और काँच के उत्पाद</b>	<b>0.772</b>	<b>133.6</b>	<b>132.0</b>	<b>136.2</b>	<b>135.7</b>	<b>133.6</b>
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	124.4	121.3	127.6	124.5	125.6
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॉमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पैनल और बोर्ड	0.493	136.3	133.7	139.6	137.4	134.7
1.3.7.3 बिल्डरों की बढईगीरी	0.036	158.7	158.3	157.0	171.2	171.6
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	124.4	128.5	124.9	129.9	126.1
<b>1.3.8 कागज और कागज के उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>1.113</b>	<b>123.3</b>	<b>120.8</b>	<b>124.1</b>	<b>124.3</b>	<b>123.7</b>
1.3.8.1 लुगदी, कागज और कागज बोर्ड	0.493	129.3	125.4	131.0	130.9	129.8
1.3.8.2 लहरदार कागज और पेपर बोर्ड और कागज के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	116.6	115.4	116.4	116.5	115.8
1.3.8.3 कागज की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	120.6	119.0	121.1	121.8	122.0
<b>1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन</b>	<b>0.676</b>	<b>146.5</b>	<b>143.8</b>	<b>146.0</b>	<b>145.8</b>	<b>147.5</b>
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	146.5	143.8	146.0	145.8	147.5
<b>1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>6.465</b>	<b>119.1</b>	<b>116.3</b>	<b>119.7</b>	<b>119.7</b>	<b>119.7</b>
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	125.0	119.8	125.8	125.4	125.5
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	121.1	118.3	123.0	122.9	122.7
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिंथेटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	117.6	115.8	114.7	115.6	116.9
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रीकेमिकल उत्पाद	0.454	120.3	118.2	123.5	124.2	122.9
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	112.7	113.8	114.5	113.7	114.7
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	116.8	114.5	119.1	119.2	119.4
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	116.6	113.7	116.0	115.9	115.6
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	104.0	101.6	103.0	102.7	100.7
<b>1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>1.993</b>	<b>123.4</b>	<b>120.2</b>	<b>126.0</b>	<b>125.7</b>	<b>124.4</b>
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	123.4	120.2	126.0	125.7	124.4
<b>1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>2.299</b>	<b>109.5</b>	<b>108.5</b>	<b>109.6</b>	<b>109.9</b>	<b>110.3</b>
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	98.9	97.7	99.6	99.5	100.5
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	91.7	91.4	91.8	92.7	92.8
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	117.6	116.4	117.3	117.6	117.9
<b>1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>3.202</b>	<b>115.9</b>	<b>115.4</b>	<b>117.5</b>	<b>116.6</b>	<b>116.8</b>
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	121.5	118.9	125.9	125.5	125.3
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	111.1	110.9	111.1	110.5	108.0
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	98.1	102.3	98.7	99.0	99.5
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	112.7	112.4	114.4	114.4	114.5
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	114.3	114.6	117.6	117.2	119.2
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	121.5	118.4	121.9	121.9	121.1
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	118.9	117.3	118.5	120.2	120.1
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	130.4	127.9	119.3	105.2	94.4
<b>1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण</b>	<b>9.646</b>	<b>112.2</b>	<b>110.4</b>	<b>111.0</b>	<b>111.0</b>	<b>110.6</b>
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	113.1	109.8	108.9	108.5	106.3
1.3.14.2 मेटेलिक आयसन	0.653	117.8	117.4	113.6	114.3	114.9
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	99.5	98.8	98.2	98.1	98.1
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	110.2	108.0	109.9	110.1	109.7
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	119.6	119.2	115.0	117.1	116.4
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	111.7	110.5	111.6	111.3	110.5
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	112.7	110.1	112.4	109.9	109.6
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	126.6	124.5	128.6	128.2	127.2
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	112.1	111.4	110.2	110.5	110.2
1.3.14.10 कार्बिड	0.925	109.8	107.2	113.3	113.8	114.8
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	126.8	117.2	141.0	139.0	140.1
<b>1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>3.155</b>	<b>115.0</b>	<b>111.5</b>	<b>116.1</b>	<b>116.2</b>	<b>117.2</b>
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	112.8	108.5	114.2	115.2	115.6
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	127.1	124.6	123.1	123.8	126.8
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलर्स को छोड़कर	0.145	105.9	108.5	104.8	104.8	104.8
1.3.15.4 धातु की फॉजिंग, दबाना, स्टेपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	96.1	88.2	103.3	102.5	103.1
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	99.7	99.3	99.9	100.1	100.0
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	123.1	120.1	125.8	125.0	125.7
<b>1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>2.009</b>	<b>111.8</b>	<b>111.4</b>	<b>111.3</b>	<b>111.3</b>	<b>111.0</b>
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	100.9	101.8	98.5	98.4	98.8
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	132.5	127.3	135.0	135.0	135.0

**सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)**

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारत	2018-19	2018	2019		
			अप्रैल	फरवरी	मार्च (अ)	अप्रैल (अ)
			1	2	3	4
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	116.8	117.1	116.6	116.6	116.3
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	103.8	103.9	102.4	102.4	101.7
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	109.2	111.4	108.9	109.0	109.0
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	137.6	137.4	136.6	136.6	136.6
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	103.6	104.3	106.6	106.6	102.5
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	108.7	109.6	107.5	107.5	108.9
<b>1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण</b>	<b>2.930</b>	<b>111.7</b>	<b>110.9</b>	<b>112.0</b>	<b>112.1</b>	<b>112.0</b>
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	107.6	107.3	108.6	108.5	109.3
1.3.17.2 बैटरी और एक्युमुलेटर	0.236	117.7	117.3	116.5	116.8	117.6
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	126.1	116.6	124.6	126.2	119.0
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	111.3	110.0	111.3	111.4	110.9
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	108.6	109.4	109.3	109.9	109.5
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	121.6	121.8	120.7	120.1	120.2
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	108.7	107.3	110.2	110.2	108.9
<b>1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण</b>	<b>4.789</b>	<b>111.3</b>	<b>110.1</b>	<b>111.9</b>	<b>112.3</b>	<b>112.1</b>
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	103.0	101.9	103.3	105.1	105.1
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	118.2	116.0	119.1	119.2	117.6
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	109.0	108.8	109.9	109.9	109.1
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	111.2	112.0	110.5	108.8	110.6
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	78.2	79.3	78.0	78.0	77.9
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने - उतारने वाले उपकरण	0.285	110.4	107.9	111.6	111.9	112.0
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	129.7	129.2	128.9	129.7	128.1
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	116.9	114.5	118.5	118.9	118.9
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	101.9	99.5	104.6	106.0	104.9
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.7	74.4	77.0	76.9	77.2
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	124.7	122.8	123.4	124.5	121.6
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	119.9	121.3	118.1	120.2	118.8
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	123.6	121.4	125.2	124.2	125.6
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	67.3	68.8	67.0	67.0	66.6
<b>1.3.19 मोटर वाहन, ट्रैलरों और अर्ध-ट्रैलरों का विनिर्माण</b>	<b>4.969</b>	<b>112.8</b>	<b>111.6</b>	<b>113.2</b>	<b>113.5</b>	<b>113.0</b>
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	113.4	112.1	113.6	113.6	113.6
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	112.3	111.2	112.8	113.3	112.4
<b>1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण</b>	<b>1.648</b>	<b>111.7</b>	<b>110.4</b>	<b>112.9</b>	<b>113.2</b>	<b>113.4</b>
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली - वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	104.7	105.2	105.2	105.8	105.8
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	106.6	105.1	107.9	108.3	108.4
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	127.8	125.4	129.7	129.7	129.9
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	123.5	121.3	124.1	124.7	124.7
<b>1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण</b>	<b>0.727</b>	<b>127.3</b>	<b>125.3</b>	<b>128.7</b>	<b>129.4</b>	<b>129.3</b>
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	127.3	125.3	128.7	129.4	129.3
<b>1.3.22 अन्य विनिर्माण</b>	<b>1.064</b>	<b>107.1</b>	<b>105.4</b>	<b>106.4</b>	<b>108.7</b>	<b>106.4</b>
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	104.0	102.4	103.2	105.6	103.3
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	174.1	182.7	177.0	177.5	170.4
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	127.4	126.5	126.2	126.4	126.4
1.3.22.4 खेल और खिलाड़ियों	0.005	132.0	130.0	132.6	133.0	135.7
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	159.2	155.6	160.9	160.9	160.9
<b>2 खाद्य सूचकांक</b>	<b>24.378</b>	<b>138.1</b>	<b>135.4</b>	<b>138.1</b>	<b>138.9</b>	<b>142.1</b>

स्रोत : आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 22: औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारत	2017-18	2018-19	अप्रैल-मार्च		मार्च	
				2017-18	2018-19	2018	2019
				1	2	3	4
सामान्य सूचकांक	100.00	125.3	129.8	125.3	129.8	140.3	140.2
<b>1 क्षेत्रवार वर्गीकरण</b>							
1.1 खनन	14.37	104.9	107.9	104.9	107.9	131.6	132.6
1.2 विनिर्माण	77.63	126.6	131.0	126.6	131.0	140.2	139.6
1.3 बिजली	7.99	149.2	156.9	149.2	156.9	156.7	160.1
<b>2 उपयोग आधारित वर्गीकरण</b>							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	121.8	126.1	121.8	126.1	136.5	139.9
2.2 पूंजीगत माल	8.22	105.6	108.6	105.6	108.6	130.5	119.2
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	125.1	124.4	125.1	124.4	137.4	133.9
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	132.0	141.9	132.0	141.9	147.9	157.4
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	123.6	130.2	123.6	130.2	136.1	129.2
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	139.9	145.2	139.9	145.2	154.5	154.9

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

## सरकारी खाते और खज़ाना बिल

## सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	2019-20			2018-19		
	बजट अनुमान	अप्रैल 2019		अंतिम खाते	संशोधित अनुमान	संशोधित अनुमानों के प्रतिशत के रूप में अंतिम खाते
		वास्तविक	बजट अनुमान का प्रतिशत			
	1	2	3	4	5	6
<b>1 राजस्व प्राप्तियां</b>	<b>19,776.9</b>	<b>949.3</b>	<b>4.8</b>	<b>15631.7</b>	<b>17,296.8</b>	<b>90.4</b>
1.1 कर राजस्व (निवल)	17,050.5	716.4	4.2	13169.5	14,844.1	88.7
1.2 करेतर राजस्व	2,726.5	232.9	8.5	2462.2	2,452.8	100.4
<b>2 पूंजीगत प्राप्तियां</b>	<b>1,025.1</b>	<b>27.0</b>	<b>2.6</b>	<b>1028.9</b>	<b>931.6</b>	<b>110.4</b>
2.1 ऋण की वसूली	125.1	3.5	2.8	178.4	131.6	135.6
2.2 अन्य प्राप्तियां	900.0	23.5	2.6	850.5	800.0	106.3
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	<b>20,802.0</b>	<b>976.3</b>	<b>4.7</b>	<b>16660.6</b>	<b>18,228.4</b>	<b>91.4</b>
<b>3 कुल प्राप्तियां (1+2)</b>	<b>24,479.1</b>	<b>2,240.9</b>	<b>9.2</b>	<b>20084.6</b>	<b>21,406.1</b>	<b>93.8</b>
<b>4 राजस्व व्यय</b>						
4.1 ब्याज भुगतान	6,650.6	195.6	2.9	5826.8	5,875.7	99.2
5 पूंजी व्यय	3,362.9	305.9	9.1	3029.6	3,166.2	95.7
<b>6 कुल व्यय (4+5)</b>	<b>27,842.0</b>	<b>2,546.8</b>	<b>9.1</b>	<b>23114.2</b>	<b>24,572.4</b>	<b>94.1</b>
<b>7 राजस्व घाटा (4-1)</b>	<b>4,702.1</b>	<b>1,291.6</b>	<b>27.5</b>	<b>4452.9</b>	<b>4,109.3</b>	<b>108.4</b>
<b>8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}</b>	<b>7,040.0</b>	<b>1,570.5</b>	<b>22.3</b>	<b>6453.7</b>	<b>6,344.0</b>	<b>101.7</b>
<b>9 सकल प्राथमिक घाटा (8-4.1)</b>	<b>389.4</b>	<b>1,374.9</b>	<b>353.1</b>	<b>626.9</b>	<b>468.3</b>	<b>133.9</b>

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और यूनिट बजट 2018-19।

**सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप**

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	2018		2019				
		अप्रैल 27	मार्च 22	मार्च 29	अप्रैल 5	अप्रैल 12	अप्रैल 19	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>1 91-दिवसीय</b>								
1.1 बैंक	680.0	524.1	200.6	185.2	197.1	222.1	231.6	228.7
1.2 प्राथमिक व्यापारी	134.3	191.2	141.5	178.8	168.3	150.3	177.0	165.7
1.3 राज्य सरकारें	335.2	521.0	316.4	270.0	211.4	107.0	157.3	291.1
1.4 अन्य	221.3	329.8	328.8	277.5	325.1	366.9	383.5	448.8
<b>2 182-दिवसीय</b>								
2.1 बैंक	313.7	334.6	336.4	319.5	336.4	378.7	370.4	406.6
2.2 प्राथमिक व्यापारी	273.2	333.2	367.9	387.4	408.1	412.1	452.0	455.2
2.3 राज्य सरकारें	158.6	218.3	280.4	280.4	229.4	203.6	203.3	209.5
2.4 अन्य	116.9	106.1	198.0	185.7	179.2	161.9	160.9	150.8
<b>3 364-दिवसीय</b>								
3.1 बैंक	330.8	333.9	511.6	488.1	469.4	494.7	497.0	526.5
3.2 प्राथमिक व्यापारी	700.4	751.8	704.2	741.7	742.4	749.8	785.2	784.9
3.3 राज्य सरकारें	127.3	127.7	189.4	188.9	196.9	197.1	197.1	201.6
3.4 अन्य	407.0	389.5	628.9	623.9	638.8	602.5	564.2	535.7
<b>4 14-दिवसीय मध्यवर्ती</b>								
4.1 बैंक	—	—	—	—	—	—	—	—
4.2 प्राथमिक व्यापारी	—	—	—	—	—	—	—	—
4.3 राज्य सरकारें	2,124.1	1,578.0	1,728.3	1,656.1	974.0	965.9	1,011.7	1,464.3
4.4 अन्य	1.7	5.2	3.3	2.5	13.2	5.0	6.2	5.2
<b>कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#</b>	<b>3,798.8</b>	<b>4,161.4</b>	<b>4,204.1</b>	<b>4,127.0</b>	<b>4,102.6</b>	<b>4,046.8</b>	<b>4,179.6</b>	<b>4,405.1</b>

# 14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

**सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी**

(बिलियन ₹)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां				स्वीकृत बोलियां				कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य						
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10			
<b>91-दिवसीय खज़ाना बिल</b>												
<b>2019-20</b>												
अप्रैल 3	90	65	360.65	18.03	28	89.97	18.03	108.00	98.47	6.2322		
अप्रैल 10	90	56	276.12	54.00	42	90.00	54.00	144.00	98.46	6.2735		
अप्रैल 16	90	51	229.22	54.00	30	90.00	54.00	144.00	98.45	6.3149		
अप्रैल 24	90	52	268.78	147.00	34	90.00	147.00	237.00	98.43	6.3977		
अप्रैल 30	90	32	156.36	26.00	21	90.00	26.00	116.00	98.42	6.4391		
<b>182-दिवसीय खज़ाना बिल</b>												
<b>2019-20</b>												
अप्रैल 3	70	61	269.61	0.00	24	70.00	0.00	70.00	96.96	6.2879		
अप्रैल 10	70	51	236.01	0.00	23	70.00	0.00	70.00	96.95	6.3092		
अप्रैल 16	70	41	141.74	0.00	32	70.00	0.00	70.00	96.90	6.4159		
अप्रैल 24	70	46	177.05	5.03	22	69.97	5.03	75.00	96.87	6.4800		
अप्रैल 30	70	46	185.72	10.00	18	70.00	10.00	80.00	96.86	6.5014		
<b>364-दिवसीय खज़ाना बिल</b>												
<b>2019-20</b>												
अप्रैल 3	40	69	183.42	8.00	15	40.00	8.00	48.00	94.08	6.3098		
अप्रैल 10	40	49	122.54	0.00	23	40.00	0.00	40.00	94.01	6.3892		
अप्रैल 16	40	46	108.72	0.00	27	40.00	0.00	40.00	93.96	6.4459		
अप्रैल 24	40	47	117.45	4.45	14	40.00	4.45	44.45	93.91	6.5027		
अप्रैल 30	40	53	134.35	—	22	40.00	—	40.00	93.90	6.5141		

## वित्तीय बाजार

## सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार		दरों का दायरा	भारित औसत दरें
		उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
		1	2
अप्रैल	2, 2019	4.80-6.50	6.19
अप्रैल	3, 2019	4.80-7.00	6.22
अप्रैल	4, 2019	4.80-6.25	6.13
अप्रैल	5, 2019	4.50-6.25	5.99
अप्रैल	8, 2019	4.40-6.25	5.98
अप्रैल	9, 2019	4.40-6.10	5.97
अप्रैल	10, 2019	4.40-6.25	5.99
अप्रैल	11, 2019	4.60-6.40	6.02
अप्रैल	12, 2019	4.40-6.15	6.05
अप्रैल	15, 2019	4.40-6.15	6.05
अप्रैल	16, 2019	4.40-6.25	6.04
अप्रैल	18, 2019	4.40-6.60	6.07
अप्रैल	20, 2019	4.20-6.10	5.87
अप्रैल	22, 2019	4.50-6.35	6.12
अप्रैल	23, 2019	4.50-6.40	6.26
अप्रैल	24, 2019	4.50-6.30	6.19
अप्रैल	25, 2019	4.50-6.30	6.14
अप्रैल	26, 2019	4.50-6.25	6.12
अप्रैल	30, 2019	4.50-6.30	6.15
मई	2, 2019	4.50-6.25	6.06
मई	3, 2019	4.50-6.25	6.02
मई	4, 2019	4.20-5.95	5.46
मई	6, 2019	4.50-6.25	5.94
मई	7, 2019	4.50-6.95	5.94
मई	8, 2019	4.50-6.05	5.96
मई	9, 2019	4.50-6.15	5.98
मई	10, 2019	4.50-6.10	5.95
मई	13, 2019	4.50-6.25	5.92
मई	14, 2019	4.50-6.15	5.91
मई	15, 2019	4.50-6.10	5.95

टिप्पणी : नोटिस मुद्रा सहित।

## सं. 27: जमा प्रमाणपत्र

मद	2018	2019			
	अप्रैल 27	मार्च 15	मार्च 29	अप्रैल 12	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	2,068.1	2,204.6	2,722.6	2,617.3	2,254.8
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	83.5	472.4	524.1	145.5	45.8
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.55-7.99	7.22-8.95	7.09-8.45	6.45-8.50	6.65-7.33

## सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2018	2019			
	अप्रैल 30	मार्च 15	मार्च 31	अप्रैल 15	अप्रैल 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	4,476.9	5,309.5	4,830.8	5,736.0	5,428.9
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	567.7	1,240.6	1,013.0	1,292.1	712.1
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.35-12.31	6.44-9.98	6.54-12.60	6.41-9.98	6.67-13.14

## सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	2018	2019				
		अप्रैल 27	मार्च 29	अप्रैल 5	अप्रैल 12	अप्रैल 19	अप्रैल 26
	1	2	3	4	5	6	7
1 मांग मुद्रा	245.5	361.3	602.5	497.2	571.2	313.9	381.3
2 नोटिस मुद्रा	36.6	3.0	51.1	15.3	15.4	145.1	6.8
3 मीयादी मुद्रा	9	13.4	4.8	10.4	6.2	10.6	9.0
4 सीबीएलओ	2,130.1	1,796.2	2,697.9	2,304.1	2,566.3	2,732.8	2,197.7
5 बाजार रिपो	1,921.8	2,230.9	1,757.4	1,349.6	1,919.9	1,951.8	1,589.3
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	3.8	1.5	87.8	158.0	112.3	66.1	45.5
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	81,771	98,933	67,007	72,751	58,393	76,959
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	808.7	711.0	654.7	1,098.7	695.9	576.0	602.2
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	45.3	55.3	84.2	68.6	47.0	49.3	61.8
10 खजाना बिल							
10.1 91-दिवसीय	35.5	31.6	35.5	42.0	34.5	47.8	38.8
10.2 182-दिवसीय	10.2	10.7	9.5	16.4	28.3	2.5	29.5
10.3 364-दिवसीय	10.3	17.5	18.1	39.7	32.8	6.1	16.5
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13	—	—	—	—	—	—
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	923.0	826.2	801.9	1,265.5	838.6	681.7	748.7
11.1 भारतीय रिजर्व बैंक	—	24.2	7.7	6.3	0.2	2.2	2.1

टिप्पणी : मुद्रा बाजार के संपार्श्विक उधार और ऋण दायित्व (सीबीएलओ) खंड को समाप्त किया गया तथा उसके स्थान पर 5 नवंबर 2018से त्रिपक्षीय रिपो लाया गया।

## सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2018-19		2018-19 (अप्रैल-अप्रैल)		2019-20 (अप्रैल-अप्रैल)*		अप्रैल 2018		अप्रैल 2019 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>1 इक्विटी शेयर</b>	<b>129</b>	<b>167.5</b>	<b>14</b>	<b>3.4</b>	<b>9</b>	<b>277.6</b>	<b>14</b>	<b>3.4</b>	<b>9</b>	<b>277.6</b>
1ए प्रीमियम	124	160.8	13	3.1	9	77.1	13	3.1	9	77.1
1.1 पब्लिक	119	146.1	12	1.9	7	27.4	12	1.9	7	27.4
1.1.1 प्रीमियम	115	141.2	11	1.6	7	27.0	11	1.6	7	27.0
1.2 राइट्स	10	21.5	2	1.5	2	250.1	2	1.5	2	250.1
1.2.1 प्रीमियम	9	19.6	2	1.5	2	50.1	2	1.5	2	50.1
<b>2 अधिमान शेयर</b>	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
2.1 पब्लिक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>3 डिबेंचर</b>	<b>25</b>	<b>366.8</b>	<b>2</b>	<b>32.1</b>	<b>5</b>	<b>21.9</b>	<b>2</b>	<b>32.1</b>	<b>5</b>	<b>21.9</b>
3.1 परिवर्तनीय	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.1.1 पब्लिक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.1.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.2 अपरिवर्तनीय	25	366.8	2	32.1	5	21.9	2	32.1	5	21.9
3.1.1 पब्लिक	25	366.8	2	32.1	5	21.9	2	32.1	5	21.9
3.1.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>4 बांड</b>	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4.1 पब्लिक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>5 कुल (1+2+3+4)</b>	<b>154</b>	<b>534.3</b>	<b>16</b>	<b>35.6</b>	<b>14</b>	<b>299.5</b>	<b>16</b>	<b>35.6</b>	<b>14</b>	<b>299.5</b>
5.1 पब्लिक	144	512.8	14	34.1	12	49.3	14	34.1	12	49.3
5.2 राइट्स	10	21.5	2	1.5	2	250.1	2	1.5	2	250.1

\* : आंकड़े अनंतिम हैं।

टिप्पणी : अप्रैल 2018 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)।

## बाह्य क्षेत्र

## सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2018-19	2018		2019			
			अप्रैल	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
			1	2	3	4	5	6
1 निर्यात	बिलियन ₹	23,039.0	1,700.5	1,966.8	1,863.3	1,902.9	2,264.6	1,810.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	329,536.2	25,908.4	27,806.3	26,342.1	26,717.6	32,594.5	26,073.5
1.1 तेल	बिलियन ₹	3,248.2	184.6	286.1	224.6	217.7	248.5	255.3
	अमेरिकी मिलियन डालर	46,397.4	2,813.0	4,044.6	3,175.8	3,056.3	3,576.2	3,677.9
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	19,790.8	1,515.9	1,680.7	1,638.6	1,685.2	2,016.2	1,554.9
	अमेरिकी मिलियन डालर	283,138.8	23,095.4	23,761.7	23,166.3	23,661.3	29,018.3	22,395.6
2 आयात	बिलियन ₹	35,876.8	2,600.8	2,995.1	2,907.2	2,583.5	3,018.1	2,874.3
	अमेरिकी मिलियन डालर	513,085.9	39,625.1	42,344.2	41,100.8	36,273.6	43,439.9	41,400.5
2.1 तेल	बिलियन ₹	9,860.2	683.4	762.7	796.0	670.5	816.1	789.9
	अमेरिकी मिलियन डालर	140,883.8	10,412.6	10,783.7	11,253.1	9,414.0	11,746.0	11,377.3
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	26,016.6	1,917.4	2,232.3	2,111.2	1,913.0	2,202.0	2,084.4
	अमेरिकी मिलियन डालर	372,202.1	29,212.6	31,560.6	29,847.7	26,859.6	31,693.9	30,023.2
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	-12,837.9	-900.3	-1,028.3	-1,043.9	-680.6	-753.5	-1,064.1
	अमेरिकी मिलियन डालर	-183,549.7	-13,716.8	-14,537.9	-14,758.7	-9,556.0	-10,845.4	-15,327.0
3.1 तेल	बिलियन ₹	-6,612.0	-498.8	-476.7	-571.3	-452.8	-567.6	-534.5
	अमेरिकी मिलियन डालर	-94,486.4	-7,599.6	-6,739.0	-8,077.3	-6,357.7	-8,169.8	-7,699.4
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	-6,225.9	-401.5	-551.6	-472.6	-227.8	-185.9	-529.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	-89,063.3	-6,117.2	-7,798.9	-6,681.4	-3,198.3	-2,675.5	-7,627.7

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय।

## सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2018		2019				
		मई 25	अप्रैल 19	अप्रैल 26	मई 3	मई 10	मई 17	मई 24
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	बिलियन ₹	28,135	28,744	29,334	29,015	29,369	29,322	29,241
	अमेरिकी मिलियन डालर	412,824	414,147	418,515	418,687	420,055	417,998	419,992
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	26,445	26,798	27,386	27,075	27,425	27,379	27,300
	अमेरिकी मिलियन डालर	387,597	386,034	390,421	390,870	392,228	390,197	392,189
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,449	1,612	1,612	1,608	1,608	1,608	1,608
	अमेरिकी मिलियन डालर	21,701	23,303	23,303	23,022	23,022	23,022	23,022
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1,057	1,049	1,049	1,049	1,049	1,047	1,047
	बिलियन ₹	102	101	102	101	102	101	101
	अमेरिकी मिलियन डालर	1,499	1,456	1,450	1,451	1,454	1,445	1,445
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	138	233	234	232	234	234	232
	अमेरिकी मिलियन डालर	2,028	3,355	3,341	3,345	3,352	3,335	3,337

## सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(अमेरिकी मिलियन डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2018-19	2018	2019		2018-19	2019-20
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल	अप्रैल	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	130,423	124,576	130,423	130,909	1,121	1,980
1.1 एफसीएनआर (बी)	23,170	21,998	23,170	24,577	-28	1,407
1.2 एनआर (ई) आरए	92,017	88,715	92,017	91,282	1,038	548
1.3 एनआरओ	15,236	13,863	15,236	15,050	111	25



## सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	2018-19	2018-19	2019-20	2018	2019	
		अप्रैल	अप्रैल	अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6
<b>1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)</b>	<b>33,294</b>	<b>4,292</b>	<b>4,381</b>	<b>4,292</b>	<b>2,444</b>	<b>4,381</b>
<b>1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.1.2)</b>	<b>45,287</b>	<b>5,491</b>	<b>5,205</b>	<b>5,491</b>	<b>4,399</b>	<b>5,205</b>
<b>1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश</b>	<b>63,979</b>	<b>6,769</b>	<b>6,954</b>	<b>6,769</b>	<b>7,142</b>	<b>6,954</b>
1.1.1.1.1 ईक्विटी	45,059	5,403	5,307	5,403	3,661	5,307
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	2,429	413	63	413	277	63
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	36,315	4,685	4,584	4,685	2,528	4,584
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	5,622	251	604	251	796	604
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	693	55	55	55	60	55
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	13,570	1,093	1,093	1,093	1,131	1,093
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	5,350	273	555	273	2,350	555
<b>1.1.1.2 प्रत्यावर्तन/विनिवेश</b>	<b>18,692</b>	<b>1,278</b>	<b>1,749</b>	<b>1,278</b>	<b>2,743</b>	<b>1,749</b>
1.1.1.2.1 ईक्विटी	18,444	1,274	1,743	1,274	2,713	1,743
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	248	4	6	4	30	6
<b>1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)</b>	<b>11,993</b>	<b>1,199</b>	<b>824</b>	<b>1,199</b>	<b>1,954</b>	<b>824</b>
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	6,921	849	304	849	941	304
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,972	251	251	251	238	251
1.1.2.3 अन्य पूंजी	5,021	191	381	191	1,629	381
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन/विनिवेश	2,921	92	112	92	853	112
<b>1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)</b>	<b>-1,981</b>	<b>-2,890</b>	<b>-1,643</b>	<b>-2,890</b>	<b>8,650</b>	<b>-1,643</b>
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	1,820	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	-3,587	-3,210	-25	-3,210	9,574	-25
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	214	-320	1,618	-320	923	1,618
<b>1 विदेशी निवेश अंतर्वाह</b>	<b>31,313</b>	<b>1,401</b>	<b>2,738</b>	<b>1,401</b>	<b>11,095</b>	<b>2,738</b>

## सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	2018-19	2018	2019		
		अप्रैल	फरवरी	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5
<b>1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण</b>	<b>13,787.6</b>	<b>929.3</b>	<b>1,046.5</b>	<b>1,476.8</b>	<b>1,287.9</b>
1.1 जमाराशियां	455.9	49.9	33.2	100.6	65.2
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	84.5	7.6	4.6	10.5	8.5
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	422.9	34.1	24.5	74.4	35.4
1.4 उपहार	1,370.2	142.8	103.6	161.0	166.6
1.5 दान	8.7	0.9	0.6	0.3	0.5
1.6 यात्रा	4,803.8	274.8	366.4	429.2	429.8
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,800.9	281.5	199.8	322.9	296.1
1.8 चिकित्सा उपचार	28.6	3.2	1.6	2.5	2.5
1.9 विदेश में शिक्षा	3,569.9	115.7	296.7	333.8	252.8
1.10 अन्य	242.2	18.8	15.4	41.6	30.5

**सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और  
सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)**

मद	2017-18	2018-19	2018	2019	
			मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
<b>36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)</b>					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	76.94	72.64	73.57	73.75	74.11
1.2 रीर	119.71	114.02	115.15	115.50	116.06
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	78.89	74.18	75.36	75.35	75.57
2.2 रीर	121.94	116.32	117.69	117.88	118.21
<b>6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक</b>					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	67.91	63.07	63.84	64.07	64.23
1.2 रीर	129.19	121.70	123.06	123.57	124.17
2 आधार : 2017-18 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	92.88	94.01	94.35	94.58
2.2 रीर	100.00	94.20	95.26	95.65	96.11

**सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार — पंजीकरण**

(राशि अमेरिकी मिलियन डालर में)

मद	2017-18	2018	2019	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	769	71	130	108
1.2 राशि	20,397	2,254	4,894	2,658
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	38	3	7	1
2.2 राशि	8,471	1,663	7,831	500
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	807	74	137	109
3.2 राशि	28,868	3,917	12,725	3,158
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.10	5.60	5.10	4.70
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारत औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	1.02	1.29	1.31
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-12.25	0.00-11.30	0.00-11.65	0.00-11.50

## सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	अक्टूबर-दिसंबर 2017 (आ.सं)			अक्टूबर-दिसंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>समग्र भुगतान शेष (1+2+3)</b>	<b>320,203</b>	<b>310,768</b>	<b>9,434</b>	<b>286,966</b>	<b>291,262</b>	<b>-4,296</b>
<b>1 चालू खाता (1.1+1.2)</b>	<b>150,254</b>	<b>163,970</b>	<b>-13,716</b>	<b>164,437</b>	<b>181,351</b>	<b>-16,914</b>
<b>1.1 पण्य</b>	<b>77,541</b>	<b>121,564</b>	<b>-44,022</b>	<b>83,082</b>	<b>132,573</b>	<b>-49,491</b>
<b>1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)</b>	<b>72,712</b>	<b>42,406</b>	<b>30,306</b>	<b>81,355</b>	<b>48,778</b>	<b>32,577</b>
1.2.1 सेवाएं	50,179	29,467	20,712	55,250	33,951	21,299
1.2.1.1 यात्रा	7,441	4,606	2,836	7,372	4,863	2,510
1.2.1.2 परिवहन	4,388	4,419	-31	4,807	5,231	-424
1.2.1.3 बीमा	611	435	176	689	419	271
1.2.1.4 जीएनआईई	203	193	11	144	289	-145
1.2.1.5 विविध	37,536	19,815	17,721	42,237	23,149	19,088
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	19,532	1,333	18,199	21,103	1,254	19,849
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	9,859	9,360	499	9,978	10,131	-152
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	983	1,574	-591	1,324	992	332
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	414	239	175	673	284	390
1.2.2 अंतरण	17,685	1,623	16,062	18,795	1,552	17,243
1.2.2.1 आधिकारिक	96	202	-105	102	237	-134
1.2.2.2 निजी	17,589	1,422	16,167	18,693	1,316	17,377
1.2.3 आय	4,848	11,316	-6,468	7,310	13,274	-5,964
1.2.3.1 निवेश आय	3,693	10,745	-7,052	5,946	12,683	-6,736
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षति पूर्ति	1,155	572	584	1,363	591	772
<b>2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)</b>	<b>169,329</b>	<b>146,799</b>	<b>22,530</b>	<b>122,529</b>	<b>108,922</b>	<b>13,608</b>
<b>2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)</b>	<b>93,973</b>	<b>84,329</b>	<b>9,645</b>	<b>73,262</b>	<b>67,850</b>	<b>5,412</b>
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	15,270	10,947	4,323	16,155	8,633	7,523
2.1.1.1 भारत में	14,301	8,315	5,985	15,530	5,139	10,391
2.1.1.1.1 इक्विटी	10,755	8,287	2,468	11,005	5,101	5,904
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,182	-	3,182	3,504	-	3,504
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	364	29	335	1,022	38	984
2.1.1.2 विदेश में	969	2,631	-1,662	625	3,494	-2,869
2.1.1.2.1 इक्विटी	969	1,190	-221	625	1,719	-1,094
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	713	-713	-	753	-753
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	728	-728	0	1,021	-1,021
2.1.2 संविभाग निवेश	78,703	73,382	5,322	57,107	59,218	-2,111
2.1.2.1 भारत में	78,576	73,145	5,430	56,733	58,921	-2,188
2.1.2.1.1 एफआईआई	78,576	73,145	5,430	56,733	58,921	-2,188
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	63,467	61,246	2,221	45,530	47,949	-2,419
2.1.2.1.1.2 ऋण	15,109	11,900	3,209	11,203	10,972	231
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	127	236	-109	374	297	77
<b>2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)</b>	<b>38,158</b>	<b>32,247</b>	<b>5,911</b>	<b>20,355</b>	<b>17,463</b>	<b>2,892</b>
2.2.1 बाह्य सहायता	1,947	1,201	746	2,960	1,278	1,682
2.2.1.1 भारत द्वारा	14	31	-17	11	29	-18
2.2.1.2 भारत को	1,934	1,170	764	2,949	1,249	1,700
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	10,761	10,378	383	10,331	8,375	1,955
2.2.2.1 भारत द्वारा	2,755	2,623	132	3,337	3,346	-9
2.2.2.2 भारत को	8,006	7,755	251	6,993	5,029	1,964
2.2.3 भारत को अल्पावधि	25,449	20,667	4,782	7,064	7,809	-745
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	24,456	20,667	3,789	4,433	7,809	-3,377
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	993	0	993	2,631	0	2,631
<b>2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)</b>	<b>25,355</b>	<b>20,775</b>	<b>4,580</b>	<b>21,193</b>	<b>16,279</b>	<b>4,913</b>
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	25,107	20,775	4,332	21,193	16,095	5,098
2.3.1.1 आस्तियां	8,245	8,721	-475	5,964	1,763	4,202
2.3.1.2 देयताएं	16,861	12,054	4,807	15,228	14,332	896
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	14,489	11,398	3,091	13,298	13,159	139
2.3.2 अन्य	248	0	248	0	185	-185
<b>2.4 रुपया ऋण चुकौती</b>	<b>-</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>
<b>2.5 अन्य पूंजी</b>	<b>11,843</b>	<b>9,449</b>	<b>2,394</b>	<b>7,720</b>	<b>7,329</b>	<b>391</b>
<b>3 भूल-चूक</b>	<b>621</b>	<b>-</b>	<b>621</b>	<b>-</b>	<b>989</b>	<b>-989</b>
<b>4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)</b>	<b>0</b>	<b>9,434</b>	<b>-9,434</b>	<b>4,296</b>	<b>0</b>	<b>4,296</b>
4.1 आईएमएफ	0	0	0	-	-	-
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	9,434	-9,434	4,296	0	4,296

## सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(विलियन ₹)

मद	अक्टूबर-दिसंबर 2017 (आं.सं)			अक्टूबर-दिसंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>समग्र भुगतान शेष (1+2+3)</b>	<b>20,726</b>	<b>20,116</b>	<b>611</b>	<b>20,682</b>	<b>20,992</b>	<b>-310</b>
<b>1 चालू खाता (1.1+1.2)</b>	<b>9,726</b>	<b>10,614</b>	<b>-888</b>	<b>11,851</b>	<b>13,070</b>	<b>-1,219</b>
<b>1.1 पण्य</b>	<b>5,019</b>	<b>7,869</b>	<b>-2,850</b>	<b>5,988</b>	<b>9,555</b>	<b>-3,567</b>
<b>1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)</b>	<b>4,707</b>	<b>2,745</b>	<b>1,962</b>	<b>5,863</b>	<b>3,516</b>	<b>2,348</b>
1.2.1 सेवाएं	3,248	1,907	1,341	3,982	2,447	1,535
1.2.1.1 यात्रा	482	298	184	531	350	181
1.2.1.2 परिवहन	284	286	-2	346	377	-31
1.2.1.3 बीमा	40	28	11	50	30	20
1.2.1.4 जीएनआईई	13	12	1	10	21	-10
1.2.1.5 विविध	2,430	1,283	1,147	3,044	1,668	1,376
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,264	86	1,178	1,521	90	1,431
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	638	606	32	719	730	-11
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	64	102	-38	95	71	24
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	27	15	11	49	20	28
1.2.2 अंतरण	1,145	105	1,040	1,355	112	1,243
1.2.2.1 आधिकारिक	6	13	-7	7	17	-10
1.2.2.2 निजी	1,138	92	1,046	1,347	95	1,252
1.2.3 आय	314	732	-419	527	957	-430
1.2.3.1 निवेश आय	239	695	-456	429	914	-485
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	75	37	38	98	43	56
<b>2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)</b>	<b>10,960</b>	<b>9,502</b>	<b>1,458</b>	<b>8,831</b>	<b>7,850</b>	<b>981</b>
<b>2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)</b>	<b>6,083</b>	<b>5,458</b>	<b>624</b>	<b>5,280</b>	<b>4,890</b>	<b>390</b>
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	988	709	280	1,164	622	542
2.1.1.1 भारत में	926	538	387	1,119	370	749
2.1.1.1.1 इक्विटी	696	536	160	793	368	425
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	206	0	206	253	0	253
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	24	2	22	74	3	71
2.1.1.2 विदेश में	63	170	-108	45	252	-207
2.1.1.2.1 इक्विटी	63	77	-14	45	124	-79
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	46	-46	0	54	-54
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	47	-47	0	74	-74
2.1.2 संविभाग निवेश	5,094	4,750	344	4,116	4,268	-152
2.1.2.1 भारत में	5,086	4,735	351	4,089	4,247	-158
2.1.2.1.1 एफआईआई	5,086	4,735	351	4,089	4,247	-158
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	4,108	3,964	144	3,281	3,456	-174
2.1.2.1.1.2 ऋण	978	770	208	807	791	17
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	8	15	-7	27	21	6
<b>2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)</b>	<b>2,470</b>	<b>2,087</b>	<b>383</b>	<b>1,467</b>	<b>1,259</b>	<b>208</b>
2.2.1 बाह्य सहायता	126	78	48	213	92	121
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	2	-1	1	2	-1
2.2.1.2 भारत को	125	76	49	213	90	122
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	697	672	25	745	604	141
2.2.2.1 भारत द्वारा	178	170	9	241	241	-1
2.2.2.2 भारत को	518	502	16	504	362	142
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,647	1,338	310	509	563	-54
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,583	1,338	245	319	563	-243
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	64	0	64	190	0	190
<b>2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)</b>	<b>1,641</b>	<b>1,345</b>	<b>296</b>	<b>1,527</b>	<b>1,173</b>	<b>354</b>
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	1,625	1,345	280	1,527	1,160	367
2.3.1.1 आस्तियां	534	564	-31	430	127	303
2.3.1.2 देयताएं	1,091	780	311	1,098	1,033	65
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	938	738	200	958	948	10
2.3.2 अन्य	16	0	16	0	13	-13
<b>2.4 रुपया ऋण चुकोती</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>0</b>
<b>2.5 अन्य पूंजी</b>	<b>767</b>	<b>612</b>	<b>155</b>	<b>556</b>	<b>528</b>	<b>28</b>
<b>3 भूल-चूक</b>	<b>40</b>	<b>0</b>	<b>40</b>	<b>0</b>	<b>71</b>	<b>-71</b>
<b>4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)</b>	<b>0</b>	<b>611</b>	<b>-611</b>	<b>310</b>	<b>0</b>	<b>310</b>
4.1 आईएमएफ	-	-	-	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	0	611	-611	310	0	310

## सं. 40: बीपीएम6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	अक्टूबर-दिसंबर 2017 (आं.सं)			अक्टूबर-दिसंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)</b>	<b>150,247</b>	<b>163,950</b>	<b>-13,704</b>	<b>164,430</b>	<b>181,330</b>	<b>-16,900</b>
<b>1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)</b>	<b>127,720</b>	<b>151,030</b>	<b>-23,310</b>	<b>138,332</b>	<b>166,524</b>	<b>-28,193</b>
<b>1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)</b>	<b>77,541</b>	<b>121,564</b>	<b>-44,022</b>	<b>83,082</b>	<b>132,573</b>	<b>-49,491</b>
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	77,848	111,951	-34,103	82,438	125,486	-43,048
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	-307	0	-307	643	-	643
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	-	9,612	-9,612	-	7,087	-7,087
<b>1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)</b>	<b>50,179</b>	<b>29,467</b>	<b>20,712</b>	<b>55,250</b>	<b>33,951</b>	<b>21,299</b>
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	34	13	21	99	13	87
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	43	129	-87	64	376	-313
1.अ.ख.3 परिवहन	4,388	4,419	-31	4,807	5,231	-424
1.अ.ख.4 यात्रा	7,441	4,606	2,836	7,372	4,863	2,510
1.अ.ख.5 निर्माण	529	327	201	865	618	247
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	611	435	176	689	419	271
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	983	1,574	-591	1,324	992	332
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	215	1,929	-1,714	182	2,173	-1,990
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	20,071	1,662	18,409	21,862	1,629	20,233
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	9,859	9,360	499	9,978	10,131	-152
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	366	501	-135	459	583	-124
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	203	193	11	144	289	-145
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	5,437	4,320	1,117	7,403	6,635	768
<b>1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)</b>	<b>4,848</b>	<b>11,316</b>	<b>-6,468</b>	<b>7,310</b>	<b>13,274</b>	<b>-5,964</b>
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1,155	572	584	1,363	591	772
1.आ.2 निवेश आय	3,068	10,626	-7,558	5,089	12,516	-7,427
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,508	4,743	-3,235	1,663	6,548	-4,885
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	19	2,618	-2,599	35	2,311	-2,277
1.आ.2.3 अन्य निवेश	332	3,257	-2,925	204	3,642	-3,438
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	1,209	8	1,201	3,187	14	3,174
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	625	119	506	857	167	690
<b>1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)</b>	<b>17,678</b>	<b>1,604</b>	<b>16,074</b>	<b>18,789</b>	<b>1,532</b>	<b>17,257</b>
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	17,589	1,422	16,167	18,693	1,316	17,377
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	17,011	1,083	15,928	18,019	987	17,032
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	578	339	239	674	329	345
1.इ.2 सामान्य सरकार	89	182	-93	96	216	-120
<b>2 पूँजी खाता (2.1+2.2)</b>	<b>131</b>	<b>97</b>	<b>33</b>	<b>71</b>	<b>147</b>	<b>-76</b>
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	47	19	28	5	42	-36
2.2 पूँजी अंतरण	84	78	5	66	106	-40
<b>3 वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)</b>	<b>169,205</b>	<b>156,155</b>	<b>13,050</b>	<b>126,760</b>	<b>108,795</b>	<b>17,965</b>
<b>3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)</b>	<b>15,270</b>	<b>10,947</b>	<b>4,323</b>	<b>16,155</b>	<b>8,633</b>	<b>7,523</b>
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	14,301	8,315	5,985	15,530	5,139	10,391
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	13,937	8,287	5,650	14,509	5,101	9,408
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	10,755	8,287	2,468	11,005	5,101	5,904
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,182	-	3,182	3,504	-	3,504
3.1.अ.2 ऋण लिखत	364	29	335	1,022	38	984
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	364	29	335	1,022	38	984
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	969	2,631	-1,662	625	3,494	-2,869
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	969	1,903	-934	625	2,472	-1,847
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	969	1,190	-221	625	1,719	-1,094
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	-	713	-713	-	753	-753
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	728	-728	0	1,021	-1,021
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	-	728	-728	-	1,021	-1,021
<b>3.2 संविभाग निवेश</b>	<b>78,703</b>	<b>73,382</b>	<b>5,322</b>	<b>57,107</b>	<b>59,218</b>	<b>-2,111</b>
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	78,576	73,145	5,430	56,733	58,921	-2,188
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	63,467	61,246	2,221	45,530	47,949	-2,419
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	15,109	11,900	3,209	11,203	10,972	231
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	127	236	-109	374	297	77
<b>3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन</b>	<b>5,402</b>	<b>5,905</b>	<b>-503</b>	<b>5,859</b>	<b>5,362</b>	<b>497</b>
<b>3.4 अन्य निवेश</b>	<b>69,829</b>	<b>56,487</b>	<b>13,342</b>	<b>43,343</b>	<b>35,583</b>	<b>7,760</b>
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाशियां	14,738	11,398	3,340	13,298	13,343	-46
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट, एनआरजी)	248	0	248	0	185	-185
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाशियां)	14,489	11,398	3,091	13,298	13,159	139
3.4.2.3 सामान्य सरकार	-	-	-	-	-	-
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	23,326	20,956	2,370	21,186	12,590	8,596
3.4.3अ भारत को ऋण	20,557	18,301	2,255	17,837	9,214	8,623
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	2,769	2,654	114	3,348	3,376	-27
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	21	58	-37	29	207	-179
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	25,449	20,667	4,782	7,064	7,809	-745
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	6,296	3,407	2,889	1,767	1,633	134
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	-	-	-	0	0	0
<b>3.5 आरक्षित आस्तियां</b>	<b>0</b>	<b>9,434</b>	<b>-9,434</b>	<b>4,296</b>	<b>0</b>	<b>4,296</b>
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	-	-	-	-	-	-
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	9,434	-9,434	4,296	0	4,296
<b>4. कुल आस्तियां / देयताएं</b>	<b>169,205</b>	<b>156,155</b>	<b>13,050</b>	<b>126,760</b>	<b>108,795</b>	<b>17,965</b>
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	83,924	77,636	6,288	66,925	61,388	5,537
4.2 ऋण लिखत	78,985	65,678	13,308	53,772	45,774	7,998
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	6,296	12,842	-6,546	6,063	1,633	4,430
<b>5. निवल भूल-चूक</b>	<b>621</b>	<b>-</b>	<b>621</b>	<b>-</b>	<b>989</b>	<b>-989</b>

## सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	अक्टूबर-दिसंबर 2017 (आं.सं)			अक्टूबर-दिसंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)</b>	<b>9,725</b>	<b>10,612</b>	<b>-887</b>	<b>11,851</b>	<b>13,069</b>	<b>-1,218</b>
<b>1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)</b>	<b>8,267</b>	<b>9,776</b>	<b>-1,509</b>	<b>9,970</b>	<b>12,002</b>	<b>-2,032</b>
<b>1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)</b>	<b>5,019</b>	<b>7,869</b>	<b>-2,850</b>	<b>5,988</b>	<b>9,555</b>	<b>-3,567</b>
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	5,039	7,246	-2,207	5,942	9,044	-3,103
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	-20	0	-20	46	-	46
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	622	-622	0	511	-511
<b>1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)</b>	<b>3,248</b>	<b>1,907</b>	<b>1,341</b>	<b>3,982</b>	<b>2,447</b>	<b>1,535</b>
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	2	1	1	7	1	6
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	3	8	-6	5	27	-23
1.अ.ख.3 परिवहन	284	286	-2	346	377	-31
1.अ.ख.4 यात्रा	482	298	184	531	350	181
1.अ.ख.5 निर्माण	34	21	13	62	45	18
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	40	28	11	50	30	20
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	64	102	-38	95	71	24
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	14	125	-111	13	157	-143
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,299	108	1,192	1,576	117	1,458
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	638	606	32	719	730	-11
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	24	32	-9	33	42	-9
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	13	12	1	10	21	-10
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	352	280	72	534	478	55
<b>1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)</b>	<b>314</b>	<b>732</b>	<b>-419</b>	<b>527</b>	<b>957</b>	<b>-430</b>
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	75	37	38	98	43	56
1.आ.2 निवेश आय	199	688	-489	367	902	-535
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	98	307	-209	120	472	-352
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	1	169	-168	2	167	-164
1.आ.2.3 अन्य निवेश	22	211	-189	15	263	-248
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	78	1	78	230	1	229
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	40	8	33	62	12	50
<b>1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)</b>	<b>1,144</b>	<b>104</b>	<b>1,040</b>	<b>1,354</b>	<b>110</b>	<b>1,244</b>
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,138	92	1,046	1,347	95	1,252
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,101	70	1,031	1,299	71	1,228
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	37	22	15	49	24	25
1.इ.2 सामान्य सरकार	6	12	-6	7	16	-9
<b>2. पूंजी खाता (2.1+2.2)</b>	<b>8</b>	<b>6</b>	<b>2</b>	<b>5</b>	<b>11</b>	<b>-6</b>
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	3	1	2	0	3	-3
2.2 पूंजी अंतरण	5	5	0	5	8	-3
<b>3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)</b>	<b>10,952</b>	<b>10,108</b>	<b>845</b>	<b>9,136</b>	<b>7,841</b>	<b>1,295</b>
<b>3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)</b>	<b>988</b>	<b>709</b>	<b>280</b>	<b>1,164</b>	<b>622</b>	<b>542</b>
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	926	538	387	1,119	370	749
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	902	536	366	1,046	368	678
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	696	536	160	793	368	425
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	206	0	206	253	0	253
3.1.आ.2 ऋण लिखत	24	2	22	74	3	71
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	24	2	22	74	3	71
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	63	170	-108	45	252	-207
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	63	123	-60	45	178	-133
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	63	77	-14	45	124	-79
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	46	-46	0	54	-54
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	47	-47	0	74	-74
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	47	-47	0	74	-74
<b>3.2 संविभाग निवेश</b>	<b>5,094</b>	<b>4,750</b>	<b>344</b>	<b>4,116</b>	<b>4,268</b>	<b>-152</b>
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	5,086	4,735	351	4,089	4,247	-158
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	4,108	3,964	144	3,281	3,456	-174
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	978	770	208	807	791	17
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	8	15	-7	27	21	6
<b>3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन</b>	<b>350</b>	<b>382</b>	<b>-33</b>	<b>422</b>	<b>386</b>	<b>36</b>
<b>3.4 अन्य निवेश</b>	<b>4,520</b>	<b>3,656</b>	<b>864</b>	<b>3,124</b>	<b>2,565</b>	<b>559</b>
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	954	738	216	958	962	-3
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रुपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	16	0	16	0	13	-13
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	938	738	200	958	948	10
3.4.2.3 सामान्य सरकार	-	-	-	-	-	-
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूंजी)	1,510	1,356	153	1,527	907	620
3.4.3अ भारत को ऋण	1,331	1,185	146	1,286	664	621
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	179	172	7	241	243	-2
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	1	4	-2	2	15	-13
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,647	1,338	310	509	563	-54
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	408	221	187	127	118	10
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	-	-	-	0	0	0
<b>3.5 आरक्षित आस्तियां</b>	<b>0</b>	<b>611</b>	<b>-611</b>	<b>310</b>	<b>0</b>	<b>310</b>
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	-	-	-	-	-	-
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	611	-611	310	0	310
<b>4. कुल आस्तियां / देयताएं</b>	<b>10,952</b>	<b>10,108</b>	<b>845</b>	<b>9,136</b>	<b>7,841</b>	<b>1,295</b>
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	5,432	5,025	407	4,823	4,424	399
4.2 ऋण लिखत	5,113	4,251	861	3,876	3,299	576
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	408	831	-424	437	118	319
<b>5. निवल भूल-चूक</b>	<b>40</b>	<b>-</b>	<b>40</b>	<b>-</b>	<b>71</b>	<b>-71</b>

## सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष / समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2017-18		2017		2018			
			दिसंबर		सितंबर		दिसंबर	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
1	2	3	4	5	6	7	8	
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	157,373	378,957	155,176	377,478	163,325	362,162	166,193	386,354
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	103,734	363,190	102,500	361,451	107,808	346,320	109,655	369,706
1.2 अन्य पूंजी	53,640	15,767	52,676	16,026	55,517	15,842	56,538	16,648
2 संविभाग निवेश	3,577	272,146	2,939	267,497	2,641	237,865	2,666	245,817
2.1 इक्विटी	2,054	155,106	1,975	155,675	1,804	135,249	1,386	138,091
2.2 ऋण	1,524	117,040	964	111,822	837	102,616	1,280	107,727
3 अन्य निवेश	48,235	401,046	46,281	390,267	41,530	395,402	39,394	403,366
3.1 व्यापार ऋण	1,696	103,155	1,572	98,442	904	104,333	252	103,650
3.2 ऋण	8,225	159,699	5,577	155,927	7,073	157,447	6,542	160,329
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,790	126,456	20,769	123,546	16,628	122,137	17,211	125,997
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	17,524	11,736	18,363	12,351	16,925	11,486	15,388	13,390
4 रिज़र्व	424,545	–	409,072	–	400,525	–	395,591	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	633,731	1,052,150	613,094	1,035,241	608,022	995,429	603,844	1,035,537
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		-418,419		-421,428		-387,408		-431,693

## भुगतान और निपटान प्रणाली

## सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2018-19	2019			2018-19	2019		
		फरवरी	मार्च	अप्रैल		फरवरी	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>1 आरटीजीएस</b>	<b>136.63</b>	<b>11.09</b>	<b>13.64</b>	<b>11.48</b>	<b>1,715,520.61</b>	<b>146,468.19</b>	<b>190,693.10</b>	<b>148,481.20</b>
1.1 ग्राहक लेनदेन	133.30	10.84	13.35	11.23	1,184,368.12	94,576.26	125,551.00	93,080.66
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	3.31	0.25	0.29	0.25	172,513.75	18,183.59	23,178.34	19,372.66
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.027	0.002	0.003	0.002	358,638.74	33,708.34	41,963.75	36,027.89
<b>2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली</b>	<b>3.62</b>	<b>0.27</b>	<b>0.28</b>	<b>0.25</b>	<b>1,165,510.38</b>	<b>98,962.53</b>	<b>103,147.77</b>	<b>95,078.03</b>
2.1 सीबीएलओ	0.130	—	—	—	181,404.63	—	—	—
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.11	0.10	0.09	0.09	509,315.87	59,795.85	53,731.05	48,748.73
2.2.1 एकमुश्त	0.81	0.06	0.06	0.06	93,550.07	7,912.97	7,361.13	7,915.80
2.2.2 रिपो	0.216	0.017	0.017	0.016	271,249.89	21,154.91	18,540.59	16,857.34
2.2.3 त्रिपक्षीय रिपो	0.09	0.02	0.02	0.02	144,515.90	30,727.96	27,829.33	23,975.59
2.3 विदेशी समाशोधन	2.38	0.17	0.19	0.16	474,789.88	39,166.68	49,416.73	46,329.31
<b>3 पेपर समाशोधन</b>	<b>1,123.76</b>	<b>86.99</b>	<b>99.76</b>	<b>89.79</b>	<b>82,460.65</b>	<b>6,414.49</b>	<b>7,658.15</b>	<b>7,268.12</b>
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,111.67	86.27	99.16	89.36	81,535.92	6,369.68	7,610.47	7,235.33
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	—	—	—	—	—	—	—	—
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	—	—	—	—	—	—	—	—
3.2.2 अन्य केन्द्र	—	—	—	—	—	—	—	—
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	12.09	0.72	0.60	0.44	924.73	44.81	47.68	32.79
<b>4 खुदरा इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन</b>	<b>7,113.25</b>	<b>633.61</b>	<b>727.32</b>	<b>731.85</b>	<b>258,745.44</b>	<b>22,026.20</b>	<b>28,878.55</b>	<b>23,801.05</b>
4.1 ईसीएस नामे	0.93	0.03	0.02	0.03	12.60	0.15	0.09	0.09
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	5.36	0.37	0.25	0.52	132.35	14.40	10.48	11.87
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	2,318.89	201.10	242.39	203.44	227,936.08	19,214.30	25,470.01	20,546.69
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	1,752.91	166.37	190.18	185.04	15,902.57	1,493.43	1,762.89	1,691.97
4.5 राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	3,035.17	265.73	294.47	342.82	14,761.84	1,303.92	1,635.08	1,550.43
<b>5 कार्ड</b>	<b>16,046.26</b>	<b>1,306.53</b>	<b>1,462.26</b>	<b>1,384.27</b>	<b>45,121.45</b>	<b>3,537.98</b>	<b>4,000.60</b>	<b>3,974.05</b>
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,772.36	142.13	163.27	167.79	6,078.81	488.59	580.49	580.50
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	9.77	0.79	0.86	0.86	45.33	3.70	3.98	4.02
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,762.59	141.34	162.41	166.92	6,033.48	484.89	576.51	576.48
5.2 डेबिट कार्ड	14,273.90	1,164.40	1,298.99	1,216.48	39,042.64	3,049.40	3,420.10	3,393.55
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	9,859.61	817.92	891.42	808.91	33,107.89	2,594.31	2,889.99	2,843.96
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	4,414.28	346.48	407.57	407.57	5,934.75	455.09	530.11	549.58
<b>6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)</b>	<b>4,604.34</b>	<b>384.85</b>	<b>427.24</b>	<b>419.22</b>	<b>2,128.76</b>	<b>164.97</b>	<b>185.99</b>	<b>181.27</b>
6.1 एम-वॉलेट	4,139.28	345.03	384.89	378.87	1,836.55	142.79	159.90	155.48
6.2 पीपीआई कार्ड	465.00	39.82	42.35	40.35	291.34	22.18	26.09	25.79
6.3 पेपर वाउचर	0.05	0.00	0.00	0.00	0.87	—	—	—
<b>7 मोबाइल बैंकिंग</b>	<b>6,200.32</b>	<b>739.41</b>	<b>872.93</b>	<b>833.01</b>	<b>29,584.07</b>	<b>3,047.25</b>	<b>4,401.53</b>	<b>3,966.03</b>
<b>8 कार्ड बकाया</b>	<b>971.72</b>	<b>990.61</b>	<b>971.72</b>	<b>932.77</b>	—	—	—	—
8.1 क्रेडिट कार्ड	47.09	46.06	47.09	48.00	—	—	—	—
8.2 डेबिट कार्ड	924.63	944.55	924.63	884.78	—	—	—	—
<b>9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)</b>	<b>221703</b>	<b>221786</b>	<b>221703</b>	<b>221764</b>	—	—	—	—
<b>10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)</b>	<b>3722229</b>	<b>3636851</b>	<b>3722229</b>	<b>3757621</b>	—	—	—	—
<b>11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)</b>	<b>29,027.83</b>	<b>2,423.34</b>	<b>2,730.50</b>	<b>2,636.85</b>	<b>2,910,848.56</b>	<b>243,866.03</b>	<b>292,600.42</b>	<b>242,755.84</b>

टिप्पणी: पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

2.1: 5 नवंबर 2018 से सीसीआईएल ने सीबीएलओ को समाप्त कर दिया है।

2.2.3: 5 नवंबर 2018 से सिक्क्युरिटीज सेगमेंट के अंतर्गत त्रिपक्षीय रिपो की शुरुआत की गई है।



## अवसरिक श्रृंखलाएं

## सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2017-18	2017	2018		
			नवंबर	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर
		1	2	3	4	5
<b>1. लघु बचत</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>728.98</b>	<b>51.20</b>	<b>81.52</b>	<b>84.23</b>	<b>86.71</b>
	<b>बकाया</b>	<b>8,039.71</b>	<b>7,715.69</b>	<b>8,528.95</b>	<b>8,615.87</b>	<b>8,703.36</b>
<b>1.1 कुल जमाराशियां</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>583.32</b>	<b>46.06</b>	<b>78.82</b>	<b>65.94</b>	<b>72.62</b>
	<b>बकाया</b>	<b>5,273.10</b>	<b>5,027.72</b>	<b>5,709.97</b>	<b>5,775.91</b>	<b>5,848.53</b>
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	171.45	10.59	52.15	-2.53	16.50
	बकाया	1,092.10	1,006.04	1,258.73	1,256.20	1,272.70
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	-1.62	-0.24	-0.12	-0.22	0.38
	बकाया	31.38	31.00	29.31	29.09	29.47
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.05	-0.06	-0.02	-0.01	-0.02
	बकाया	-0.43	0.31	-0.08	-0.09	-0.11
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	16.25	-1.91	3.33	13.63	9.38
	बकाया	1,816.91	1,791.75	1,864.22	1,877.85	1,887.23
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	122.64	10.36	6.18	16.11	11.97
	बकाया	417.18	376.11	480.32	496.43	508.40
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	196.33	18.59	7.65	29.36	20.89
	बकाया	992.92	918.64	1,093.86	1,123.22	1,144.11
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	598.18	568.91	641.36	656.41	665.78
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	45.97	43.55	51.82	53.45	54.78
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	61.40	57.28	65.97	67.29	67.92
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	287.37	248.90	334.71	346.07	355.63
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	78.68	8.73	9.65	9.60	13.52
	बकाया	923.20	903.77	983.77	993.37	1,006.89
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	-0.45	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	-0.37	-0.12	-0.37	-0.37	-0.37
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	-0.01	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.21	0.22	0.21	0.21	0.21
<b>1.2 बचत प्रमाणपत्र</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>79.43</b>	<b>2.88</b>	<b>0.83</b>	<b>15.93</b>	<b>12.23</b>
	<b>बकाया</b>	<b>2,066.76</b>	<b>2,037.26</b>	<b>2,112.05</b>	<b>2,130.67</b>	<b>2,143.68</b>
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	-0.65	0.01	2.26	10.25	9.62
	बकाया	871.74	846.26	892.63	902.88	912.50
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	-9.56	0.00	0.01	0.21	0.00
	बकाया	-0.71	8.70	2.62	2.83	2.83
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-155.92	-15.57	-14.79	-16.93	-16.69
	बकाया	379.81	436.52	297.53	280.60	263.91
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	245.88	18.48	13.28	22.29	19.15
	बकाया	706.12	635.27	807.51	829.80	848.95
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	-0.29	-0.04	0.08	0.11	0.15
	बकाया	-1.40	-1.37	-1.07	-0.96	-0.81
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	-0.03	0.00	-0.01	0.00	0.00
	बकाया	-0.64	-0.63	-0.81	-0.81	-0.81
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	111.84	112.51	113.64	116.33	117.11
<b>1.3 लोक भविष्य निधि</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>66.23</b>	<b>2.26</b>	<b>1.87</b>	<b>2.36</b>	<b>1.86</b>
	<b>बकाया</b>	<b>699.85</b>	<b>650.71</b>	<b>706.93</b>	<b>709.29</b>	<b>711.15</b>

टिप्पणी : अप्रैल 2017 से प्राप्तियों पर प्राप्त डाटा निवल प्राप्तियां अर्थात् सकल भुगतानों और सकल प्राप्तियों का अंतर है।

स्रोत : महालेखाकार, डाक और तार।

## सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017	2018			
	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
<b>(क) कुल (₹ बिलियन में)</b>	<b>52813.50</b>	<b>53967.78</b>	<b>54556.81</b>	<b>56028.30</b>	<b>57581.03</b>
1. वाणिज्यिक बैंक	41.40	42.68	41.84	41.41	40.51
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.33	0.29	0.33	0.37	0.33
3. बीमाकृत कंपनियां	23.63	23.49	24.24	24.61	24.57
4. म्यूच्युअल फंड	1.33	1.00	1.13	1.41	0.64
5. सहकारी बैंक	2.69	2.57	2.59	2.51	2.38
6. वित्तीय संस्थाएं	0.82	0.90	0.93	0.97	1.01
7. कॉरपोरेट	1.09	0.91	1.09	1.01	1.05
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	4.53	4.35	3.84	3.65	3.60
9. भविष्य निधियां	5.32	5.88	5.79	5.71	5.54
10. भारतीय रिजर्व बैंक	11.94	11.62	11.63	11.76	13.81
11. अन्य	6.92	6.30	6.58	6.58	6.55
11.1 राज्य सरकार	1.91	1.91	1.97	1.99	1.97

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017	2018			
	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
<b>(ख) कुल (₹ बिलियन में)</b>	<b>23329.53</b>	<b>24288.29</b>	<b>24954.61</b>	<b>25668.33</b>	<b>26693.93</b>
1. वाणिज्यिक बैंक	38.13	35.79	35.02	34.66	34.00
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.51	0.51	0.75	0.58	0.60
3. बीमाकृत कंपनियां	33.35	34.13	34.24	33.74	33.90
4. म्यूच्युअल फंड	1.68	1.64	1.20	1.05	1.23
5. सहकारी बैंक	4.78	4.78	4.79	4.75	4.67
6. वित्तीय संस्थाएं	0.22	0.35	0.35	0.43	0.37
7. कॉरपोरेट	0.13	0.15	0.16	0.17	0.22
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.21	0.23	0.15	0.10	0.09
9. भविष्य निधियां	17.05	19.67	20.34	21.04	21.29
10. भारतीय रिजर्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	3.94	2.76	2.99	3.48	3.64
11.1 राज्य सरकार	0.01	0.05	0.06	0.07	0.07

खजाना बिल					
श्रेणी	2017	2018			
	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
<b>(ग) कुल (₹ बिलियन में)</b>	<b>5102.82</b>	<b>3798.76</b>	<b>5280.07</b>	<b>5657.50</b>	<b>5298.26</b>
1. वाणिज्यिक बैंक	48.40	60.74	55.30	47.84	53.76
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.67	2.17	1.41	1.86	2.06
3. बीमाकृत कंपनियां	5.22	4.17	3.66	4.55	4.74
4. म्यूच्युअल फंड	10.40	2.27	7.03	10.69	5.65
5. सहकारी बैंक	2.05	2.42	1.29	1.20	1.21
6. वित्तीय संस्थाएं	3.97	3.55	2.36	1.67	1.88
7. कॉरपोरेट	2.12	2.45	1.88	6.67	1.86
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.09
9. भविष्य निधियां	0.02	0.11	0.21	0.01	0.02
10. भारतीय रिजर्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	26.17	22.12	26.87	25.50	28.72
11.1 राज्य सरकार	21.81	16.35	23.11	21.36	24.04

## सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्रामियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18 (स.अ.)	2018-19 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
<b>1. कुल वितरण</b>	<b>30,002.99</b>	<b>32,852.10</b>	<b>37,606.11</b>	<b>42,659.69</b>	<b>48,579.90</b>	<b>53,611.81</b>
1.1 गतिविधियां	17,142.21	18,720.62	22,012.87	25,379.05	29,324.08	32,025.64
1.1.1 राजस्व	13,944.26	14,830.18	16,682.50	18,784.17	22,525.73	24,390.87
1.1.2 पूंजी	2,785.08	3,322.62	4,120.69	5,012.13	5,857.77	6,745.79
1.1.3 ऋण	412.88	567.82	1,209.68	1,582.75	940.58	888.98
1.2 गैर गतिविधियां	12,427.83	13,667.69	15,108.10	16,726.46	18,542.53	20,762.79
1.2.1 राजस्व	11,413.65	12,695.20	13,797.27	15,552.39	17,684.36	19,839.32
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	5,342.30	5,845.42	6,480.91	7,244.48	8,166.36	8,851.50
1.2.2 पूंजी	990.37	946.87	1,273.06	1,157.75	844.41	909.08
1.2.3 ऋण	23.81	25.63	37.77	16.32	13.76	14.40
1.3 अन्य	432.95	463.79	485.14	554.17	713.29	823.38
<b>2. कुल प्रामियां</b>	<b>30,013.72</b>	<b>31,897.37</b>	<b>37,780.49</b>	<b>42,884.32</b>	<b>47,718.59</b>	<b>52,780.35</b>
2.1 राजस्व प्रामियां	22,114.75	23,876.93	27,483.74	31,322.01	35,923.82	41,185.41
2.1.1 कर प्रामियां	18,465.45	20,207.28	22,971.01	26,221.45	30,132.23	34,941.02
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	11,257.81	12,123.48	14,409.52	16,523.77	18,296.56	22,138.76
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	7,176.34	8,051.76	8,522.71	9,656.22	11,802.47	12,775.14
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	31.30	32.04	38.78	41.46	33.20	27.12
2.1.2 गैर-कर प्रामियां	3,649.30	3,669.65	4,512.72	5,100.56	5,791.59	6,244.38
2.1.2.1 ब्याज प्रामियां	401.62	396.22	357.79	332.20	316.10	368.35
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्रामियां	391.13	609.55	598.27	690.63	1,651.83	1,428.43
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	93.85	220.72	165.61	209.42	648.80	616.50
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	297.28	388.83	432.66	481.22	1,003.03	811.93
<b>3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]</b>	<b>7,497.11</b>	<b>8,365.63</b>	<b>9,524.10</b>	<b>10,647.04</b>	<b>11,004.25</b>	<b>10,997.97</b>
<b>3क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार</b>						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,467.08	10,980.08	11,023.86
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,358.58	-374.76	2,310.90	6,171.23	1,447.92	..
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	1,081.30	-3,341.85	604.72	1,958.16	-1,448.47	..
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	4,065.61	8,611.06	7,085.72	4,295.85	9,532.16	..
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	72.92	129.33	127.48	179.97	24.18	-25.89
<b>3ख वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार</b>						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,467.08	10,980.08	11,023.86
3ख.1.1 बाजार उधार (निवल)	6,391.99	6,640.58	6,732.98	6,898.21	7,951.99	8,398.36
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	-142.81	-565.80	-785.15	-1,050.38	-1,653.29	-1,434.61
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	312.90	343.39	352.61	456.88	406.13	474.19
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	34.63	51.09	-33.22	-64.36	6.70	31.14
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	255.45	275.45	134.70	177.92	168.45	159.10
3ख.1.6 नकद शेष	-10.72	954.74	-174.38	-224.63	861.31	831.46
3ख.1.7 अन्य	582.75	536.84	3,169.08	4,273.43	3,238.79	2,564.21
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	72.92	129.33	127.48	179.97	24.18	-25.89
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	26.7	26.3	27.3	27.8	28.4	28.1
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्रामियां	26.7	25.6	27.4	27.9	27.9	27.7
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्रामियां	19.7	19.2	20.0	20.4	21.0	21.6
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्रामियां	16.4	16.2	16.7	17.1	17.6	18.3
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	6.7	6.7	6.9	6.9	6.4	5.8

...: उपलब्ध नहीं। आरई: संशोधित अनुमान; बीई: बजट अनुमान  
स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज।

## सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	अप्रैल 2019 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	5.35	21	12.02	20	26.79	8
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	0.02	3	-	-	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	-	-	1.87	7	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	4.68	21	1.88	15
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	5.19	22	1.37	2
11	झारखंड	-	-	1.75	19	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	0.89	20	6.36	20	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	0.16	29	1.78	28	5.22	23
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिजोरम	0.01	1	-	-	-	-
19	नगालैंड	0.44	17	1.28	19	0.45	7
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	0.07	15	1.68	14	0.43	1
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	4.40	15	5.14	13	2.29	4
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	-	-	0.94	3	-	-
29	पश्चिम बंगाल	2.89	6	6.36	4	-	-

- टिप्पणी :**
- राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खजाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।
  - भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।
  - राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।
  - प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।
  - : नगण्य

**स्रोत :** भारतीय रिज़र्व बैंक।

## सं. 48: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	अप्रैल 2019 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	74.88	7.38	0.02	0
2	अरुणाचल प्रदेश	10.37	0.01	--	0
3	असम	37.41	0.47	--	0
4	बिहार	63.79	--	--	0
5	छत्तीसगढ़	38.66	--	0.01	60.00
6	गोवा	5.40	2.71	--	0
7	गुजरात	123.69	4.33	--	0
8	हरियाणा	18.81	10.77	--	0
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	0
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	0
11	झारखंड	--	--	--	0
12	कर्नाटक	34.92	--	--	35.00
13	केरल	19.45	--	--	0
14	मध्य प्रदेश	--	8.35	--	0
15	महाराष्ट्र	334.62	2.67	--	100.00
16	मणिपुर	3.40	0.90	--	0
17	मेघालय	5.52	0.27	0.09	0
18	मिज़ोरम	4.98	0.29	--	0
19	नगालैंड	13.45	0.29	--	0
20	उड़ीसा	120.88	13.07	0.76	178.45
21	पुदुचेरी	2.91	--	--	9.33
22	पंजाब	--	--	0.08	0
23	राजस्थान	--	--	1.29	37.92
24	तमिलनाडु	59.87	--	0.45	273.47
25	तेलंगाना	49.39	9.29	0.01	0
26	त्रिपुरा	2.96	0.05	--	8.00
27	उत्तरप्रदेश	--	--	1.80	0
28	उत्तराखंड	27.20	0.72	--	0
29	पश्चिम बंगाल	99.89	4.81	2.14	0
	<b>कुल</b>	<b>1152.43</b>	<b>66.38</b>	<b>6.64</b>	<b>702.17</b>

## सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य	2017-18		2018-19		2018-19						2019-20 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	फरवरी		मार्च		अप्रैल		सकल	निवल
						सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	228.00	189.22	302.00	238.24	25.00	17.93	-	-12.19	50.00	34.84	50.00	34.84
2	अरुणाचल प्रदेश	8.88	7.03	7.19	6.93	-	-	3.19	2.93	2.11	2.11	2.11	2.11
3	असम	77.60	67.97	105.95	80.89	10.00	10.00	21.95	-3.11	-	-	-	-
4	बिहार	100.00	89.08	143.00	109.03	20.00	20.00	43.00	23.84	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	81.00	81.00	129.00	129.00	30.00	30.00	39.00	39.00	-	-	-	-
6	गोवा	18.00	14.00	23.50	18.50	3.00	1.00	4.50	3.50	1.00	1.00	1.00	1.00
7	गुजरात	240.00	157.85	369.71	274.57	52.00	37.01	82.00	65.60	33.00	33.00	33.00	33.00
8	हरियाणा	166.40	158.40	212.65	179.70	45.00	32.05	42.40	27.40	10.00	10.00	10.00	10.00
9	हिमाचल प्रदेश	46.00	25.51	42.10	21.08	8.00	6.00	4.10	-2.90	4.00	4.00	4.00	4.00
10	जम्मू और कश्मीर	62.00	39.74	66.84	49.27	13.84	13.84	3.00	-4.81	8.00	2.61	8.00	2.61
11	झारखंड	60.00	48.07	55.09	40.23	25.00	21.00	10.09	3.67	-	-5.17	-	-5.17
12	कर्नाटक	220.98	173.48	396.00	313.83	45.00	45.00	70.00	10.83	-	-	-	-
13	केरल	205.00	162.03	195.00	147.84	27.00	19.00	5.00	-2.69	30.00	30.00	30.00	30.00
14	मध्य प्रदेश	150.00	131.25	204.96	149.71	40.00	40.00	32.00	0.85	5.00	5.00	5.00	5.00
15	महाराष्ट्र	450.00	364.80	208.69	31.17	30.00	-	-	-94.57	25.00	25.00	25.00	25.00
16	मणिपुर	5.25	2.78	9.70	6.67	2.00	2.00	2.70	2.70	2.03	2.03	2.03	2.03
17	मेघालय	11.16	9.20	11.22	8.63	1.00	1.00	3.72	2.33	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	4.24	2.77	0.00	-1.23	-	-	-	-0.97	1.58	1.58	1.58	1.58
19	नगालैंड	11.35	7.66	8.22	3.55	1.50	0.50	1.72	-0.35	1.00	-1.60	1.00	-1.60
20	उड़ीसा	84.38	84.38	55.00	45.00	10.00	-	-	-	10.00	10.00	10.00	10.00
21	पुदुचेरी	8.25	4.88	8.25	4.75	1.50	1.50	1.75	-0.75	-	-	-	-
22	पंजाब	174.70	133.49	221.15	170.53	15.00	11.46	27.26	18.88	23.00	12.00	23.00	12.00
23	राजस्थान	249.14	167.77	331.78	201.86	22.56	10.82	23.22	-40.21	40.00	40.00	40.00	40.00
24	सिक्कीम	9.95	7.45	10.88	7.95	-	-	2.71	2.71	-	-	-	-
25	तमिलनाडु	409.65	360.23	431.25	322.78	60.00	38.00	25.95	-3.03	30.00	30.00	30.00	30.00
26	तेलंगाना	246.00	218.28	267.40	221.83	27.50	22.45	20.22	11.51	15.00	4.16	15.00	4.16
27	त्रिपुरा	11.37	11.37	15.43	13.87	2.00	2.00	-	-1.56	-	-	-	-
28	उत्तरप्रदेश	416.00	371.78	460.00	333.07	90.00	90.00	60.00	4.06	-	-	-	-
29	उत्तराखंड	66.60	58.30	63.00	52.89	-	-2.52	5.50	4.56	5.00	2.00	5.00	2.00
30	पश्चिम बंगाल	369.11	253.04	428.28	304.31	70.45	60.45	88.00	66.43	-	-20.00	-	-20.00
	<b>कुल</b>	<b>4191.00</b>	<b>3402.81</b>	<b>4783.23</b>	<b>3486.43</b>	<b>677.35</b>	<b>530.50</b>	<b>622.98</b>	<b>123.66</b>	<b>295.72</b>	<b>222.56</b>	<b>295.72</b>	<b>222.56</b>

- : शून्य

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

## वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

### सारणी सं. 1

- 1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
- 3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
- 4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।
- 4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
- 4.10 से 4.12 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।
- 4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
- 7.1 और 7.2: विदेशी व्यापार यूएस डॉलर से संबंधित है।

### सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
- 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे- आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

### सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्वरड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

### सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्विजम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

### सारणी सं. 6

- अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
- 2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

### सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

### सारणी सं. 8

- एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
- 2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
- 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

### सारणी सं. 9

वित्तीय संस्थाओं में एक्विजम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।  
एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।  
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

### सारणी सं. 13

कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

### सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम हैं।

### सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका.प्लान. बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

### सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

### सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

### सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

### सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिजर्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिजर्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

### सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

‘अन्य पूंजी’ एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

### सारणी सं. 35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।



**सारणी सं. 36**

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक। 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

**सारणी सं. 37**

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

**सारणी सं. 38, 39, 40 और 41**

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

**सारणी सं. 43**

1.3: बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3: 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए हैं।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

**सारणी सं. 45**

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खजाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

**सारणी सं. 46**

2011-12 से जीडीपी डाटा 2011-12 के आधार पर हैं। वर्ष 2015-16 का डाटा 29 राज्यों से संबंधित हैं।

2015-16 से जीडीपी डाटा 28 फरवरी 2018 को केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम से संबंधित है।

जीडीपी के लिए 2016-17 (आरई) और 2017-18 के लिए केंद्रीय बजट 2017-18 से लिए गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनःचुकोती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकोती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार हैं।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों और 364 दिन के खज़ाना बिलों के माध्यम से प्राप्त उधारियों सहित।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते हैं।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ाना बिलों को छोड़कर) सहित।

#### सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

-: नगण्य

#### सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खज़ाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक**) में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2019	₹300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित <sup>@</sup> ) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर <sup>@</sup> )	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹650 (सामान्य) ₹700 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹700 (सामान्य) ₹750 (डाक प्रभार सहित) ₹525 (रियायती) ₹575 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2017-18 और 2018-19 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकाउंट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	25 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (काउंटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
7. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (काउंटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (काउंटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 37, 2016	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 38, 2017	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 39, 2018	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
12. पर्सपेक्टिव्स ऑन सेंट्रल बैंकिंग गवर्नंस; स्पीक (1935-2010) प्लैटिनम जुबिली	₹1400 एक प्रति (काउंटर पर)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट ([www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)) पर उपलब्ध हैं।
  2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
  3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- \* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- @ इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

**सामान्य अनुदेश:**

1. बिक्री हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं हैं।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेल: [spsdcs@rbi.org.in](mailto:spsdcs@rbi.org.in) है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, दूसरी मंजिल, मुख्य भवन, मुंबई - 400 001 को संबोधित होना चाहिए।  
एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित है :

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिजर्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBISOMBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी [spsdcs@rbi.org.in](mailto:spsdcs@rbi.org.in) पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।